ममता ने भवानीपुर से भरा पर्चा किया शक्ति प्रदर्शन - 12

प्रधानमंत्री मोदी बोले- मुद्रा योजना से मजबूत हुई उद्यमशीलता की भावना - 12

किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास अदालत को यह तय करने का अधिकार - 13

बिली जीन किंग कप में वैष्णवी व सहजा ने भारत को न्यूजीलैंड पर विजयी बढ़त दिलाई- 14

आज का मौसम
22.0⁰ अधिकतम तापमान
13.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.53
सूर्यास्त 06.35

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी 09:19 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 9 अप्रैल 2026, वर्ष 6, अंक 43, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

मतदान की तैयारी

असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान होगा। असम के कामरूप जिले में चुनाव की पूर्व संध्या पर अपने मतदान केंद्रों तक जाने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी पार करने की तैयारी करते मतदान अधिकारी। ● एजेंसी

लौटी ठंड: पहाड़ से मैदान तक बारिश-बर्फबारी

- तापमान में 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट, आज भी यलो अलर्ट

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : राज्य में मंगलवार रात से बदला मौसम बुधवार को पहाड़ों पर हिमपात और मैदानी इलाकों में आंधी-बारिश व ओलावृष्टि से बुरी तरह से बिगड़ गया।

मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश तथा 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। वहीं, उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में रुक-रुककर हुए हिमपात ने अप्रैल में दिसंबर, जनवरी जैसी हाड़ कंपाने वाली ठंड का अहसास कराने के साथ ही लोगों को गर्म कपड़े पहनने या फिर घर में बन्द होने के लिए मजबूर कर दिया। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम, हेमकुंड साहिब, तुंगनाथ, औली के अलावा उत्तरकाशी, टिहरी, देहरादून, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ के ऊंचे इलाकों में हिमपात से अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। हालांकि अगले 3-4 दिनों में अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान 5-6 डिग्री तक बढ़ सकता है। उधर, मैदानी इलाकों में भी आंधी-बारिश का जोर रहा।

मौसम विज्ञान विभाग देहरादून ने गुरुवार के लिए यलो अलर्ट जारी करते हुए उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर बारिश और 3000 मीटर एवं उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात का अनुमान जताया है।

भारी हिमपात के दौरान श्री केदारनाथ धाम का नजारा। ● अमृत विचार

मौसम का खेल: दून में धूप और बगड़धार में हुआ भूस्खलन

टिहरी गढ़वाल जिले में टिहरी-चंबा मोटर मार्ग पर बगड़धार क्षेत्र में भूस्खलन होने से सड़क क्षतिग्रस्त होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। लगातार बारिश और पवर्तीय क्षेत्र में सक्रिय भूस्खलन के चलते सड़क का एक हिस्सा धंस गया, जिससे मार्ग संकरा और जोखिमपूर्ण हो गया है। वहीं, राजधानी देहरादून में मौसम का अलग ही मिजाज देखने को मिला। यहां ठंडी हवाओं के बीच खिली धूप ने मौसम को और भी सुहावना बना दिया।

ब्रीफ न्यूज

गोवा : लूथरा बंधुओं को मिली जमानत

पणजी। गोवा की एक अदालत ने आग से तबाह हुए नाइटक्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जालसाजी के मामले में बुधवार को जमानत दे दी, जिससे उनकी जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया। लूथरा बंधुओं को इससे पहले पिछले साल दिसंबर में लगी भीषण आग से संबंधित एक मामले में जमानत मिल चुकी है। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई थी। लूथरा बंधुओं का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता पराग राव ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (मापुसा) जूड सेक्वेरा ने जालसाजी मामले में आरोपियों को नियमित जमानत दे दी है।

उत्तराखंड में 10 से डिजिटल जनगणना

देहरादून। राज्यपाल गुरमीत सिंह द्वारा 10 अप्रैल को स्व गणना के साथ ही राज्य में जनगणना की शुरुआत हो जाएगी। 24 अप्रैल तक 15 दिवसीय चलने वाली और देश में पहली बार हो रही इस डेटा आधारित स्व गणना में राज्यवासी अपने मोबाइल नंबर और बुनियादी क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके पोर्टल पर लॉग इन कर प्रगणक के आने से पहले बड़ी आसानी से अपना विवरण डिजिटल रूप से स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद जनगणना का पहला चरण 25 अप्रैल से 24 मई के बीच 30 दिन की अवधि में पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा जिसमें मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। ... संबंधित पेज- 2

पूरी दुनिया को डराने के बाद ट्रंप का यूटर्न ईरान के साथ दो सप्ताह का युद्धविराम

एक दिन पहले दी थी ईरान को मिटाने की धमकी, कल से इस्लामाबाद में होगी शांति वार्ता

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने युद्धविराम को विश्व शांति के लिए बड़ा दिन बताया

दुबई, एजेंसी

एक दिन पहले ही जब ईरानी सभ्यता को मिटा देने की धमकी से दुनिया भर में बेचैनी महसूस की जा रही थी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस धमकी से अंतिम समय में पीछे हट गए और ईरान के साथ दो सप्ताह के लिए युद्धविराम की घोषणा कर दी। इजराइल ने भी इस युद्धविराम पर सहमति जताई है। इसी के साथ दोनों पक्षों ने शुक्रवार से इस्लामाबाद में स्थायी शांति के लिए वार्ता शुरू करने के संकेत दिए हैं।

ट्रंप की अस्थायी युद्धविराम की घोषणा से पहले दोनों पक्षों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही बातचीत में कई उतार-चढ़ाव आए। युद्धविराम के लिए ईरान का 10 सूत्री योजना का प्रस्ताव सामने आया तो ट्रंप ने इसे धोखाधड़ी करार दिया। ईरान के इस प्रस्ताव में संकेत दिया गया था कि उसे यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की अनुमति दी जाएगी जो परमाणु हथियार बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। ईरान की दूसरी मांगों में क्षेत्र से अमेरिकी सेना की वापसी, प्रतिबंधों को हटाना और उसकी जब्त संपत्तियों को जारी करना शामिल है। ट्रंप ने फिलहाल झुकते हुए अस्थायी युद्धविराम की घोषणा कर दी। इसके बाद तेहरान की सड़कों पर लोगों ने अमेरिका, इजराइल के खिलाफ नारे लगाए। सड़क पर अमेरिकी और इजराइल के झंडे भी जलाए।

युद्धविराम की घोषणा के बाद इजराइल के तेल अवीव में लोग बंकरों से बाहर निकले।

ईरान की बड़ी जीत... होर्मुज में वसूलेगा शुल्क

ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी शुल्क वसूलेंगे। युद्धविराम से इस मार्ग पर नियंत्रण को औपचारिक रूप मिलने के साथ ईरान को राजस्व का नया स्रोत मिल सकता है। एक अधिकारी के अनुसार, ईरान और ओमान दोनों को होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की अनुमति दी गई है। ईरान इस राशि का इस्तेमाल पुनर्निर्माण के लिए करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, समझौते के बाद खूब आय होगी। ईरान पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

युद्धविराम के बाद भी जारी रहे दोनों ओर से हमले

युद्धविराम की घोषणा के बाद संयुक्त अरब अमीरात, इजराइल, सऊदी अरब, बहरीन और कुवैत में मिसाइल हमले की चेतावनी जारी की गई। अधिकारियों ने बताया कि ईरान की ओर से हुई गोलाबारी के बाद अबू धाबी में एक गैस प्रसंस्करण संयंत्र में आग लग गई। संयुक्त अरब अमीरात ने कहा है कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से आ रही मिसाइलों के जवाब में जवाबी कार्रवाई की। कुवैत की सेना ने कहा कि उसकी सेना ने ड्रोन हमलों को नाकाम करने के लिए कार्रवाई की। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस समझौते को एक नाजुक युद्धविराम बताया।

इस युद्धविराम में लेबनान शामिल नहीं : नेतन्याहू

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमले रोकने के अमेरिकी फैसले का समर्थन किया है, लेकिन कहा कि यह युद्धविराम लेबनान में इजराइल के जारी सैन्य अभियानों पर लागू नहीं होगा। नेतन्याहू का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी लेबनान और अन्य जगहों सहित हर जगह तत्काल युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं और यह कदम तत्काल रूप से प्रभावी है।

ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक जल्द निकलें : भारत

दुबई। अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के बाद भारत ने बुधवार को ईरान में अपने नागरिकों को हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर तेहरान स्थित अपने दूतावास की ओर से सुझाए गए मार्गों का उपयोग करते हुए देश से शीघ्र बाहर निकलने की सलाह दी। दूतावास ने यह भी दोहराया कि बिना दूतावास से पूर्व परामर्श और समन्वय किए किसी भी अंतरराष्ट्रीय भूसीमा के पास जाने या उस ओर जाने का कोई प्रयास न किया जाए। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में जरूरतमंद लोगों के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर और ईमेल भी उपलब्ध कराए।

झूमा बाजार... सेंसेक्स में 2,946 अंकों का उछाल

मुंबई, एजेंसी

ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच करीब 40 दिन से जारी संघर्ष में युद्धविराम की घोषणा होने से भारतीय शेयर बाजार झूम उठा। युद्धविराम के साथ कच्चे तेल के दाम में भारी नरमी आने के बाद सेंसेक्स में 2,946 अंकों का उछाल आया और निफ्टी भी 873 अंक बढ़कर 24,000 के पार पहुंच गया।

व्यापारियों के मुताबिक भारतीय शेयर बाजार पर आरबीआई के नीतिगत दर रेपो को यथावत रखने का निर्णय, सभी क्षेत्रों में भारी लिवाली और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती का भी असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 3,018.96 अंक चढ़कर 77,635.54 अंक पर पहुंच गया था और अंत में 2,946.32 अंक यानी 3.95 प्रतिशत बढ़कर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 873.70 अंक यानी 3.78 प्रतिशत बढ़कर 23,997.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 901.5 अंक चढ़कर 24,025.15 अंक पर पहुंच गया था। बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी रही।

- निफ्टी ने ली 873 अंकों की बढ़त 24,000 के पार निकला

16.25 लाख करोड़ बढ़े

नई दिल्ली। शेयर बाजार में तेजी आने से निवेशकों की संपत्ति 16 .25 लाख करोड़ की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 16,25,093 .09 करोड़ रुपये बढ़कर 4,45,51,402 करोड़ रुपये हो गया।

16% टूटा ब्रेंट क्रूड

होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन के संकेत के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत में तेजी से गिरावट आई और यह 92 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गईं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब 16 प्रतिशत टूटा।

रुपया 52 पैसे मजबूत

अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 52 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 92 .54 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 16 पैसे टूटकर 93 .06 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी।

पीएंडके उर्वरकों पर 41,534 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी से किसानों को राहत देने के लिए खरीफ सत्र 2026 के लिए फॉस्फेटिक एवं पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों पर सब्सिडी को 12 प्रतिशत बढ़ाकर 41,534 करोड़ रुपये कर दिया है। खरीफ सत्र 2025 में सरकार ने पीएंडके उर्वरकों पर 37,216 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह उर्वरक सब्सिडी एक अप्रैल से 30 सितंबर, 2026 तक की अवधि के लिए लागू रहेगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि खरीफ सत्र 2025 की तुलना में आगामी फसल सत्र के लिए देय सब्सिडी में 4,317 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने खरीफ सत्र 2026 के लिए पोषक तत्वों पर सब्सिडी दर तय की है।

इसके तहत नाइट्रोजन पर 47.32 रुपये प्रति किलोग्राम, फॉस्फेट पर 52.76 रुपये प्रति किलोग्राम, पोटाश पर 2.38 रुपये प्रति किलोग्राम और सल्फर पर 3.16 रुपये प्रति किलोग्राम सब्सिडी दी जाएगी। वर्ष 2010 से लागू 'पोषक तत्व आधारित सब्सिडी' (एनबीएस) योजना के तहत पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी दी जाती है। यह सब्सिडी पीएंडके उर्वरकों की 28 किस्मों के लिए दी जाती है।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने खरीफ सत्र के लिए सब्सिडी में की 12 % की वृद्धि

मंत्रिमंडल के अन्य फैसले

- घरेलू रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से राजस्थान तेल रिफाइनरी परियोजना की लागत बढ़ाकर 79,459 करोड़ रुपये करने को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।
- जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी। यह 41 किमी लंबा उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर राजस्थान की राजधानी में शहरी संपर्क को बढ़ाने और यातायात के दबाव को कम करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।
- अरुणाचल प्रदेश में दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण के लिए 40,150 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी। नवीकरणीय ऊर्जा के विकास और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को गति देने के लिए कदम।

घूस लेते हुए लेखाकार गिरफ्तार

संवाददाता, हल्द्वानी/अल्मोड़ा

अमृत विचार : विजिलेंस ने अल्मोड़ा जिले के लमगड़ा ब्लॉक कार्यालय में तैनात लेखाकार (एकाउंटेंट) को बुधवार को 15,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ता ठेकेदार ने विजिलेंस सेक्टर हल्द्वानी कार्यालय में दी शिकायत में आरोप लगाया था कि तीन लाख रुपये के शौचालय निर्माण कार्य के लिए उसकी निविदा स्वीकृत हुई थी जिसकी एफडीआर रिलीज कराने के लिए लेखाकार हर सिंह बिष्ट उर्फ हरीश सिंह बिष्ट ने रिश्वत मांगी थी। एसपी विजिलेंस दीपशिखा अग्रवाल ने बताया कि ट्रैप टीम ने आरोपी को 15 हजार की रिश्वत लेते दबोच लिया। वहीं, निदेशक सतर्कता डॉ. वी. मुरूगेशन ने ट्रैप टीम को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

लमगड़ा ब्लॉक का आरोपी लेखाकार।

श्रीनगर: आतंकियों से संबंध रखने पर दो सरकारी कर्मी बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत दो सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं।

अधिकारियों के मुताबिक बर्खास्त कर्मचारियों में फरहत अली खंडेय और मोहम्मद शफी डार शामिल हैं। इन पर आतंकवादियों से संबंध रखने का आरोप था। दोनों कर्मचारियों की बर्खास्तगी संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गई है और यह सरकारी तंत्र में घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ फेंकने को लेकर जारी अभियान का हिस्सा है।

संकट में सतर्कता : रेपो दर में कोई बदलाव नहीं

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए बुधवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। केंद्रीय बैंक ने इसके साथ सतर्क रुख अपनाते हुए 'देखो और इंतजार करो' की नीति का रुख अपनाया है।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पश्चिम एशिया में 40 दिन चले युद्ध के कारण कच्चे तेल दाम में भारी तेजी के बीच तब हुई है, जब ईंधन आयात पर निर्भर भारत के लिए मुद्रास्फीतिक दबाव बढ़ा है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा, एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसके साथ ही मौद्रिक नीति के मामले में तटस्थ रुख भी बनाए रखा है। इसके साथ ही आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है।

- भारतीय रिजर्व बैंक ने 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा
- 2026-27 में वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान

जस की तस रहेगी ऋणों की मासिक किस्त

रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त जस की तस बने रहने की संभावना है। सरकार की पिछले महीने आरबीआई के लिए नए मुद्रास्फीति लक्ष्य की घोषणा के बाद यह पहली मौद्रिक नीति समीक्षा है।

हिदायत | मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तीन अहम कॉरिडोर के कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

छह माह में दिखे कॉरिडोर परियोजनाओं की असल प्रगति : धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी छह माह में हरिद्वार गंगा कॉरिडोर, शारदा रिवरफ्रंट कॉरिडोर तथा ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजनाओं के तहत कार्यों की वास्तविक प्रगति दिखाई देनी चाहिए। इसके लिए प्रत्येक परियोजना की स्पष्ट टाइमलाइन निर्धारित करने के साथ तय समयसीमा में कार्यों को पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

बुधवार को उत्तराखंड निवेश और आधारभूत संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की चौथी बैठक के दौरान राज्य की महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक में सीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों को परियोजनाओं के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीनों परियोजनाओं के अंतर्गत कार्यों में तेजी लाएं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाएं। सीएम ने कहा कि राज्य में यूआईआईडीबी के गठन का मुख्य उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना तथा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी संबंधित विभाग गंभीरता, समन्वय और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को शारदा कॉरिडोर योजना के कार्यों में तेजी लाने हेतु परियोजना के लिए भूमि की उपलब्धता के साथ इस क्षेत्र की भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशीलता का भी अध्ययन कर सुरक्षात्मक उपायों की प्राथमिकता पर ध्यान देने को कहा। शारदा नदी के किनारे रिवर फ्रंट के विकास तथा घाटों के सौंदर्यीकरण से इस क्षेत्र में आनेवाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखें।

बेहतर सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से आगामी हरिद्वार कुंभ को ध्यान में रखते हुए गंगोत्री से हरिद्वार तक गंगा स्वच्छता के साथ हरिद्वार एवं ऋषिकेश के घाटों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दोनों परियोजना के अलग डिजाइन

सीएम ने कहा कि शारदा और गंगा कॉरिडोर का मुख्य उद्देश्य राज्य में धार्मिक पर्यटन को और बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा श्रद्धालुओं को सुविधा देना है। दोनों परियोजनाओं में अलग-अलग डिजाइन पर कार्य होंगे। शारदा कॉरिडोर के तहत बुनियादी ढांचे, पर्यटन और लोगों की आर्थिकी को बढ़ावा देने से संबधित अनेक कार्य किए जाएंगे।

स्टेट ब्रीफ

हाईकोर्ट ने मांगा सरकार से जवाब

नैनीताल : हाईकोर्ट ने किच्छा नगरपालिका के चुनाव नहीं कराने के मामले में राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग से 24 घंटे में जवाब देने को कहा है। किच्छा निवासी नेमुलशान खान और अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की पीठ में सुनवाई हुई। इस मामले में गुरुवार को भी सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य के अन्य नगर निकायों में चुनाव कराए जा चुके हैं तो किच्छा में चुनाव क्यों लंबित हैं।

उपनल मामले में 28 तक दें रिपोर्ट

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने उपनल संविदा कर्मचारियों को आदेश होने के बाद भी नियमित न करने और उन्हें सामान्य कार्य सामान्य वेतन का भुगतान न करने के खिलाफ उनकी विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से यह बताने को कहा है कि कुंदन सिंह बनाम राज्य सरकार में पारित आदेश का अभी तक इनको नियमित करने के लिए सरकार ने कितना अनुपालन किया है। हाईक्रोट ने कहा कि उसकी रिपोर्ट 28 अप्रैल तक कोर्ट में प्रस्तुत करें।

पुलिस की कार्रवाई तेज, पांच गिरफ्तार

हरिद्वार : उत्तराखंड में हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र में पिछले दिनों सड़क दुर्घटना के बाद उपजे आक्रोश के बीच पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता, राजकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और यातायात बाधित करने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए अब तक पांच आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। घटना के संबंध में कोतवाली श्यामपुर में मामला दर्ज किया गया, जिसमें 10 नामजद और 50-60 अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना श्यामपुर पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। फरार उपद्रवी भी जल्द गिरफ्तार होंगे।

पर्यावरण वैज्ञानिकों ने कहा, भविष्य में भी बनी रहेगी मौसम को लेकर अनिश्चितता

जारी रहेगा अल नीनो का असर, कहीं बारिश तो कहीं पड़ेगा सूखा

- मई माह से अत्यधिक गर्मी और सूखे का प्रभाव दिखना शुरू हो जाएगा

संवाददाता, नैनीताल

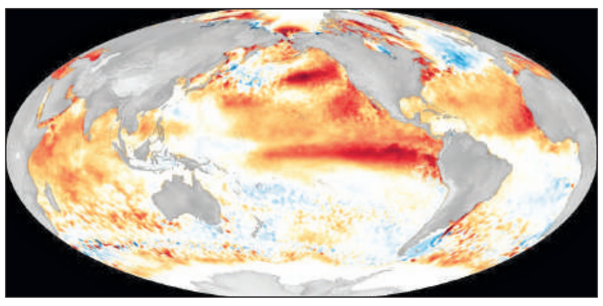

अल नीनो की प्रतीकात्मक तस्वीर।

अमृत विचार: मौसम की दुश्वारिया आगे भी जारी रहेंगी। इधर असमय सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों से वर्षा ने सूखे से राहत दिलाई है तो अब अल नीनो की सक्रियता मानसून को प्रभावित करने के संकेत दे रहा है। लिहाजा मौसम को लेकर अनिश्चितता भविष्य में भी बनी रहेगी। ऐसे संकेत नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पर्यावरण वैज्ञानिकों ने दिए हैं।

दरअसल, शीतकाल में बरसने वाले पश्चिमी विक्षोभ वसंत में बरस रहे हैं। जिनके आने वाले दिनों में भी बरसने की आशंका मौसम समेत पर्यावरण वैज्ञानिक जता रहे हैं। अब जो बड़ी चेतावनी आ रही है, वह अल नीनो को लेकर हैं। फिलहाल अल नीनो का सक्रिय होना शुरू हो चुका है।

ऐसे में मई माह से दुनिया के कई हिस्सों में असर अत्यधिक गर्मी और सूखे के रूप में दिखना शुरू हो जाएगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि अल नीनो के प्रभाव से कुछ हिस्सों में बारिश ठीक ठाक होगी तो कुछ हिस्से सूखे की चपेट में रहेंगे। जिससे कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा। साथ ही कुछ हिस्सों में रिकार्डतोड़ गर्मी पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

हिंद महासागर अच्छा प्रभाव डाल सकता है मानसून पर

नैनीताल : मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हिंद महासागर के पानी का तापमान सामान्य रहा तो मानसून की बारिश में असर कम पड़ेगा। दक्षिण पश्चिम मानसून हिंद महासागर से सक्रिय होता है। जिस कारण माना जा रहा है कि हिंद महासागर का तापमान मानसून की वर्षा में अहम भूमिका निभा सकता है।

मानसून के दौरान अल नीनो की सक्रियता वर्षा के लिए ठीक नहीं

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह का कहना है कि अल नीनो का मानसून के दौरान सक्रिय होना, संभावना जताता है कि हालात कुछ ठीक नहीं रहेंगे। मगर इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकते कि मानसून की वर्षा में कमी रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की भेंट

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- प्रदेश के विविध विषयों व मुद्दों पर जानकारियां साझा कीं

अमृत विचार: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के स्नेह एवं मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने उत्तराखंड प्रदेश में बारहमासी पर्यटन, स्वयं सहायता समूहों, होम-स्टे तथा इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति के लिए केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग हेतु प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। भेंट के दौरान राज्यपाल ने प्रदेश के समग्र विकास, जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों तथा समसामयिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ जानकारियां साझा कीं। राज्यपाल ने इस दौरान भविष्य के विश्वविद्यालयों जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कम्प्यूटिंग और मेटावर्स जैसे विषय शामिल हों, पर भी वार्ता की।

राज्यपाल ने कहा कि आगामी 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के शुभारंभ को लेकर समस्त उत्तराखंडवासियों में विशेष उत्साह है और सभी इसकी उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रधानमंत्री को अपने भाषणों पर आधारित पुस्तक 'आत्मा के स्वर' भेंट की। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर अपनी स्वलिखित पुस्तक 'Absolute Intelligence' तथा 'प्रज्ञा' भी उन्हें भेंट की।

जवानों का शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहना जरूरी: सीएम

सीएम धामी ने 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर चैंपियनशिप का किया शुभारंभ

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

जवानों को संबोधित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को वाटर स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर इंस्टीट्यूट, टिहरी गढ़वाल में आयोजित 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर चैंपियनशिप का वर्चुअल शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि, इस प्रकार के आयोजन न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं, बल्कि राज्य को साहसिक खेलों और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रतियोगिता में देशभर की 19 टीमों के 440 से अधिक महिला एवं पुरुष खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं, जो कैनोइंग, रोइंग एवं कयाकिंग की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवान देश की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और जनविश्वास को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनका शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। खेल न केवल फिटनेस को बढ़ाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और कठिन परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता भी विकसित करते हैं। वाटर स्पोर्ट्स जैसे खेल आपदा प्रबंधन, बाढ़ राहत, नदी बचाव और तटीय सुरक्षा जैसे कार्यों में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। इन खेलों में दक्षता होने से कई बार जीवन रक्षक साबित होती है और आपात परिस्थितियों में लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाती है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में मजबूत हुई खेल संस्कृति

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट जैसे अभियानों ने देश में खेल संस्कृति को मजबूत किया है और युवाओं में खेलों के प्रति नया उत्साह पैदा किया है। राज्य सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उत्तराखंड ने हाल ही में 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है और राज्य देवभूमि के साथ-साथ खेलभूमि के रूप में भी उभर रहा है।

तेजी से हो रहा खेल अवसंरचना का विकास

मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य में आधुनिक खेल अवसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है तथा भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रकार के आयोजन राज्य के विकास, पर्यटन संवर्धन और खेल प्रतिभाओं के उन्नयन में सहायक सिद्ध होंगे।

स्कूल से गायब शिक्षक सस्पेंड

देहरादूनः चकराता के राजकीय प्राथमिक विद्यालय डिरनाड़ में तैनात सहायक अध्यापक हरपाल सिंह को विभाग ने तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। वायरल वीडियो और ग्रामीणों की शिकायत पर उप शिक्षा अधिकारी चकराता द्वारा की गई जांच में उक्त शिक्षक बिना अवकाश विद्यालय से अनुपस्थित पाया गया। साथ ही, पूर्व में ही उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर करने का भी दोषी पाया गया। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) ने संबंधित शिक्षक को निलम्बित कर बीईओ कार्यालय चकराता में सम्बद्ध कर दिया है।

चारधाम यात्रा में मार्गदर्शक बनेगा सचेत एप

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्य सचिव ने बुधवार को सचिवालय में चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्त्वपूर्ण बैठक ली। मुख्य सचिव ने पुलिस, लोनिवि, स्वास्थ्य विभाग आदि को अपने स्तर से पूर्ण तैयारियां सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन के दौरान यात्रियों को 'सचेत ऐप' अनिवार्य रूप से डाउनलोड कराया जाए। उन्होंने पुलिस सहित अन्य सभी सम्बन्धित विभागों को अपनी विभागीय योजनाओं में नए रूट्स और कनेक्टिविटी को भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को जाम वाले स्थलों तथा स्लाईडिंग जोन का चिन्हित कर पुलिस बल तैनात किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रैफिक जाम और लैंड स्लाइडिंग जैसे अन्य कारणों से मार्ग बाधित होने के कारण लगने वाले जाम से बचने के लिए बड़े होल्डिंग एरिया चिह्नित कर यात्रियों को रुकने और खाने की व्यवस्थाएं हो ताकि यात्रियों को किसी प्रकार को असुविधा न हो।

देहरादून में भावना मेहरा को पदभार ग्रहण कराते आवास सचिव डॉ. आर राजेश कुमार।

भावना मेहरा ने संभाला कार्यभार, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

नैनीताल : आवास सलाहकार परिषद की नवनियुक्त उपाध्यक्ष भावना मेहरा ने बुधवार को देहरादून सचिवालय में विधिवत अपना कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. आर. राजेश कुमार ने उन्हें पदभार ग्रहण कराया। कार्यभार संभालने के बाद भावना मेहरा ने कहा कि पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 'टीम उत्तराखंड' की भावना के साथ जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि वह अपनी नई जिम्मेदारी को निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाते हुए प्रदेश के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारना उनकी प्राथमिकता होगी, ताकि आम जनता को अधिकतम लाभ मिल सके। भावना मेहरा ने बताया कि आवास से जुड़े विषयों के साथ प्रदेश के सभी जिला विकास प्राधिकरणों की बैठक कर योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जाएगा।

हल्द्वानी में शराब के क्वार्टर पर पांच व बोतल पर 10 रुपये की ओवर रेटिंग

मुख्य संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने शराब की दुकानों पर छापेमारी कर ओवररेटिंग पकड़ी है। ओवर रेटिंग पर कारण बताओ नोटिस के साथ ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ललित मोहन रयाल के निर्देशानुसार, सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, एसडीएम प्रमोद कुमार व तहसीलदार कुलदीप पांडेय ने अंग्रेजी शराब की दुकानों पर औचक चेकिंग की। टीम ने टेढ़ी पुलिया, तिकोनिया, मंगल पड़ाव व कालाढूंगी रोड आदि की चेकिंग की। इनमें तीन दुकानों में ओवर रेटिंग पकड़ी गई। जब टीम ने ग्राहकों से बातचीत की तो ब्लेंडर्स प्राइड के पव्वे पर पांच रुपये और मैजिक मूमेंट्स की बोतल पर 10 रुपये ओवर रेट वसूले जा रहे थे। वहीं, टीम ने जब ऑनलाइन पेमेंट के लिए क्यू आर कोड सिस्टम चेक किया गया तो इसमें भी गड़बड़ी मिली। इसके बाद टीम ने सीसीटीवी कैमरे, बिलिंग मशीन आदि की जांच की जो दुरुस्त पाए गए। टीम ने क्यूआर कोड व ऑनलाइन पेमेंट दुरुस्त करने और ओवर रेटिंग नहीं करने की हिदायत दी है। जहां ओवर रेटिंग मिली है, इन दुकानों के रजिस्टर में मेंशन करने के साथ ही कार्रवाई की जा रही है।

शराब की दुकान की चेकिंग करते सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी।

एसडीएम का छापा, ओवररेट बिकती मिली शराब

रामनगर : ओवररेटिंग की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एसडीएम गोपाल सिंह चौहान ने रानीखेत रोड स्थित देसी व विदेशी शराब की दुकानों पर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। विदेशी शराब की दुकान से 134 एक्सपायरी बीयर कैन बरामद कर सीज किए गए और आबकारी विभाग को सौंप दिए गए। एसडीएम ने कार्रवाई से पहले दोनों दुकानों पर नकली ग्राहक भेजा। जांच में पाया गया कि 670 रुपये की मैकडॉवेल बोतल 700 रुपये में और 340 रुपये की देशी शराब माल्टा 350 रुपये में बेची जा रही थी। ऑनलाइन बिलिंग के माध्यम से ओवररेटिंग किए जाने की पुष्टि हुई।

अंतरराज्यीय वाहन चोर किए गिरफ्तार

ऋषिकेशः उत्तराखंड में देहरादून पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है।

आरोपी ने गिरफ्तारी से पहले पुलिस टीम पर फायरिंग भी की लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। कोतवाली प्रभारी कैलाश चंद्र भट्ट ने बुधवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मंगलवार देर रात जंगलात बैरियर पर पुलिस टीम संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की सघन जांच अभियान चलाया था। इसी दौरान रानीपोखरी की ओर से आ रही एक कार को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन कार चालक ने पुलिस को देखकर वाहन मोड़कर भागने की पूरी कोशिश की। पुलिसकर्मियों द्वारा पीछा किए जाने पर आरोपी ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायरिंग कर दी। हालांकि सतर्क पुलिस टीम ने संयम और सूझबूझ का परिचय देते हुए आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

रूठे नेताओं को मनाएंगी या शर्मिंदा करेंगी कु. शैलजा?

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय स्वराज आश्रम में कांग्रेसियों की बैठक लेंगी। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल भी रहेंगे। कांग्रेस में छह बड़े नेता शामिल हुए हैं, जिसके बाद कुछ नेताओं की नाराजगी भी चल रही है। पूर्व सीएम हरीश रावत के समर्थक भी तेवर दिखा रहे हैं। ऐसे में यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। देखना यह है कि शालीन व्यक्तित्व रखने वाली कुमारी शैलजा रूठों को मनाएंगी या ताजा खींचतान के मद्देनजर सख्ती दिखाकर तेवर दिखा रहे नेताओं को शर्मिंदा करेंगी?

विधानसभा चुनाव में एक साल से कम का समय रह गया है। कांग्रेस ने लगातार स्थानीय मुद्दों को उठाया है। कांग्रेसियों का दावा है कि जल्द ही 12 और बड़े नेता कांग्रेस में शामिल होंगे। यह दल-बदल कांग्रेस के लिए भारी भी साबित हो रहा है। विधानसभा चुनाव तैयारियों पर मंथन को लेकर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल के साथ पदाधिकारियों से लेकर कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगी।

माना जा रहा है कि बैठक में कांग्रेस में पनप रहे असंतोष का मुद्दा भी उठेगा। एक कांग्रेस पदाधिकारी का कहना है कि रूठों मनाने की ही प्राथमिकता पर काम किया जाएगा। चुनाव आने वाला है और सबको मिलकर चुनाव लड़ना है।

यूथ कांग्रेस चुनाव में भी असंतोष

यूथ कांग्रेस के हुए संगठनात्मक चुनाव के नतीजे आ गए हैं लेकिन कुछ कार्यकर्ताओं ने चुनाव के तरीके पर ही सवाल उठाए हैं। जिससे कांग्रेस संगठन फिर से दबाव में आता दिखा। हालांकि बाद में सख्ती के बाद असंतोष दिखाने वाले कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया से अपनी पोस्टों को हटा लिया है जो कांग्रेस आलाकमान के लिए राहत भरा है

समीक्षा | सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार की बैठक, डीपीआर स्तर पर आगे बढ़ाने के निर्देश

हरिद्वार को मिलेगी आधुनिक रोपवे व्यवस्था, बनी रणनीति

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों में सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने बुधवार को राज्य सचिवालय में उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा हरिद्वार शहर में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे परियोजना की समीक्षा की।

बैठक के दौरान उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक बृजेश कुमार मिश्रा ने हरिद्वार में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का क्रियान्वयन और संचालन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत डीबीएफओटी आधार पर किया जाना प्रस्तावित है।

इस दौरान परियोजना की संरचना, संभावित मार्ग, निर्माण कार्य और संचालन व्यवस्था की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना से हरिद्वार शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आधुनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

प्रबंध निदेशक द्वारा बताया गया कि रोपवे स्टेशन, कार्यशाला और भूमि तथा अन्य आवश्यक क्लीयरेंस को छोड़कर परियोजना की संरचना के निर्माण कार्य की अनुमानित लागत लगभग 75 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर आंकी गई है।

उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की भूमि का मुद्दा उठा

बैठक में रोपवे परियोजना के लिए आवश्यक भूमि के विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित रोपवे स्टेशन के लिए जिस भूमि की आवश्यकता है, वह उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग के स्वामित्व में है। इस पर सचिव आवास ने निर्देश दिए कि उत्तराखंड शासन के सिंचाई विभाग के माध्यम से उत्तर प्रदेश शासन को पुनः पत्र भेजा जाए।

कन्सेशन अवधि बढ़ाने पर भी विचार

बैठक में परियोजना की कन्सेशन अवधि की भी समीक्षा की गई। वर्तमान में परियोजना के लिए 30 वर्ष की कन्सेशन अवधि प्रस्तावित है। सचिव आवास ने कहा कि परियोजना की उच्च लागत को देखते हुए निविदा प्रक्रिया में कन्सेशन अवधि बढ़ाने का विकल्प भी रखा जाना चाहिए।

तीर्थयात्रियों, पर्यटकों को मिलेगी आधुनिक व सुरक्षित परिवहन सुविधा

सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि हरिद्वार में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे परियोजना शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ ही तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आधुनिक और सुरक्षित परिवहन सुविधा प्रदान करेगी। परियोजना को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने का प्रयास किया जा है।

गाडू घड़ा कलश यात्रा का स्वागत

ऋषिकेशः भगवान बदरी विशाल के कपाट खुलने की सदियों पुरानी परंपरा का उल्लास बुधवार को उत्तराखंड की तीर्थनगरी ऋषिकेश में चरम पर देखने को मिला।

नरेंद्रनगर राजदरबार से शुरू हुई पावन गाडू घड़ा यात्रा बुधवार को ऋषिकेश पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भक्ति और उत्साह के साथ इसका स्वागत किया। इस वर्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक बदलाव भी देखने को मिला। दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार चेला चेतराम धर्मशाला पहुंचने के बजाय, गाडू घड़ा यात्रा पहली बार बनखंडी स्थित रामलीला ग्राउंड पहुंची। बनखंडी क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे ही चांदी का पवित्र कलश रामलीला ग्राउंड पहुंचा, क्षेत्र बद्री विशाल लाल की जय के जयघोष से गूंज उठा।

सिटी इंवेंट्स

- जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग की टीमें बनभूलपुरा में पीएम आवास फार्म की स्क्रूटनी करेंगी 10 बजे
- कांग्रेस प्रभारी शैलजा स्वराज आश्रम में कार्यकर्ताओं के साथ करेंगी बैठक 1 बजे
- हीरा नगर स्थित पर्वतीय उत्थान मंच में महिलाओं की रामलीला 7 :30 बजे

सिटी ब्रीफ

बारिश से बढ़ी ठंड, जनजीवन रहा प्रभावित

धानाचूली : अप्रैल माह में जहां आमतौर पर गर्मी का एहसास होने लगता है, वहीं बुधवार को मौसम ने अचानक करवट बदल ली। सुबह करीब पांच बजे से ही पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश शुरू हो गई, जो दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे तक जारी रही। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और बीच-बीच में बिजली कड़कने की आवाज भी सुनाई देती रही। लगातार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। ठंड बढ़ने से लोगों को एक बार फिर गर्म कपड़े निकालने पड़े। कई स्थानों पर लोग अप्रैल महीने में भी अलाव तापते नजर आए। बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और लोग घरों में ही दुबके रहे। बारिश के चलते बच्चों को स्कूल आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित रही। पम्पिंग योजनाओं पर असर पड़ने से कई क्षेत्रों में पानी की सप्लाई ठप हो गई, जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। बारिश से गेहूं और जौ की फसल को नुकसान पहुंचने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। धारी क्षेत्र में भी दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही, जिससे ठंड का एहसास बना रहा और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। देर शाम तक आसमान में बादल छाए रहे बारिश की संभावना बनी हुई थी।

रातोंरात गर्मी रफूचक्कर, चली शीतलहर, निकले जैकेट-स्वेटर

बैशाख में सावन जैसी बरखा और माघ जैसी ठंड, पूरे जिले में दिनभर होती रही झमाझम बरसात, जन-जीवन प्रभावित, 12 डिग्री तक गिरा पारा

वरिष्ठ संवाददता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बैशाख का महीना चल रहा है और बारिश सावन की तरह हो रही है। मौसम ऐसा बदला कि हल्द्वानी में शीतलहर चलने लगी। लोगों ने एक बार फिर से स्वेटर, जैकेट निकाल लिए। मौसम का ऐसा मिजाज देखकर रातोंरात गर्मी मानो कहीं दुबक गई हो।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने पहले ही अनुमान जताया था कि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा और उसका असर पूरे उत्तराखंड में देखने को मिलेगा। आठ अप्रैल यानी बुधवार की तड़के ही पश्चिमी विक्षोभ ने असर दिखाना शुरू कर दिया। तड़के से ही बारिश शुरू हो गई। शहर में बारिश का दौर अपरान्ह तक चलता रहा।

लगातार हो रही बारिश की वजह से सड़कों पर लोगों की आवाजाही काफी कम रही। सर्दी ने एक बार फिर से दस्तक दे दी। एसी और पंखे पूरी तरह से बंद हो गए। लोगों को ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े निकालने पड़े। हल्द्वानी में करीब 12 मिमी बारिश दर्ज की गई।

अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते दिनों की अपेक्षा पारे में करीब 12 डिग्री की गिरावट आई है। दो अप्रैल को हल्द्वानी में पारा 36 डिग्री पार कर गया था लेकिन उसके बाद से तापमान में लगातार कमी ही आ रही है। न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री दर्ज किया गया है। अनुमान है कि नौ अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा और बारिश रुक जाएगी साथ ही तापमान में भी उछाल आएगा।

चोरगलिया में बुधवार को शेरनाला के उफनाने से यातायात रहा ठप। ● अमृत विचार

गौला का जलस्तर 139 क्यूसेक तक पहुंचा

हल्द्वानी : बारिश की वजह से गौला नदी का जलस्तर बढ़ गया है। गर्मियों में हल्द्वानी में पेयजल संकट में काफी कमी आने का अनुमान है। गौला नदी का जलस्तर 139 क्यूसेक तक पहुंच गया है। हालांकि बारिश की वजह से नदी में गाद और गंदगी आ गई है। जिस वजह से अगले दो से तीन दिन तक शीशमहल फिल्टर प्लांट से पानी की आपूर्ति कुछ प्रभावित होने का अनुमान है।

गेहूं की फसल चौपट, ओलों से सेब व अन्य फल-सब्जियों को नुकसान

हल्द्वानी : बारिश की वजह से गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। इन दिनों नैनीताल जिले के भाबर में गेहूं की फसल कटने को तैयार है। कहीं-कहीं पर फसल को कटाई हो चुकी है लेकिन फसल खेत में ही है। ऐसे में बारिश ने गेहूं को पूरी तरह से भिगाकर कर रख दिया है। जिससे किसान काफी मायूस हैं। पहाड़ों में कई जगह ओलावृष्टि हुई है, जिसका असर सेब, आड़ू के उत्पादन पड़ेगा जबकि इस बार सर्दियों के मौसम में बर्फबारी भी हुई थी। ऐसे में अनुमान था कि नैनीताल जिले की फल पट्टी रामगढ़, मुक्तेश्वर में फलों की अच्छी पैदावार होगी।

> किसान पूरी तरह से निराश हो चुके हैं। हमें काफी नुकसान पहुंचा है। लोगों की फसल बर्बाद हो चुकी है। अगर यही बारिश 20 दिन बाद होती तो इतना नुकसान नहीं होता बल्कि यह किसानों के लिए अच्छा ही होता है।
> **-नीरज रैक्वाल**, सामाजिक कार्यकर्ता व किसान

> मैंने स्वयं पहाड़ों में मटर की फसल का निरीक्षण किया। मटर की फसल भी ओलों की वजह से खराब हो गई है। बारिश हो उससे नुकसान नहीं है लेकिन ओलावृष्टि से काफी किसानों को नुकसान तो हुआ है।
> **-प्रेमा राणा**, मुख्य उद्यान अधिकारी

> फसल पककर खड़ी है और तेज हवा व बारिश की वजह से खेत में ही लेट गई है। यही हाल रोहित चोरसिया का है। बताया कि गौलापार से लेकर चोरगलिया क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गेहूं की फसल होती है और बारिश से यह फसल खराब हो गई है। इधर उद्यान विभाग से जानकारी मिली कि भाबर में आम और लीची को बारिश से नुकसान नहीं होगा लेकिन पहाड़ में ओलावृष्टि भी हुई है। **-पंकज भोजक**, काश्तकार

सीजनल बीमारियां बढ़ने का डर

हल्द्वानी : पहले गर्मी और फिर अचानक से सर्दी की वजह से सीजनल बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ऐसा मौसम वायरल इंफेक्शन के लिए काफी जिम्मेदार होता है। एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि अगर सर्दी, खांसी और बुखार की शिकायत लगे तो तुरंत ही डॉक्टर दिखाएं और स्वयं से दवा न लें। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतु रखोलिया ने बताया कि बच्चों का ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें हल्का भोजन ही दें। साथ ही सर्दी और गर्मी के मिले जुले मौसम में मौसम के अनुसार ही उन्हें कपड़े पहनाएं।

चोरगलिया में शेरनाला उफान पर, 4 घंटे तक फंसे रहे वाहन

संवाददाता, चोरगलिया

- तेज बारिश से स्टेट हाईवे बाधित, किसानों को भी हुआ नुकसान

अमृत विचार: बुधवार सुबह से हो रही तेज बारिश के कारण हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर स्थित शेरनाला उफान पर आ गया, जिससे मार्ग करीब चार घंटे तक बाधित रहा। सुबह 11:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक दोनों ओर लगभग दो किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। चोरगलिया थाना पुलिस मौके पर तैनात रही और पानी का बहाव कम होने के बाद सतर्कता के साथ वाहनों को पार कराया गया।

शेरनाले पर पुल निर्माण कार्य भी जारी है। निर्माण कार्य में लगे कर्मचारी प्रेम बहादुर ने बताया कि यदि बारिश एक-दो घंटे और जारी रहती तो निर्माण में लगी मशीनें और सामग्री तेज बहाव में बह सकती थीं। वहीं, बारिश से किसानों को भी भारी नुकसान हुआ है।

कई स्थानों पर कटी हुई गेहूं की फसल खेतों में पड़ी है, जबकि मंडाई के बाद तैयार भूसा भी पानी में भीगकर खराब होने की आशंका है।

शेरनाला उफनाने से सड़क पर फंसे वाहनों की कतार। ● अमृत विचार

गेहूं की फसल दिखाते नीरज रैक्वाल।

सेब को बर्फबारी देगी चिलिंग

हल्द्वानी : पिछले दिनों हुई बर्फबारी से मुक्तेश्वर, रामगढ़, नथुवाखान, हरतोला और धानाचूली क्षेत्र में सेब को अच्छी चिलिंग मिली। नैनीताल जिले में वर्ष 2025-26 में 1039 .68 हेक्टेयर भूमि पर सेब का 4420 .00 मैट्रिक टन उत्पादन था। किसानों को उम्मीद है की शनिवार को भी बर्फबारी होने से सेब के उत्पादन, साइज में वृद्धि होने के साथ सेब की मिठास भी बढ़ेगी लेकिन फल पट्टी में ओलावृष्टि से सेब को नुकसान होगा।

कालाढूंगी में गेहूं की खड़ी फसल बारिश के कारण जमीन पर गिर गई। ● अमृत विचार

वनाग्नि से मिली राहत

हल्द्वानी : अप्रैल माह में फायर सीजन शुरू हो जाता है। बारिश की वजह से वनाग्नि से भी काफी राहत मिली है। वनाग्नि की कोई बड़ी घटना अभी नैनीताल जिले में नहीं हुई है। इस बारिश से और भी फायदा मिलेगा। वनाग्नि की घटनाओं से आने वाले कुछ दिनों तक राहत मिलेगी। वनों में पर्याप्त नमी होने से वहां पर्यावरण में भी सुधार होगा।

नुकसान का होगा सर्वे, आदेश जारी: संयुक्त कृषि निदेशक

हल्द्वानी : कुमाऊं मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक पीके सिंह ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं कि वे सर्वे करें और बताएं कि बारिश, ओलावृष्टि से कितना और कहां नुकसान हुआ है। कहा कि दो से तीन अंदर रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। बताया कि पहाड़ों में अभी गेहूं की फसल कटी नहीं है। इसलिए वहां नुकसान कम होने का अनुमान है। मैदानी इलाकों में जहां गेहूं कट गया है वहां नुकसान ज्यादा हो सकता है। कुमाऊं मंडल में जो भी नुकसान हुआ है दो से तीन दिन के अंदर पता चल जाएगा।

जिले में 19,229 हेक्टेयर में होता है गेहूं

हल्द्वानी : नैनीताल जिले में गेहूं की खेती प्रमुख फसल है। मैदानी इलाकों में रामनगर, कोटाबाग, कालाढूंगी, हल्द्वानी ग्रामीण, चोरगलिया आदि क्षेत्र में व्यापक तौर पर फसल बोई जातीहै। कुल 19229 हेक्टेयर में खेती की जाती है और उत्पादन 74128 मीट्रिक टन होता है। जिले में 24982 हेक्टेयर भूमि असिंचित है। असिंचित भूमि ओखलकांडा, बेतालघाट, धारी रामगढ़, और भीमताल ब्लॉक में है। जनवरी और फरवरी में हुई बारिश से इन क्षेत्रों को लाभ पहुंचा लेकिन अब हो रही बारिश से काफी नुकसान हुआ है।

कालाढूंगी में बेमौसम बारिश से गेहूं की फसल बर्बाद

कालाढूंगी : बेमौसम बारिश के कारण गेहूं की फसल बर्बाद हो गई है। इसने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार रात से बुधवार दिन तक रुक-रुक कर हुई बारिश और खराब मौसम के कारण गेहूं के दाने काले पड़ने की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि पहले आए तूफान से गेहूं की अधिकांश फसल गिर चुकी है। खेतों में खड़ी फसल बारिश से जमीन पर फैल गई है, जिससे कटाई के लिए श्रमिकों को अधिक खर्च देना पड़ेगा। इससे उनकी परेशानियां और बढ़ गई हैं। कालाढूंगी, बैलपड़ाव, कोटाबाग और चकलुवा क्षेत्र में गेहूं की अच्छी पैदावार होती है। मार्च के अंतिम सप्ताह में जब गेहूं पककर कटाई के लिए तैयार था, किसानों ने कटाई और मंडाई शुरू कर दी थी। लेकिन मंगलवार रात से हुई रिमझिम बारिश के कारण कटाई और मंडाई में बाधा आई। किसानों का कहना है कि फसल भीगने से गेहूं का उत्पादन प्रभावित हो सकता है और नुकसान का अंदेशा है।

गौलापार में खेत में कटा पड़ा गेहूं बारिश से हुआ खराब। ● अमृत विचार

शहर में आज व कल डायवर्ट रहेगा ट्रैफिक

हल्द्वानी : जमरानी बांध परियोजना के तहत 9 और 10 अप्रैल को वृक्षों का पातन (कटान) किया जाएगा और इस दौरान सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक यातायात प्रभावित रहेगा। इसको लेकर पुलिस ने डायवर्जन प्लान जारी किया गया। जिसके मुताबिक, पर्वतीय क्षेत्र से मैदानी क्षेत्र की ओर जाने वाले प्रकार के वाहन नारिमन तिराहा काठगोदाम से डायवर्ट होकर गौलापार रोड होते हुए जाएंगे। काठगोदाम क्षेत्र से शहर हल्द्वानी की ओर आने वाले वाहन कॉलटेक्स तिराहा से डायवर्ट होकर पुराना फायर स्टेशन तिराहा होते हुए जाएंगे। हल्द्वानी शहर से काठगोदाम की ओर जाने वाले वाहन हाईडिल तिराहा से डायवर्ट होकर पुराना फायर स्टेशन तिराहा से कॉलटेक्स तिराहा होते हुए जाएंगे।

बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी, गेहूं खराब

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: देर रात से शुरू हुई बेमौसम बारिश ने बैलपड़ाव, कोटाबाग, पीरूमदारा सहित कई ग्राम सभाओं में किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। कटाई के लिए तैयार गेहूं, चना, मसूर और जौ की फसलें भारी नुकसान की चपेट में आ गई हैं। कई किसानों ने फसल काटकर खेतों में रखी थी, जो अचानक हुई बारिश से पूरी तरह भीग गई।

किसानों का कहना है कि इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन बेमौसम बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उनका यह भी कहना है कि मुआवजा राशि नुकसान की तुलना में काफी कम होती है। हालांकि बागवानी करने वाले किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है। आम और लीची की फसलों के लिए इसे फायदेमंद माना जा रहा है। उधर खेमपुर, गैबुआ सहित अन्य क्षेत्रों में गेहूं की फसल को नुकसान की पुष्टि राजस्व उप निरीक्षक तारा चंद्र घिल्डियाल ने की है। उन्होंने बताया कि नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट जल्द तहसील के माध्यम से जिलाधिकारी को भेजी जाएगी।

गैबुआ क्षेत्र में फसल के नुकसान का आकलन करते पटवारी तारा चंद्र घिल्डियाल।

ओखलकांडा में बारिश के चलते बीडीसी बैठक निरस्त

संवाददाता, भीमताल

- टेंट में होनी थी बैठक, 75 ग्राम सभाओं वाले ब्लॉक में बीडीसी हॉल नहीं होने पर उठे सवाल

अमृत विचार: ओखलकांडा ब्लॉक में प्रस्तावित क्षेत्र पंचायत की बैठक भारी बारिश के कारण निरस्त करनी पड़ी। बैठक के लिए अस्थायी रूप से टेंट लगाया गया था, लेकिन लगातार तेज बारिश के चलते आयोजन संभव नहीं हो सका।

बैठक निरस्त होने के बाद क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को लेकर सवाल एक बार फिर उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ब्लॉक में आज तक क्षेत्र पंचायत के लिए स्थायी भवन (बीडीसी हॉल) का निर्माण नहीं हो पाया है, जिसके कारण हर बार अस्थायी व्यवस्थाओं का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे जनप्रतिनिधि इस क्षेत्र से करीब 10 वर्षों तक विधायक रहे हैं, जबकि उनकी धर्मपत्नी भी लगभग 10 वर्षों तक ब्लॉक प्रमुख के पद पर रहीं। इसके बावजूद क्षेत्र में स्थायी बीडीसी हॉल का निर्माण न होना सवाल खड़े करता है। करीब 75 ग्राम सभाओं वाले इस महत्वपूर्ण ब्लॉक में स्थायी बैठक भवन का अभाव न केवल प्रशासनिक कार्यों में बाधा बन रहा है, बल्कि जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल लगा रहा है। वहीं वर्तमान ब्लॉक प्रमुख डी. रूबाली ने बताया कि जल्द हॉल बनाया जाएगा।

मौसम का मिजाज 5 से 10 डिग्री तक गिरा तापमान, पांच साल में पहली बार अप्रैल के पहले सप्ताह में पारा आया काफी नीचे

नैनीताल में अप्रैल माह में ठंडक ने चौंकाया, गिरा पारा

- बारिश और ओलावृष्टि के कारण वातावरण में नमी बढ़ी

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचार: सरोवर नगरी में इस साल अप्रैल के पहले हफ्ते में मौसम ने सभी को हैरान कर दिया। आमतौर पर इस समय गर्मी दस्तक देने लगती है, लेकिन इस बार ठंडक और बारिश के चलते तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में नैनीताल का अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस है। एरीज के मौसम वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार बार-बार हो रही बारिश और ओलावृष्टि के कारण वातावरण में नमी बढ़ गई है, जिससे ठंडक बनी हुई है।

लोगों को राहत, पर्यटन पर असर : मैदानी इलाकों में गर्मी बढ़ रही है, लेकिन नैनीताल में ठंडक ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों को राहत दी है। हालांकि, बार-बार हो रही बारिश से पर्यटन गतिविधियों पर हल्का असर देखा जा रहा है।

आगे कैसा रहेगा मौसम : मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों तक बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। इससे तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होगी और ठंडक का असर जारी रह सकता है।

नैनीताल में बारिश का दृश्य। ● अमृत विचार

पिछले 5 वर्षों में अप्रैल के पहले सप्ताह का तापमान (सेंटीग्रेड)इस प्रकार रहा

वर्ष	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान	स्थिति
2022	26	14	सामान्य गर्मी
2023	27	15	हल्की गर्मी
2024	28	16	बढ़ती गर्मी
2025	29	17	भीषण गर्मी, बारिश नहीं
2026	24	12	ठंडक, बारिश व ओलावृष्टि

क्यों बदला मौसम का मिजाज?

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बार पश्चिमी विक्षोभ लगातार सक्रिय है। इसके कारण बार-बार बारिश और ओलावृष्टि हो रही है, वातावरण में नमी बढ़ी है तथा बादल छाए रहने से धूप कम मिल रही है। साथ ही रात के तापमान में भी गिरावट आई है।

मलबा आने से छोटा कैलाश मार्ग बाधित

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल विकासखंड के अंतर्गत जंगलिया गांव-छोटा कैलाश मोटर मार्ग में बुधवार को बारिश के बाद पहाड़ी से मलबा गिरने से मार्ग कुछ समय के लिए बाधित हो गया। जांगलिया गांव से आगे मोटर मार्ग का एक हिस्सा डेंजर जोन बना हुआ है, जहां पहले भी भूस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं।

बताया जा रहा है कि पिछले बरसात में इस मोटर मार्ग का एक बड़ा हिस्सा धंस गया था, जिसके बाद विभाग द्वारा मार्ग का निर्माण तो कराया गया, लेकिन डामरीकरण नहीं होने से पहाड़ी से मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है। बुधवार को हुई बारिश के बाद पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर और मलबा सड़क पर आ गिरा, जिससे आवाजाही प्रभावित हो गई। क्षेत्र में निवास करने वाले उमेश पलाड़िया ने बताया कि मोटर मार्ग में मलबा गिरने की सूचना संबंधित विभाग को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इस मार्ग के डामरीकरण की मांग की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जंगलिया गांव-छोटा कैलाश मोटर मार्ग पर आया मलबा। ● अमृत विचार

किसानों को मुआवजा देने की मांग को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पूर्व विधायक रणजीत रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में एसडीएम को ज्ञापन देते पूर्व विधायक रणजीत रावत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अचानक बदले मौसम और बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। फसलों को भारी नुकसान होने से किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया और सरकार से तत्काल राहत देने की मांग उठाई।

बीते दिनों हुई तेज बारिश ने किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया। खेतों में तैयार खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं, जबकि कई जगह कटाई के बाद खेतों में रखी फसल भी भीगकर खराब हो गई। जिन फसलों से किसानों को अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, वही अब उनकी चिंता का कारण बन गई हैं। कई किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। किसानों की इस परेशानी को देखते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। रणजीत सिंह रावत के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उनकी फसल बर्बाद होने पर पूरा परिवार संकट में आ जाता है। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे इस कठिन समय से उबर सकें। इस दौरान ममता आर्या, दीप्ति भारद्वाज, गिरधारी लाल, धारा बल्लभ पाण्डेय, अनिल अग्रवाल, डूंगर कनवाल, एनडी पंत, लीलाधर जोशी, नवीन सनवाल, बाबर खान, गुलाम सादिक, राजीव अग्रवाल, पंकज सुयाल, चांद खान, शेखर चंद्र, देवेंद्र चंदौला, वीरेंद्र कुमार, अंकुश अग्रवाल, ओम प्रकाश पड़लिया, मुनब्बर हुसैन, राजेश नेगी, मुकेश मेहरा, फजल खान, शेर खान, कैलाश त्रिपाठी, सुमित तिवारी, मनोज गोस्वामी, अनीश खान, नजाकत अली, ओम प्रकाश आर्यवंशी, जावेद खान, सोएब अली, वीरेंद्र तिवारी, विजय रावत, अक्षत तिवारी, धीरज उपाध्याय, कन्नू जोशी, शिव कुमार, आफाक हुसैन, मोईन खान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

तुमड़िया डैम विद्यालय में प्रवेश उत्सव आयोजित

रामनगर : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुमड़िया डैम में प्रवेश उत्सव आयोजित किया गया। शिक्षकों ने नए छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया और मिष्ठान वितरित किया। कक्षा छह में सर्वाधिक 32 प्रवेश हुए। कृषि प्रधान क्षेत्र होने के कारण अन्य कक्षाओं में प्रवेश बढ़ने की संभावना जताई गई। प्रधानाचार्य ने कहा कि सरकारी विद्यालयों पर अभिभावकों का विश्वास कायम है, इसलिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। इस दौरान संदीप चौहान, नरेंद्र पटवाल, जितेंद्र कुमार और हरीश करगेती उपस्थित रहे।

नालों से झील में पहुंचा कूड़ा, सफाई पर सवाल

नैनीताल : मंगलवार रात और बुधवार को हुई बारिश के कारण शहर के नालों में जमा कूड़ा बहकर झील में पहुंच गया, जिससे झील का बड़ा हिस्सा कचरे से पट गया। इसमें प्लास्टिक, पॉलीथिन और अन्य कचरा तैरता दिखा। स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने नियमित सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए। नगर पालिका ने सफाई अभियान शुरू किया है, लेकिन बड़ी मात्रा में कूड़ा झील में पहुंचने से व्यवस्थाओं की खामी उजागर हुई। ईओ रोहिताश शर्मा ने आश्वासन दिया कि जल्द ही झील से कूड़ा हटा दिया जाएगा और भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

निहाल नाले पर नए पुल निर्माण की तैयारी

कालाढूंगी: कालाढूंगी-हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर निहाल नाले में पुल टूटने के बाद बनाए गए वैली ब्रिज के पश्चात अब वैकल्पिक मार्ग निर्माण की कार्रवाई शुरू हो गई है। कालाढूंगी रेंज के अंतर्गत जहां से यह वैकल्पिक रास्ता गुजरेगा, वहां चिन्हित 22 पेड़ों को अनुमति मिलने के बाद काट दिया गया है।

गौरतलब है कि 31 जुलाई 2024 को चकलुवा के पास निहाल नाले में आई बाढ़ से पुलिया बह गई थी, जिससे देहरादून-कालाढूंगी-हल्द्वानी संपर्क मार्ग बाधित हो गया था। पुलिया टूटने के कारण करीब 19 महीनों तक लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बाद में शासन ने वैली ब्रिज बनाकर यातायात सुचारू कराया था। अब उसी स्थान पर नया पुल बनाने का निर्णय लिया गया है। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता प्रत्युष कुमार ने बताया कि निहाल नाले पर 21 मीटर लंबा डबल लेन पुल निर्माण के लिए तीन करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

डिप्टी रेंजर भूपेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि वैकल्पिक मार्ग में आने वाले 22 पेड़ों को अनुमति मिलने के बाद काट दिया गया है। जल्द ही लोक निर्माण विभाग द्वारा वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

नगर पालिका की बैठक में पास नहीं हो सका बजट

संवाददाता, रामनगर

बोर्ड बैठक के दौरान चर्चा करते सभासद।

● सभासदों ने उठाई वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग

अमृत विचार: पालिका की बोर्ड बैठक हंगामेदार रही, जिसमें बुधवार को वर्ष 2026-27 का बजट पेश नहीं हो सका। बैठक शुरू से ही गरम माहौल में हुई और कई मुद्दों को लेकर सभासदों में तीखी बहस हुई।

28 मार्च को बुलाई गई पिछली बैठक में भी 18 सभासदों के बहिष्कार के कारण बजट पास नहीं हो पाया था। बुधवार को दोबारा बुलाई गई बैठक में हालात में कोई खास बदलाव नहीं देखने को मिला। बैठक में सभासद शमीम अहमद ने स्ट्रीट लाइट खरीद पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि करीब 1,500 रुपये की स्ट्रीट लाइट को 4,600 रुपये में खरीदा गया, जिससे वित्तीय अनियमितताओं की आशंका जताई गई। इसके अलावा वॉटर कूलर खरीद पर भी विवाद हुआ। आरोप है कि नगर पालिका एक्ट के नियमों की अनदेखी करते हुए बड़ी संख्या में वॉटर कूलर खरीदे गए, जिन पर लगभग 1.75 करोड़ रुपये खर्च हुए।

सभासदों राहुल रावत, दुर्गा पाल और पारस गौला ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये के कार्यादेश और आपूर्ति आदेश बिना विधिवत स्वीकृति जारी किए गए। उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती और पोर्टल का दुरुपयोग कर चहेते लोगों को ठेके दिए गए। सभी सभासदों ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच, वित्तीय वर्ष 2025-26 की विशेष समीक्षा और बजट में संशोधन की मांग उठाई। इसी कारण बुधवार की बैठक में बजट पास नहीं हो सका। अब नजरें अगली बोर्ड बैठक पर हैं, जिसमें संशोधित बजट पेश किया जाएगा।

गुलदार के शव का पोस्टमार्टम के दौरान चिकित्सक एवं वन कर्मी।

आबादी क्षेत्र में मिला नर गुलदार का शव, हड़कंप

रामनगर : रामनगर वन प्रभाग के रिंगोड़ा ब्लॉक के पंपापुरी क्षेत्र में एक नर गुलदार का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। आबादी के पास शव मिलने से वन विभाग सतर्क हो गया है। शुरुआती जांच में आपसी संघर्ष की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी। मंगलवार शाम वन विभाग को सूचना मिली कि पंपापुरी क्षेत्र में गुलदार मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही रेंज अधिकारी शेखर तिवारी के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की गई। निरीक्षण के दौरान गुलदार के शरीर पर गहरे नाखूनों के निशान पाए गए, जिससे वन्यजीवों के बीच संघर्ष की आशंका जताई गई। वन विभाग के अनुसार मृत गुलदार नर है और उसकी उम्र करीब डेढ़ वर्ष आंकी गई है। क्षेत्र में टाइगर की मूवमेंट को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। बुधवार शाम गुलदार का पोस्टमार्टम रामनगर वर्कशॉप में किया गया। यह प्रक्रिया डॉ. दुष्यंत शर्मा और उनकी टीम की मौजूदगी में एनटीसीए की गाइडलाइन के तहत पूरी की गई।

शिवम बने यूथ कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष

नैनीताल: विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस अपने सभी इकाइयों को मजबूत करने में जुड़ गई है। और कांग्रेस ने अपनी यूथ संगठनों का गठन भी करना शुरू कर दिया है।

इसी कड़ी में यूथ कांग्रेस संगठन में नई नियुक्ति के तहत शिवम बजाज को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। इस मौके पर पूर्व सचिव रविंद्र राठौर, पूर्व पालिका अध्यक्ष सचिन नेगी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सिद्धार्थ टंडन, एनएसयूआई के पूर्व संयुक्त सचिव व नगर अध्यक्ष मयंक नेगी, पालिका अध्यक्ष सरस्वती खेतवाल और सभासद जितेंद्र पांडे 'जीनू' सहित कई लोग मौजूद रहे। साथ ही प्रिंस, अमन चीमा, रोहित, विशाल, सक्षम, दीपक, विक्की, मनीष, मयंक बिष्ट आदि ने बधाई दी।

धतूरा खाने से परिवार के तीन सदस्य बीमार

संवाददाता, नैनीताल

● नैनीताल के निगलाट सिरोड़ी गांव में खेत से अनजाने में मिला जहरीला पौधा

अमृत विचार: नैनीताल के ग्रामीण क्षेत्र में जहरीले पौधे धतूरा के सेवन से एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। सभी को देर रात बीडी पांडे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, निगलाट सिरोड़ी निवासी लक्ष्मी देवी (85) मंगलवार शाम खेत में साग तोड़ने गई थीं। आंखों की दृष्टि कमजोर होने के कारण वह अनजाने में साग के साथ धतूरा भी तोड़ लाईं। शाम को लक्ष्मी देवी, उनके बेटे करन रौतेला (56) और बहू प्रियंका (25) ने वही सब्जी और रोटी खा ली। खाना खाने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें चक्कर आने लगे। परिवार की बेटी कोमल ने जब उनकी हालत देखी तो पूछताछ की। इसके बाद खेत में जाकर देखा गया कि सब्जी में धतूरा मिल गया था।

आनन-फानन में परिजन तीनों को देर रात बीडी पांडे अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को भर्ती कर लिया। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एमएस दुग्ताल ने बताया कि धतूरा एक जहरीला पौधा है, जिसके सेवन से चक्कर आना, उलझन और बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। समय पर इलाज मिलने से अब तीनों की हालत ठीक है।

निष्ठा से काम करें महिला समूह

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में बैठक लेतीं अपर परियोजना निदेशक चंदा फर्त्याल। ● अमृत विचार

● अपर परियोजना निदेशक ने समूहों की बैठक लेकर सुनीं समस्याएं, दिए निर्देश

अमृत विचार: बुधवार को अपर परियोजना निदेशक, नैनीताल चंदा फर्त्याल ने विभिन्न महिला समूहों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि महिला समूह अपने कार्य ईमानदारी और निष्ठा के साथ करें, ताकि उनकी अलग पहचान जनपद ही नहीं, बल्कि प्रदेश स्तर तक बन सके।

विकासखंड सभागार में बीएमएमएनआरएलएम के अंतर्गत दिशा क्लस्टर, उन्नति क्लस्टर, गरिमा क्लस्टर, संगम क्लस्टर और जिम कॉर्बेट क्लस्टर की पदाधिकारियों व समूह की महिलाओं के साथ बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान महिलाओं से संवाद करने के साथ अभिलेखों का निरीक्षण भी किया गया। अपर परियोजना निदेशक ने खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि एमएमएनआरएलएम और आरईएपी कार्मिकों के क्षेत्र भ्रमण का रोस्टर जारी किया जाए तथा क्लस्टर स्टाफ की उपस्थिति बीडीओ द्वारा सत्यापित की जाए। इसके अलावा आरईएपी परियोजना के तहत लाभार्थी चयन प्रक्रिया की गहन जांच के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, खंड विकास अधिकारी रामनगर, सहायक खंड विकास अधिकारी तथा डीटीई मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में गैस वितरण की समीक्षा की

भीमताल: ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने इंडियन गैस के प्रबंधक जितेंद्र लाल को बुलाकर ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। ब्लॉक प्रमुख ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग रोस्टर के अनुसार दूर-दूर से सड़क किनारे गैस सिलेंडर लेकर इंतजार करते हैं। यदि तय समय पर गैस वितरण वाहन नहीं पहुंचता, तो ग्रामीणों को खाली सिलेंडर ढलान या ऊंचाई वाले क्षेत्रों में वापस ले जाना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रोस्टर के अनुसार वाहन नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में जनप्रतिनिधियों के प्रति भी नाराजगी बढ़ती है। गैस प्रबंधक ने आश्वासन दिया कि रोस्टर के अनुसार वाहन तय स्थान पर पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। ब्लॉक प्रमुख ने तय रोस्टर की जानकारी प्रतिदिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

लाखों का पैचवर्क बहा, सड़क पर जलभराव

संवाददाता, भीमताल

नौकुचियाताल मोटर मार्ग पर हुआ जलभराव। ● अमृत विचार

● भीमताल-नौकुचियाताल मार्ग की गुणवत्ता पर उठे सवाल, स्थानीय लोगों में नाराजगी

अमृत विचार: बरसात में लोगों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए लोक निर्माण विभाग भवाली द्वारा भीमताल से नौकुचियाताल तक कई स्थानों पर लाखों रुपये की लागत से डामरीकरण का पैचवर्क कराया गया था।

लेकिन इस पैचवर्क को कराए अभी छह माह भी नहीं बीते थे कि पहली हल्की बरसात में ही कार्य बह गया और फिर से जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। लगभग तीन किलोमीटर क्षेत्र में जहां-जहां लोक निर्माण विभाग ने पैचवर्क कराया था, वहां सड़क की स्थिति फिर पहले जैसी हो गई है। कई स्थानों पर सड़क तालाब में तब्दील हो गई, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पैचवर्क के दौरान जनप्रतिनिधियों ने निरीक्षण भी किया था और अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद सड़क एक भी बरसात नहीं झेल सकी।

स्थानीय कांग्रेसी नेता राकेश बृजवासी ने बताया कि उन्होंने पहले ही कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे, लेकिन विभाग ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि समय रहते पानी निकासी की व्यवस्था की जाती तो यह स्थिति नहीं बनती और सरकारी धन की बर्बादी नहीं होती।

> मामला संज्ञान में आया है। पैचवर्क कराया गया था, लेकिन लोगों द्वारा भवनों से निकलने वाले पानी की निकासी सही नहीं होने के कारण जलभराव की स्थिति बनी है। - **केके पाठक**, अवर अभियंता, लोक निर्माण विभाग

> यदि पैचवर्क के समय ही पानी निकासी की व्यवस्था की जाती तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। इस तरह धन की बर्बादी ठीक नहीं है। -**राकेश बृजवासी**, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता

एकलव्य विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा संपन्न

रामनगर: प्रदेश में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय और सुरेंद्र राकेश आदर्श आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षाएं 28 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुईं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में कुल 1,699 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 1,330 ने परीक्षा दी। वहीं सुरेंद्र राकेश आदर्श आवासीय विद्यालय की परीक्षा में पंजीकृत 372 परीक्षार्थियों में से 210 ने परीक्षा दी।

परिषद सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी और उपसचिव सीपी रतूड़ी ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। प्रत्येक केंद्र में पर्यवेक्षक नियुक्त थे और मुख्य शिक्षा अधिकारी तथा खंड शिक्षा अधिकारी की देखरेख में परीक्षा आयोजित की गई। परिषद ने परीक्षा में सहयोग देने वाले अधिकारियों, प्रशासन और मीडिया का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते ओखलकांडा के ग्रामीण।

जल जीवन मिशन में अनियमितता का आरोप

भीमताल : विकासखंड ओखलकांडा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुई गांव में जल जीवन मिशन के तहत कराए गए कार्यों में अनियमितता का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण हेम सुयाल समेत अन्य लोगों ने बताया कि पेयजल निगम भीमताल द्वारा देवस्थल मंदिर के नीचे स्थित स्रोत से ग्राम सभा सुई रेखाकोट तक पेयजल लाइन का निर्माण कराया गया था, लेकिन कार्य में गंभीर अनियमितताएं बरती गई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि स्रोत पर पुराने फिल्टर चैंबर की मरम्मत के बजाय केवल पुताई कर दी गई, जिससे जगह-जगह पाइपलाइन में लीकेज हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई स्थानों पर पाइपलाइन जमीन से ऊपर हवा में छोड़ दी गई है, जिससे पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है। स्थिति यह है कि क्षेत्र में नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं हो पा रही और लोग जंगलों से पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर पेयजल लाइन को जल्द दुरुस्त करने और पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में हेम सुयाल, गोपाल सुयाल, विनोद परगाईं, त्रिवेणी चंद्र, बृजवासी संजय सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।

दिक्कत | राजस्व में भी आई गिरावट, सफारी शुल्क और बुकिंग व्यवस्था को माना जा रहा कारण

कॉर्बेट पार्क में घटे सैलानी, 58 हजार कम पहुंचे

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क इस वित्तीय वर्ष में पर्यटकों की कमी से जूझता नजर आ रहा है। हर साल लाखों सैलानियों से गुलजार रहने वाला कॉर्बेट इस बार अपेक्षा से कम भीड़ और घटे राजस्व के कारण चर्चा में है।

जंगल सफारी, टाइगर साइटिंग और प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर कॉर्बेट पार्क के इस वर्ष के आंकड़ों ने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पार्क प्रशासन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 4,00,946 पर्यटक ही कॉर्बेट पहुंचे, जिनमें 3,89,997 भारतीय और 10,949 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। पर्यटन से होने वाली आय भी घटकर 27 करोड़ 75 लाख 28 हजार रुपये रह गई है। जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4,59,395 पर्यटक कॉर्बेट पहुंचे थे। इस तरह इस बार करीब 58 हजार से अधिक पर्यटकों की कमी दर्ज की गई, जिसका सीधा असर राजस्व पर पड़ा है।

आसपास के पर्यटन जोन बन रहे विकल्प

कॉर्बेट के आसपास तेजी से विकसित हो रहे सीताबनी और फाटो जैसे पर्यटन क्षेत्र भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। बेहतर टाइगर साइटिंग, आसान बुकिंग और नाइट स्टे की सुविधा के कारण इन क्षेत्रों की लोकप्रियता बढ़ रही है। सोशल मीडिया पर बढ़ता प्रचार भी इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। कॉर्बेट पार्क के पार्क वार्डन बिंदर पाल ने कहा कि पर्यटकों की संख्या में गिरावट चिंता का विषय है। इसके कारणों पर जल्द ही मंथन किया जाएगा, ताकि भविष्य में पर्यटकों की संख्या फिर बढ़ाई जा सके।

क्या कहते हैं पर्यटन विशेषज्ञ

वन्यजीव विशेषज्ञों और नेचर गाइड्स ने पर्यटकों की घटती संख्या के पीछे कई कारण बताए हैं। वरिष्ठ नेचर गाइड संजय छिम्वाल के अनुसार बढ़ी हुई सफारी फीस ने मध्यम वर्ग के पर्यटकों को प्रभावित किया है। अब लोग यात्रा से पहले बजट को लेकर अधिक सतर्क हो गए हैं। ऑनलाइन बुकिंग में आ रही दिक्कतें भी पर्यटकों को निराश कर रही हैं। खासकर ढिकाला जैसे लोकप्रिय जोन में समय पर बुकिंग नहीं मिलने से पर्यटक अन्य विकल्प तलाशने लगते हैं। वन्यजीव प्रेमी राजेश भट्ट का कहना है कि कुछ ट्रैवल एजेंट कॉर्बेट के नाम पर पैकेज बेचकर पर्यटकों को वैकल्पिक जोनों में भेज रहे हैं।

हड़ताली इंजीनियरों ने निर्माण कार्य रुकवाया

रामनगर: उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की हड़ताल 16वें दिन भी लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस परिसर में जारी रही। इस दौरान हड़ताली इंजीनियर पीएनजी डिग्री कॉलेज में निर्माण कार्य होते देख नाराज हो गए और मौके पर पहुंचकर काम रुकवा दिया।

बैठक में अधिशासी अभियंता जगत नारायण ने कहा कि डिप्लोमा इंजीनियरों की 27 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रांतीय पदाधिकारी लगातार शासन से वार्ता कर रहे हैं, लेकिन अब तक मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। राजीव खनौलिया ने सभी इंजीनियरों से एकजुट रहने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता इं. प्रमोद कुमार व संचालन शाखा सचिव इं. वासिफ ने किया।

काव्य गोष्ठी में गूंजे संवेदनाओं के स्वर

● कन्या भ्रूण हत्या, गांव और प्रकृति पर कवियों ने सुनाई भावपूर्ण रचनाएं

संवाददाता, रामनगर

गोष्ठी में कविता पाठ करते मौजूद कवि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सरोकार साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में राजकीय इंटर कॉलेज छोई के प्रवक्ता शिवाकांत शुक्ल की विदाई के अवसर पर पर्वतीय सभा में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाषा संस्थान देहरादून से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सगीर अशरफ ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत वाणी वंदना से हुई। संस्था के अध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र ने कन्या भ्रूण हत्या पर चिंता व्यक्त करते हुए भावुक पंक्तियां सुनाईं- "न मारो कोख में बाबुल मैं तेरी लाड़ली गुड़िया, मैं दो-दो घर सजाऊंगी मैं तेरी लाड़ली गुड़िया।" संस्था के सचिव डॉ. अनुपम शुक्ल ने गांव की यादों को शब्द दिए, जबकि डॉ. अशोक कुमार जोशी ने प्रकृति की संवेदनाओं को व्यक्त किया। माहेश्वर दत्त वाजपेई ने मेघों को आमंत्रित करते हुए रचना प्रस्तुत की। अध्यक्ष डॉ. सगीर अशरफ ने अपनी शायरी से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। देवेश उपाध्याय, हरिकेश तिवारी, विनय शुक्ल और विभा शुक्ला ने भी काव्य पाठ किया। इससे पूर्व शिवाकांत शुक्ल को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। संचालन विजय शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में अनेक साहित्यकार एवं श्रोता उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

आईटीआई टॉपर्स ने सीखी मॉडर्न स्किल

हल्द्वानी : आईटीआई टॉपर्स 40 विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन और कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर के शैक्षिक भ्रमण किया। उन्होंने मात्र तीन घंटे में विभिन्न मॉडल जैसे स्मृति चिन्ह, वुडन टेबल लैंप, कोस्टर, फोटो फ्रेम और वुडन कप स्वयं तैयार किए। उन्हें अत्याधुनिक उपकरणों पर काम करने का व्यावहारिक अनुभव भी मिला।

छात्रों को पीएमआईएस की जानकारी दी गई

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप पोर्टल (पीएमआईएस) पर पंजीकरण को लेकर कार्यशाला हुई। इसमें स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को इंटर्नशिप के माध्यम से रोजगारपरक अवसरों से जुड़ने और पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल के चलते जिला विकास प्राधिकरण में अटके नक्शे

कैसे पूरा हो घर का सपना, जब पास न हो नक्शा

मुख्य संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल की वजह से लोगों के घर बनाने का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। ऐसे में लोग जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं लेकिन हड़ताल की वजह से परेशानी हो रही है।

जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के लागू होने के बाद नया घर बनाने, मरम्मत आदि के लिए अनुमति लेनी पड़ती है। इधर, हल्द्वानी के आंकड़ों पर गौर करें तो हर माह 100 से 150 नक्शे आवासीय व 4-5 नक्शे व्यावसायिक भवनों के लिए आते हैं। नियमानुसार घर बनाने के लिए नक्शा स्वीकृति को भूस्वामी ऑनलाइन आवेदन करता है, जो मैप क्लर्क के पास जाता है। फिर आवेदन जेई के पास पहुंचता है जिसमें जेई साइट विजिट, नक्शे के तकनीकी पहलूओं, भूमि के दस्तावेजों आदि की जांच के बाद स्वीकृति देता है।

> डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल की वजह से प्राधिकरण के लगभग सारे जेई हड़ताल पर हैं। जनता को परेशानी नहीं हो इसके लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।
> **-विजय नाथ शुक्ला,** सचिव जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण

इस प्रोसेस में 10-15 दिन का समय लग जाता है। फिर यह नक्शा एई के पास जाता है, सभी तथ्यों व तकनीकी पहलूओं की जांच के बाद एई स्वीकृति देता है। इसमें भी चार-पांच दिन का समय लगता है। अंत में संयुक्त सचिव नक्शे को स्वीकृत कर देते हैं। इसमें भी तीन-चार दिन का समय लगता है।

इस तरह एक नक्शा स्वीकृत होने की प्रक्रिया में एक माह का समय लगता है। अब डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल की वजह से सभी नक्शे जेई स्तर पर ही लंबित पड़े हुए हैं। ऐसे में लोग प्राधिकरण अधिकारी व दफ्तर के चक्कर काटने को विवश हैं।

एक माह में खुद ब खुद स्वीकृत माना जाता है नक्शा

हल्द्वानी : प्राधिकरण अधिकारियों की मानें तो नक्शे का ऑनलाइन आवेदन करता है। यदि 30 दिनों तक नक्शे ऑनलाइन किसी भी स्तर पर लंबित होता है तो 30 दिन बाद नक्शा खुद ब खुद स्वीकृत माना जाता है। हालांकि इसकी जानकारी आवेदकों को नहीं होती है इसलिए जनता चक्कर काटती रहती है।

छात्राओं का तिलक लगा किया उत्सव

हल्द्वानी : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चोरगलिया में प्रवेशोत्सव मनाया गया। इसमें नव प्रवेशित छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। विज्ञान शिक्षिका रेखा आर्या ने शिक्षा विभाग की योजनाओं के बारे में बताया। व्यायाम शिक्षिका हेमा टाकुली के निर्देशन में छात्राओं ने आत्मरक्षा कौशल का प्रदर्शन कर खूब तालियां बटोरीं। प्रधानाचार्या तनुजा जोशी ने शैक्षिक सत्र 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और 'आनंदमय विद्यालय' की अवधारणा पर स्वरचित कविता भी सुनाई। विभिन्न परीक्षाओं व प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। शिक्षिका गीता जोशी ने कॅरियर को लेकर छात्राओं को सफलता के टिप्स दिए।

बेटी को बचाने के लिए ऑटो से कूद गई थी मां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : काठगोदाम रेलवे स्टेशन के पास चलते ऑटो से गिरकर ढाई माह की बच्ची की मौत हो गई थी। घटना के वक्त बच्ची के साथ ऑटो में उसकी मां भी सवार थी, लेकिन उसे मौत का तब तक पता नहीं चला जब तक लाश घर नहीं पहुंच गई। परिजनों ने उससे यह बात उसकी बिगड़ती हालत को देखकर छिपाई गई थी, लेकिन जब शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया।

यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे की है। रावतनगर बिंदुखत्ता निवासी विक्रम बिष्ट सेना में नौकरी करते हैं। यहां उनकी पत्नी सुमन बिष्ट पत्नी अपनी बड़ी बेटी करीब छह और छोटी ढाई माह की के साथ रहती हैं। मंगलवार को वह घर से छोटी बेटी के साथ निकलीं। काठगोदाम के लिए दो सौ रुपए में ऑटो बुक किया, लेकिन रास्ते में हादसा हो गया। बेटी अचानक चलते ऑटो से गिरकर गई। उसे बचाने के लिए मां भी कूद पड़ी। फौरन दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। हालांकि मौके पर पहुंचे परिजनों ने यह बात सुमन को नहीं बताई। क्योंकि हादसे की वजह से वह बदहवास हो चुकी थी और बार-बार बेटी के बारे में पूछ रही थी। गुरुवार को शव को पोस्टमार्टम कराया गया। काठगोदाम एसओ विमल मिश्रा ने कहा कि घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

---

46 निजी स्कूलों को कारण बताओ नोटिस

शिक्षा विभाग ने मान्यता के साथ ही एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू करने को लेकर किया जवाब-तलब

खबर का असर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में निजी स्कूलों की मनमानी पर शिक्षा विभाग ने सख्ती अपनाते हुए 46 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मुख्य शिक्षाधिकारी नैनीताल गोविंद राम जायसवाल ने डीएम को भेजे पत्र के अनुसार सिटी मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

नोटिस में सभी स्कूलों से 11 अप्रैल तक स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। इस समय में जवाब न देने पर संबंधित स्कूलों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई, जुर्माना और मान्यता निरस्त करने तक की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जांच में सामने आया है कि कई स्कूल अभिभावकों को चयनित दुकानों से ही किताबें खरीदने के लिए बाध्य कर रहे हैं। साथ ही एनसीईआरटी के बजाय महंगी निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। इसके अलावा कई स्कूलों की ओर से अनिवार्य वेबसाइट तक नहीं बनाई गई है और न ही फीस स्ट्रक्चर व अन्य जरूरी सूचनाओं को सार्वजनिक किया गया है। इसे लेकर अमृत विचार ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। शिक्षा विभाग ने पूर्व में भी इसे लेकर स्पष्ट निर्देश दिए थे कि केवल एन/एससीईआरटी की ओर से अनुमन्य पाठ्यक्रम ही लागू किया जाए और अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से खरीदारी के लिए बाध्य न किया जाए। बावजूद इसके निर्देशों की अनदेखी की जा रही है।

पंजीकरण का पता नहीं, अधिकारी बोले-जो संस्थाएं छोटे बच्चों के प्ले स्कूल चला रहीं हैं वह मान्यता, पंजीकरण और अन्य जरूरी दस्तावेज विभाग को सौंपे

गली-कूचे में धड़ल्ले से चल रहे प्ले स्कूल, यहां मानकों के साथ हो रहा गेम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में छोटे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा के नाम पर चल रहे प्ले स्कूलों की हकीकत चौंकाने वाली है। शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड में जहां जिले में एक भी प्ले-स्कूल पंजीकृत नहीं है। जबकि शहर के लगभग हर गली-मोहल्ले में कई प्ले स्कूल धड़ल्ले से चल रहे हैं।

आरटीआई से मिले जवाब के अनुसार विभागीय मानकों में प्ले-स्कूल जैसी कोई स्पष्ट श्रेणी या कांसेप्ट ही मौजूद नहीं है। ऐसे में इन संस्थानों के पंजीकरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। हालांकि, अधिकारियों ने यह भी माना कि यदि कोई संस्था बच्चों की शिक्षा से जुड़ी गतिविधियां चला रही है, तो उसे अपनी मान्यता, पंजीकरण और अन्य जरूरी दस्तावेज विभाग को उपलब्ध कराने चाहिए। इधर, शहर में बिना किसी निगरानी के चल रहे इन प्ले स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई जगह तो छोटे-छोटे मकानों और दुकानों में ही प्ले स्कूल चलाए जा रहे हैं, जहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही बच्चों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। कई अभिभावकों ने भी नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्हें प्ले स्कूल चुनते समय किसी प्रकार की सरकारी सूची या जानकारी नहीं मिलती, जिससे सही और सुरक्षित विकल्प चुनना मुश्किल हो जाता है।

अहम सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विभाग के पास पंजीकरण का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है, तो इन संस्थानों की निगरानी कैसे हो रही है। क्या प्रशासन इन पर कोई कार्रवाई करेगा या यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा?

प्ले स्कूल का एआई फोटो। ● अमृत विचार

अधूरे मानक पर वसूली जाती है मोटी फीस

हल्द्वानी : अभिभावकों का कहना है कि कई स्कूल एडमिशन फीस, कंपोजिट फीस, मासिक शुल्क और अन्य खर्चों को जोड़कर मोटी फीस वसूलते हैं, लेकिन यूडायस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन या नर्सरी क्लास के लिए पैन नंबर जैसी जरूरी जानकारियां नहीं देते। सुरक्षा मानकों का पालन भी अधूरा है। प्रत्येक क्लास में 15 बच्चों के लिए कम से कम एक शिक्षक और एक सहायक होना चाहिए। खेल और अन्य गतिविधियों के दौरान सीसीटीवी कैमरे और कम से कम एक माह का रिकॉर्ड होना जरूरी है। स्कूल बिल्डिंग का एरिया 2500-4000 वर्ग फीट और प्लेग्राउंड 800-1200 वर्ग फीट होना चाहिए। इसके अलावा, एयर कंडीशनिंग और आरओ का नियमित मेंटेनेंस, डेली एक्टिविटीज का लॉग, इवेक्यूएशन प्लान और गेट पर चौकीदार की मौजूदगी भी जरूरी है।

टेक्स्ट मैसेज से लेकर आरओ की मेंटीनेंस तक वसूली: स्कूलों से मिली जानकारी के अनुसार कंपोजिट फीस के नाम पर टेक्स्ट मैसेज से लेकर आरओ मेंटीनेंस का खर्चा भी अभिभावकों से वसूला जाता है। हैरानी की बात है कि अभिभावक चाहकर भी इसके खिलाफ बोल नहीं पाते हैं।

बिना पंजीकरण या मानकों के यदि कोई भी प्ले स्कूल या स्कूल चलाया जा रहा है, तो उस पर शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। इसे लेकर पूर्व में प्रशासन व शिक्षा विभाग के बीच हुई बैठक में स्पष्ट किया गया था। - एपी वाजपेयी, सिटी मजिस्ट्रेट, हल्द्वानी

नैनीताल जिले में कोई भी प्ले स्कूल पंजीकृत नहीं है और इसे लेकर कोई स्पष्ट दिशानिर्देश नहीं है। यदि इनका संचालन संबंधित विभाग की एनओसी के बगैर किया जा रहा है, तो गलत है। ऐसे स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी। - गोविंद राम जायसवाल, सीईओ, नैनीताल

प्ले स्कूल में 1-2 साल के बच्चों का एडमिशन

शिक्षा विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 3 साल से कम उम्र के बच्चों को कोई भी स्कूल एडमिशन नहीं देंगे। लेकिन हैरानी की बात है कि प्ले स्कूल के नाम पर 1 से 2 साल तक के बच्चों को भी एडमिशन दिया जा रहा है। इससे एजुकेशन सिस्टम पर बड़ा सवाल खड़ा होता है।

इन प्रमुख स्कूलों को मिले हैं नोटिस

नोटिस पाने वाले प्रमुख स्कूलों में वेदान्तम इंटरनेशनल स्कूल, ग्रीन सिटी पब्लिक स्कूल, आदर्श पब्लिक स्कूल, आरुष पब्लिक स्कूल, चिल्ड्रन वैली पब्लिक स्कूल, हिमालया विद्या मंदिर, इंस्पिरेशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, देवभूमि पब्लिक स्कूल, काठगोदाम पब्लिक स्कूल, शेमफोर्ड पब्लिक स्कूल, सेंट लुक्स पब्लिक स्कूल, विवेकानंद पब्लिक स्कूल, दून पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित कुल 46 स्कूल शामिल हैं।

बिना मान्यता के स्कूलों पर होगी एफआईआर

संवाददाता, हल्द्वानी

- **बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों पर होगी कार्रवाई, कल तक निर्धारित फॉर्मेट में देनी होगी जानकारी**

अमृत विचार : जिले में बिना मान्यता के चल रहे निजी स्कूलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। वि शिक्षा विभाग ने जिले के सभी निजी स्कूलों के मान्यता संबंधी अभिलेख संबंधित खंड शिक्षाधिकारी के पास कल शुक्रवार तक जमा करना अनिवार्य कर दिया है।

मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने जिले के सभी राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे क्षेत्र में संचालित सभी निजी स्कूलों की मान्यता संबंधी जानकारी एकत्र कर को उपलब्ध कराएं। सभी स्कूलों की मान्यता संबंधी जानकारी एक निर्धारित प्रारूप में देनी होगी, जिसमें विद्यालय का नाम, यू-डायस कोड, मान्यता की तिथि व पत्रांक, मान्यता की वैधता अवधि और मान्यता देने वाले अधिकारी का नाम व पदनाम देना अनिवार्य होगा। साथ ही मान्यता प्रमाण पत्र की प्रति भी संलग्न करनी होगी। सभी स्कूलों की मान्यता का परीक्षण करेगा। उल्लेखनीय है कि अमृत विचार ने शहर में बिना पंजीकरण और मान्यता के चल रहे प्ले स्कूलों को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। जिसमें बताया गया था कि बिना पंजीकरण और मानकों के बड़ी संख्या में निजी स्कूल चल रहे हैं। खासकर प्ले स्कूलों के नाम पर लगभग हर गली-मोहल्ले में स्कूल चलाए जा रहे हैं। इसके बाद कॉपी-किताबों और स्कूल ड्रेस की मनमानी को लेकर प्रशासन और शिक्षा विभाग की संयुक्त चेकिंग के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट ने बिना पंजीकरण के चल रहे स्कूलों की जांच करने के निर्देश दिए थे। कई निजी स्कूल प्ले स्कूल के नाम पर कक्षा 5वीं और 8वीं तक कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं, जबकि उनके पास जरूरी मान्यता नहीं है। अब विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि जांच में मान्यता नहीं पाए जाने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कार्डियोलॉजिस्ट मिला अब चालू होगी कैथलैब

संवाददाता, हल्द्वानी

- **आठ डॉक्टरों समेत कार्डियोलॉजिस्ट की नियुक्ति का आदेश जारी**

अमृत विचारः सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में बंद पड़ी कैथलैब अब जल्द शुरू होने की उम्मीद जग गई है। शासन ने कार्डियोलॉजिस्ट समेत आठ विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है और नियुक्ति पत्र जारी करने के आदेश भी दे दिए गए हैं। इन सभी डॉक्टरों ने हाल ही में साक्षात्कार दिया था और शासन स्तर पर अनुमति का इंतजार किया जा रहा था।

गौरतलब है कि बीती 13 मार्च को हेमवती नंदन बहुगुणा मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति और चिकित्सा शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में इंटरव्यू आयोजित किए गए थे। करीब तीन सप्ताह बाद अब चयनित डॉक्टरों को असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जा रहा है।

शासन के इस फैसले से मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने राहत की सांस ली है। कैथलैब का निर्माण और हैंडओवर होने के बावजूद विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट की कमी के चलते यह एक महीने से अधिक समय से बंद थी। अब विशेषज्ञ की तैनाती के बाद यहां हृदय रोगियों के लिए एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, स्टेंटिंग, पेसमेकर और अन्य आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कार्डियोलॉजिस्ट के अलावा बाल रोग, सर्जरी, स्त्री रोग और त्वचा रोग विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर भी नियुक्त किए गए हैं, जिससे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। कैथलैब के मुद्दे को अमृत विचार ने प्रमुखता से लगातार उठाया था। इससे मरीजों को राहत मिलेगी।

> शासन से सभी आठ डॉक्टरों की नियुक्ति को स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द ही उनकी ज्वाइनिंग होगी, जिससे मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और मेडिकल शिक्षा भी सुदृढ़ होगी। **-प्राचार्य डॉ. गोविंद सिंह तितियाल,** राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी

पूरे कुमाऊं को मिलेगा लाभ

हल्द्वानी : एसटीएच कुमाऊं मंडल का प्रमुख सरकारी अस्पताल है, जहां दूर-दराज के मरीज इलाज के लिए आते हैं। अब तक हृदय रोगियों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता था, लेकिन नई नियुक्तियों के बाद क्षेत्र के मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर और सस्ता इलाज मिल सकेगा।

व्यापार मंडल जिला इकाई का विस्तार

हल्द्वानीः : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया है।

संगठन के जिलाध्यक्ष कुंदन बिष्ट और महामंत्री प्रज्ञान भारद्वाज की संस्तुति पर भीमताल के राजेश सांगुड़ी और खैरना के प्रेम नाथ को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और रजत माहेश्वरी को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा गोपाल भट्ट, बिशन जंतवाल, कमल रूबाली और विक्की संधू को जिला संगठन मंत्री, रोहित साह, अंकित ऐरी, शेर सिंह और कुमुद पांडे को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं राजेंद्र जीना, नीरज बगड़वाल, परख सचदेवा, कुलदीप बोरा को विशेष आमंत्रित सदस्य, त्रिलोक सिंह को सोशल मीडिया प्रभारी व राजेश साहू को जिला प्रवक्ता बनाया है।

व्यापार मंडल जिला इकाई का विस्तार

हल्द्वानीः : प्राथमिक शिक्षक संघ ने नई समय सारिणी का विरोध जताया है। संघ का कहना है कि ग्रीष्मकाल में मैदानी क्षेत्रों में सुबह 7:45 बजे से दोपहर 2:05 बजे तक विद्यालय संचालन के दौरान भीषण गर्मी में छोटे बच्चों का स्कूल में रहना कठिन है। वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में दूरदराज से आने वाले छात्रों को भी इस समय सारणी के चलते परेशानी का सामना करना पड़ता है। शिक्षक संघ की ओर से पुरानी समय सारणी के अनुसार स्कूलों के संचालन की मांग की गई है।

पहले जमीन पर बैंक से लोन लिया, फिर बेच दी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **जमीन बेचने के बाद आरोपियों ने लोन की किस्तें भरना भी बंद किया**
- **नैनीताल बैंक से हुई धोखाधड़ी, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा**

अमृत विचार : शहर में बैंक लोन से जुड़ा एक गंभीर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। दि नैनीताल बैंक लिमिटेड की एमबीजीपीजी कॉलेज शाखा के शाखा प्रबंधक संजय कुमार ने न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हल्द्वानी में प्रार्थना पत्र दाखिल कर आरोप लगाया है कि आरोपियों ने बैंक से करोड़ों रुपये का ऋण लेने के बाद बंधक रखी गई संपत्ति को ही बेच दिया। अब बैंक का दिया लोन भी चुकता नहीं किया जा रहा है और बंधक जमीन भी बिकने के बाद फंस गई है।

तहरीर के अनुसार, सुरेश चन्द्र जोशी पुत्र धर्मानंद जोशी एवं सरिता जोशी पत्नी सुरेश चन्द्र जोशी निवासी किशनपुर सरकुलिया, लालकुआं, नैनीताल ने 3 जुलाई 2020 को बैंक की उक्त शाखा से ऋण 1.35 करोड़ रुपए का का लोन लिया था। लोन के एवज में आरोपियों ने अपनी दो अचल संपत्तियां बैंक में बंधक रखीं, जिनमें ग्राम किशनपुर सरकुलिया स्थित भूमि और बमौरी मल्ली, तहसील हल्द्वानी स्थित भूमि शामिल थी।

बैंक का आरोप है कि लोन होने के कुछ ही समय बाद आरोपियों ने 27 नवंबर 2020 को ग्राम किशनपुर सरकुलिया की बंधक भूमि को देवकी देवी पत्नी शेर सिंह को बेच दी। जबकि यह जमीन पहले से बैंक में गिरवी थी। आरोप यह भी बै कि आरोपियों ने लिए गए लोन की अदायगी भी बंद कर दी। इस पर 30 मार्च 2024 को खाता एनपीए घोषित कर दिया गया। बैंक ने कई बार नोटिस जारी किए, लेकिन आरोपियों ने न तो ऋण चुकाया और न ही संतोषजनक जवाब दिया। कोतवाल विजय कुमार मेहता ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शिकायत की, न कोतवाल ने सुनी न एसएसपी ने

हल्द्वानी : शिकायतकर्ता के मुताबिक, मामले में बैंक की ओर से 10 जनवरी 2025 को कोतवाली हल्द्वानी में लिखित तहरीर देकर मुतजमा दर्ज करने की मांग की गई थी। इसके बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो 3 मई 2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नैनीताल को डाक के जरिए शिकायत भेजी गई है, लेकिन इसके बावजूद मामला दर्ज नहीं किया गया। इसी के शिकायतकर्ता ने न्यायालय से प्रार्थना पत्र दिया।

झूठा शपथ पत्र दिया तो होगी कार्रवाई

हल्द्वानी : सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार, बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण में प्रभावितों को पीएम आवास योजना का लाभ देने के लिए कैंप लगाए थे। इनमें पीएम आवास योजना के तहत 6,888 आवेदन फार्म प्राप्त हुए थे। इधर, बुधवार को टीमों ने डोर टू डोर जाकर अधूरे आवेदन फार्म भरवाएं और जिन फार्मों में दस्तावेजों की कमी थी, उन्हें पूरा करवाया। साथ ही उन्हें शपथ पत्र के महत्व के बारे में भी बताया। चेताया कि यदि शपथ पत्र में गलत सूचनाएं देने पर आवेदन निरस्त होने के साथ ही दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है।

ऑपरेशन प्रहार : 2 जिला बदर, 7 अपराधी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने बीती 3 से 7 अप्रैल तक 7 शातिर वांछित और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि दो अपराधियों को गुंडा एक्ट में जिला बदर किया गया।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर चल रहे इस अभियान की निगरानी पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल कर रहे हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने जिले में व्यापक सत्यापन अभियान चलाते हुए 484 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। शांति व्यवस्था भंग करने और असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर 111 लोगों के खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई, जबकि 7 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया। रैश ड्राइविंग, शराब पीकर वाहन चलाने, गलत नंबर प्लेट और हूटर के प्रयोग आदि पर 110 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें 31 वाहन सीज और 13 गिरफ्तारियां हुईं। जिले के 243 होटल, ढाबों, पब और बार में औचक चेकिंग की।

नाबालिग को गर्भपात की मंजूरी भ्रूण से साक्ष्य जुटाएगी पुलिस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुखानी थाना क्षेत्र में दुष्कर्म का शिकार हुई 16 वर्षीय किशोरी के मामले में अदालत ने पीड़िता के गर्भपात की अनुमति दे दी है। चिकित्सकीय प्रक्रिया के दौरान भ्रूण को सुरक्षित रखते हुए उसका डीएनए सैंपल लिया जाएगा, जिसे पुलिस जांच के लिए प्रयोग करेगी।

घटना का खुलासा तब हुआ जब किशोरी को पेट दर्द की शिकायत पर परिजन निजी अस्पताल ले गए। जांच में वह करीब दो माह की गर्भवती पाई गई। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि बैलेजली लॉज क्षेत्र के एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। मामले की सूचना मिलते ही मुखानी थाने में उसी रात मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया, जिसे बाद में कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। किशोरी की स्थिति को देखते हुए परिजनों ने कोर्ट से गर्भपात की अनुमति मांगी थी, जिसे मंजूरी मिल गई। अब निर्धारित प्रक्रिया के तहत डॉक्टरों की निगरानी में गर्भपात कराया जाएगा। अदालत के निर्देशानुसार भ्रूण को सुरक्षित रखकर उसका डीएनए सैंपल लिया जाएगा, जिससे आरोपी के खिलाफ साक्ष्य मजबूत किए जा सकें। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है, आगे की जांच में वैज्ञानिक साक्ष्यों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि मामले में ठोस कार्रवाई की जा सके।

नई पहल | **बायोमैट्रिक मशीन से छेड़छाड़ कर एक तरह से हैक किया विभाग, आरटीआई पोर्टल का पासवर्ड बदल कर लॉक कर दिया पॉर्टल**

वन विकास निगम में गबन पर कंप्यूटर ऑपरेटर पर हुई एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वन विकास निगम के विक्रय प्रभाग, हल्द्वानी में कार्यरत रहे एक पूर्व आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। प्रभागीय विक्रय प्रबंधक उपेन्द्र सिंह ने थाना मुखानी में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

तहरीर के अनुसार, आरोपी महेन्दर सिंह बिष्ट पुत्र मोहन सिंह बिष्ट, मूल निवासी ग्राम धानाचूली, तहसील मुक्तेश्वर (वर्तमान निवास यूपीसीएल हाइडिल कॉलोनी, हल्द्वानी) पूर्व में प्रभागीय लौगिंग प्रबंधक, पूर्वी हल्द्वानी कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर तैनात था, जिसे बाद में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने कार्यालय की बायोमैट्रिक प्रणाली से छेड़छाड़ की। उपस्थिति पंजिका, बायोमैट्रिक मशीन में दर्ज डाटा तथा अवकाश विवरण में बड़े स्तर पर अंतर पाया गया। साथ ही, सूचना का अधिकार पोर्टल पर आए आवेदनों के दौरान आरोपी ने पोर्टल का पासवर्ड बदलकर उसे लॉक कर दिया, जिससे सूचना प्रक्रिया बाधित हुई। डीएसएम ने थाना मुखानी पुलिस से आरोपी के खिलाफ बायोमैट्रिक मशीन से छेड़छाड़, सरकारी दस्तावेजों में कूटरचना, फर्जी बिल बनाकर सरकारी धन का गबन, फर्जी शिकायतें व आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, धमकी और आईटी से जुड़ी अनियमितताएं जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

फर्जी रेस्टोरेंट के बिल बनाकर किया सरकारी धन का गबन

आरोप है कि आरोपी ने स्वतंत्रता दिवस और अन्य बैठकों के दौरान जलपान के नाम पर एक काल्पनिक रेस्टोरेंट के नाम से फर्जी बिल और मुहर तैयार की। इन दस्तावेजों के जरिए 4635 रुपये की सरकारी धनराशि का गबन किया गया। विभाग ने आशंका जताई है कि पूर्व में भी इसी तरह के फर्जी बिलों के जरिए धन का दुरुपयोग किया गया हो सकता है, जिसकी विस्तृत जांच आवश्यक है।

फर्जी ईमेल, स्टांप पेपर व झूठी शिकायतों का षड्यंत्र

तहरीर में लिखा है कि आरोपी ने फर्जी नाम से स्टांप पेपर खरीदकर तथा अपने मोबाइल नंबर से फेक ईमेल आईडी बनाकर अधिकारियों और सहकर्मियों के खिलाफ सुनियोजित तरीके से झूठी शिकायतें भेजीं। इतना ही नहीं, सहायक लेखाकार मोहन कुमार के नाम, पद और कथित हस्ताक्षरों का दुरुपयोग करते हुए अनुसूचित जाति आयोग, देहरादून को दो फर्जी शिकायतें भेजी। संबंधित कर्मचारी ने शपथ पत्र देकर स्पष्ट किया है कि उनके द्वारा ऐसी कोई शिकायत नहीं की गई और उनकी ईमेल आईडी के दुरुपयोग की भी बात सामने आई है।

ट्रूकॉलर पर बड़े अधिकारियों के नाम से फर्जी पहचान

एक और गंभीर खुलासे में सामने आया कि आरोपी ने अपने कई मोबाइल नंबरों को ट्रूकॉलर पर सीएम कार्यालय, उप सचिव सीएम, उत्तराखण्ड पुलिस, वन विभाग, एसएचओ लालकुआं, इनकम टैक्स, कमिश्नर देहरादून, नाबार्ड, कोऑपरेटिव बैंक और यूपीसीएल जैसे नामों से सेव कर रखा था। साथ ही उप सचिव सीएम देहरादून के नाम से फर्जी ईमेल आईडी बनाकर लोगों को गुमराह करने और दबाव बनाने का आरोप है।

स्थानांतरण के नाम पर प्रलोभन और धमकी

जांच में यह भी पाया गया कि आरोपी कर्मचारियों को शासन-प्रशासन और उच्चाधिकारियों के नाम पर मनमाफिक स्थानांतरण कराने का लालच देता था। कुछ मामलों में कर्मचारियों को स्थानांतरण कराने की धमकियां भी दी गईं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गतिविधियों से न केवल सरकारी कार्यप्रणाली प्रभावित हुई है, बल्कि शासन-प्रशासन की छवि और विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में मामले की गहन जांच कर अन्य संभावित अनियमितताओं का खुलासा किया जाना आवश्यक है।

सिटी ब्रीफ

सड़क हादसे में घायल विवाहिता की मौत

रुद्रपुर : कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर एक विवाहिता की मौत का कारण बना। जानकारी के अनुसार, 27 मार्च को भदईपुरा निवासी गुड्डू अपनी पत्नी कांति देवी के साथ बाइक से किच्छा हाईवे जा रहे थे। बगवाड़ा मंडी मोड़ पर एक अनियंत्रित ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें कांति देवी ऑटो के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। निजी अस्पताल में लंबे उपचार के बाद विवाहिता ने दम तोड़ दिया। मृतका के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पंप हाउस में तोड़फोड़ की, ऑपरेटरों को धमकी

बाजपुर : ग्राम रम्पुरा काजी स्थित पेयजल योजना के पंप हाउस में दबंगों द्वारा तोड़फोड़ और ऑपरेटरों को जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ऑपरेटर जसविंदर सिंह ने थाना केलाखेड़ा में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 6 अप्रैल की शाम जब ऑपरेटर पंप चलाने पहुंचा, तो कंट्रोल पैनल क्षतिग्रस्त मिला और वायरिंग कटी हुई थी। उपद्रवियों ने ट्रांसफार्मर को भी तोड़ दिया, जिससे उसका तेल जमीन पर बह गया। पीड़ित का आरोप है कि गांव के ही कुछ लोगों ने जमीन विवाद को लेकर तीन दिन पहले उसे धमकी दी थी कि यदि उनके विरुद्ध कुछ कहा गया तो पंप हाउस को नुकसान पहुंचाया जाएगा। आरोपियों पर पहले भी मारपीट करने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप है।

म्यूल खाते खोलकर साइबर अपराध की रकम ठिकाने लगाने वाले धरे

पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार, साइबर क्राइम थानों में मिल रही थी शिकायतें, चारधाम यात्रा सहित कई धोखाधड़ी की वारदातों का था पैसा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: आधुनिक तकनीक के सहारे जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ ऊधमसिंह नगर पुलिस ने निर्णायक जंग छेड़ दी है। एसएसपी अजय गणपति कुंभार के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन साइबर प्रहार' के तहत पुलिस ने पांच ऐसे अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है, जो साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने के लिए 'म्यूल अकाउंट्स' का जाल बुन रहे थे।

एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बुधवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सभी थाना-कोतवाली प्रभारियों को संदिग्ध बैंक खातों की सूची तैयार करने के आदेश दिए गए थे। जांच के दौरान गदरपुर, बाजपुर, नानकमत्ता, दिनेशपुर, रुद्रपुर, जसपुर और किच्छा पुलिस को अपने-अपने क्षेत्रों में चौंकाने वाले तथ्य मिले। तफ्तीश में सामने आया कि पकड़े गए पांचों अभियुक्त फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाते थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगों द्वारा दुनिया भर से लूटी गई रकम को ट्रांसफर करने और उसे सफेद करने के लिए किया जा रहा था।

गिरफ्तार खाताधारकों के साथ खुलासा करते एसएसपी अजय गणपति। ● अमृत विचार

कई बैंकों में 100 से अधिक म्यूल खाते खोले गए

रुद्रपुर : म्यूल खातों के माध्यम से संचालित धोखाधड़ी का पैसा ठिकाने लगाने वाले पांच संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी होने के बाद पुलिस को चौकाने वाले फर्जी खाते भी मिले हैं। एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने बताया कि जब सभी थाना-कोतवाली पुलिस रिकॉर्ड खंगाल रही थी तो पता चला कि कई बैंकों में 100 से अधिक म्यूल खाते खोले गए हैं और जिनका संचालन बड़ी संख्या में खाताधारक कर रहे हैं। ऐसे खाताधारक को चिह्नित करने में पुलिस जुट गई है। चिह्नित खातों को फिलहाल पुलिस ने फ्रीज कर दिया है और खाताधारकों की भूमिका की तफ्तीश शुरू कर दी है।

जब पुलिस ने इन खातों की बारीकी से जांच की, तो इनमें लाखों-करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन की पुष्टि हुई। पुलिस के अनुसार, ये अभियुक्त केवल एक मोहरा हैं जो कमीशन के लालच में अपने या फर्जी आईडी पर खाते खुलवाकर अपराधियों को सौंप देते थे। एसएसपी ने इशारा किया है कि गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों को रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस का मुख्य उद्देश्य इन 'म्यूल अकाउंट्स' के पीछे छिपे असली 'आकाओं' और मास्टरमाइंड तक पहुँचना है, जो पर्दे के पीछे रहकर इस पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहे हैं। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन साइबर प्रहार आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने जनता से भी अपील की है कि वे किसी अनजान व्यक्ति के बहकावे में आकर अपने बैंक खाते या आईडी का इस्तेमाल न करने दें, क्योंकि ऐसा करना उन्हें कानूनी मुसीबत में डाल सकता है। फिलहाल, पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है। इस कार्रवाई से साइबर अपराधियों के सिंडिकेट को गहरा झटका लगा है।

ठगी के नये-नये तरीके अपनाते थे आरोपी

रुद्रपुर : गिरफ्तार संदिग्ध अभियुक्तों से हुई पूछताछ में यह भी पता चला कि खातों में आने वाली फर्जीवाड़े की रकम साइबर ठगी का पैसा है। साइबर ठग ऑनलाइन चारधाम यात्रा, हेली बुकिंग फ्रॉड, पेंशन फ्रॉड के अलावा कई नये-नये हथकंडे अपनाते थे। यह भी पता चला है कि खाताधारक फर्जी दस्तावेज के साथ ही फर्जी सिम कार्ड भी प्रयोग करते थे और साइबर के मास्टरमाइंड धार्मिक भावनाओं के साथ ही लोगों को विशेष पैकेज का प्रलोभन देकर या फिर नये-नये हथकंडे अपनाकर मोटी रकम हड़प लेते थे और फौरान फर्जी खातों में ट्रांसफर कर डालते थे।

साइबर क्राइम को करेंगे ध्वस्त: एसएसपी

रुद्रपुर : एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने अपनी रणनीति को साझा करते हुए बताया कि फर्जी सिम, म्यूल बैंक खाते, चिह्नित संदिग्धों की जांच, खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया, गिरफ्तार संदिग्धों को रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ, सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी व संदिग्धों की निगरानी, साइबर सेल द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर इंटरस्टेट नेटवर्क की तफ्तीश, साइबर ठगी गिरोह को चिह्नित कर नेटवर्क को ध्वस्त करना ही अब ऑपरेशन साइबर प्रहार को सफल बनाया जाएगा।

दो बैंक खातों के जरिए धोखाधड़ी का खुलासा

काशीपुर : साइबर सेल रुद्रपुर से प्राप्त डेटा के आधार पर कोतवाली कुंडा और काशीपुर में दो अलग-अलग बैंक खातों के जरिए धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। इन खातों का इस्तेमाल देशभर में साइबर ठगी की रकम को खपाने के लिए किया जा रहा था। एसएसआई कोतवाली काशीपुर नवीन बुधानी ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि साइबर सेल से प्राप्त रिपोर्ट में अंकित बैंक खाते को एनसीआरपी पोर्टल पर सर्च करने पर खाता संख्या अलग-अलग राज्यों के विभिन्न थानों में 68 शिकायतों में सम्मिलित होना प्रकाश में आया है। एसएसआई ने बताया कि उक्त डिटेल के आधार पर प्रथम दृष्टया खाता एक्सिस बैंक के खाताधारक अज्ञात के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर विवेचना की जा रही है। उधर कुंडा कोतवाली की सूर्या पुलिस चौकी के एसआई गणेश दत्त भट्ट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में बताया कि साइबर सेल से प्राप्त रिपोर्ट में अंकित बैंक खाते को एनसीआरपी पोर्टल पर सर्च करने पर खाता संख्या अलग-अलग राज्यों के विभिन्न थानों में दर्ज कुल 33 शिकायतों में सम्मिलित होना प्रकाश में आया है। बताया कि उक्त डिटेल के आधार पर प्रथम दृष्टया खाता बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा हरियावाला चौक काशीपुर के खाताधारक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की जा रही है। एसएसआई ने बताया दोनों ही मामलों में प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है, कि उक्त बैंक खाता वास्तविक बैंकिंग उद्देश्यों के लिए नहीं खोला गया। बल्कि धोखाधड़ी से प्राप्त आय को प्राप्त करने के लिए संचालित किया गया है। उक्त आपराधिक प्रकरण में शामिल आरोपी खाताधारक नाम-पता अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

साइबर ठगी के लिए 'म्यूल अकाउंट' का इस्तेमाल

बाजपुर : राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की जांच के बाद बाजपुर पुलिस ने संगठित साइबर धोखाधड़ी के एक नेटवर्क के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि बाजपुर स्थित एक्सिस बैंक के एक खाते का उपयोग देश भर में हुई साइबर ठगी की रकम को खपाने के लिए "म्यूल अकाउंट" के रूप में किया जा रहा था। इस संदिग्ध खाते के विरुद्ध विभिन्न राज्यों से कुल 27 शिकायतें दर्ज हैं। साइबर अपराधी निवेश, नौकरी और ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर लोगों से ठगी गई धनराशि को इस खाते में ट्रांसफर करवाते थे। पुलिस के अनुसार, इस खाते का उपयोग मुख्य रूप से धन की लेयरिंग और उसे आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था। पुलिस को संदेह है कि कमीशन के आधार पर खाते उपलब्ध कराने वाले एजेंट और बैंक अधिकारियों की केवाईसी प्रक्रियाओं में लापरवाही इस बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हो सकती है। पुलिस ने खाताधारक और अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

महिला सप्लायर समेत दो गिरफ्तार

- अभियुक्तों के कब्जे से कुल 266.4 ग्राम स्मैक बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: स्पेशल टास्क फोर्स और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने रुद्रपुर व किच्छा पुलिस के साथ मिलकर दो अलग-अलग कार्रवाइयों में एक महिला समेत दो स्मैक सौदागरों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से कुल 266.4 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी गई है।

एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 7 अप्रैल की शाम एएनटीएफ और रुद्रपुर पुलिस ने बागवाला-रामपुर बाईपास पर चेकिंग अभियान चलाया था। इस दौरान पुलिस को देख भाग रहे अर्जुन सिंह (निवासी मीरगंज, बरेली) को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 103.33 ग्राम स्मैक मिली। पूछताछ में सामने आया कि अर्जुन को उसका साथी विशाल (निवासी फतेहगंज) कार से यहां छोड़कर गया था, जो पुलिस की आहट पाकर फरार हो गया। अर्जुन बरेली के नशा माफियाओं से माल खरीदकर यहां छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ऊंचे दामों पर बेचता था।

दूसरी सफलता किच्छा के महराया मोड़ पर मिली, जहां एसटीएफ की सूचना पर पुलिस ने लालपुर निवासी सुरेंद्र कौर उर्फ छिन्दौ कौर को 133 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। सुरेंद्र कौर इलाके की कुख्यात सप्लायर है। वह लंबे समय से युवाओं को नशे की गर्त में धकेल रही थी। स्थानीय लोगों में उसका इस कदर खौफ है कि विरोध करने पर वह हथियार लेकर हमला करने पर उतारू हो जाती थी, जिसके कारण लोग चाहकर भी चुप रहते थे।

संपत्ति कुर्की की तैयारी में पुलिस

एसएसपी ने स्पष्ट किया कि समाज को दूषित करने वाले नशा माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आदेश दिया है कि पकड़े गए तस्करों और उनके आकाओं की संपत्ति चिह्नित कर सफिमा को रिपोर्ट भेजी जाए, ताकि उनकी अवैध संपत्ति कुर्क की जा सके। पुलिस अब फरार आरोपी विशाल और बरेली के मुख्य नशा माफियाओं की तलाश में दबिश दे रही है।

डॉ. जयश्री राय ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

दिनेशपुर : गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के 37वें दीक्षांत समारोह में डॉ. जयश्री रॉय ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विश्वविद्यालय का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किया है। उन्हें उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कुलाधिपति स्वर्ण पदक पूरे विश्वविद्यालय में केवल एक ही मेधावी छात्र को प्रदान किया जाता है। जयश्री रॉय को असाधारण उपलब्धियों के लिए न केवल स्वर्ण पदक, बल्कि रजत और कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया।

इथोपिया से आई खौफजदा फोटो, 50 लाख मांगे

- हिमांशु के शरीर पर हैं कई चोट के निशान
- आरोपी बोले-नाक-कान काटकर भेज देंगे गिफ्ट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: टूरिस्ट वीजा बनाकर साउथ कोरिया निकले युवक को यह नहीं पता था कि उसकी यात्रा इतनी खौफनाक हो जाएगी कि उसकी जान को जोखिम में डाल देगी। मामला थाना गदरपुर इलाके का है। जहां मंगलवार की देर शाम को परिवार के लोग पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के साथ मिलते हैं और तहरीर देकर घटनाक्रम को बयां करते हैं। अभी चंद घंटे भी नहीं हुए थे कि एक बार फिर इथोपिया से युवक के मामा सहित रिश्तेदारों के मोबाइल पर खौफजदा फोटो आयी और विदेशी अभियुक्तों ने मैसेज भेजा कि जल्द ही 50 लाख रुपये की फिरौती नहीं दी तो युवक के नाक-कान काटकर गिफ्ट के रूप में भेज देंगे।

मुंह बंधे युवक हिमांशु की वायरल फोटो।

यहां बता दें कि गांव अब्दुल्ला नगर गदरपुर थाना के रहने वाले राजकुमार ने बताया कि उसका भांजा रोहित कुमार से गदरपुर के रहने वाले हिमांशु नाम के युवक ने टूरिस्ट वीजा बनाने का प्रस्ताव रखा था। बातचीत के बाद साउथ कोरिया जाने का अनुबंध तैयार किया। जिस पर नामजद अभियुक्तों ने आश्वासन दिया कि टूरिस्ट वीजा का खर्च 15 लाख रुपये आएगा और अभियुक्त को 9.35 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। जब भांजा रोहित साउथ कोरिया पहुंचा तो भांजे को नेटवर्क के माध्यम से इथोपिया ले जाया गया।

इसके बाद बाद 4 अप्रैल 2025 को बैंकॉक भेजा गया और 5 अप्रैल को भांजे से संपर्क टूट गया। इसी दौरान परिवार के मोबाइल पर एक फोटो और मैसेज आया और फिरौती मांगी गयी। मामले को लेकर एसएसपी से गुहार लगाई और बुधवार की सुबह मामा व रिश्तेदारों के मोबाइल पर एक फोटो फिर वायरल की जाती है। जिसमें युवक का मुंह बंधा हुआ है और हाथ-पैर बांधकर जमीन पर लिटाया गया है। एक वीडियो ऐसी भी है। जिसमें तीन से चार संदिग्ध खड़े हैं और युवक को यातनाएं दे रहे हैं।

सुबह के वक्त मैसेज में पहली बार आरोपियों ने 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी, जबकि परिवार का कहना है कि आरोपियों ने बेटे को बंधक कर एक लाख डॉलर की लूटपाट कर चुके हैं और धमकाया जा रहा है कि जल्द ही फिरौती की रकम नहीं दी तो अब हिमांशु का नाक-कान काटकर गिफ्ट कर दिया जाएगा। जिसके बाद परिवार की हिम्मत टूटने लगी है और इतनी मोटी रकम का इंतजाम कैसे होगा। इससे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

नैनीताल-रामपुर हाईवे पर भिड़े बस-ट्रैक्टर, एक घायल

रुद्रपुर: विगत देर रात्रि नैनीताल-रामपुर हाईवे पर उस वक्त चीख पुकार मचने लगी। जब रोडवेज की बस और ट्रैक्टर-ट्राली में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। बस सवार यात्री सुरक्षित रहे, लेकिन ट्रैक्टर में बैठा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को हल्द्वानी रेफर किए जाने की चर्चा है। बताते चलें कि मंगलवार की रात्रि हल्द्वानी से रामपुर की तरफ ट्रैक्टर-ट्रॉली जा रही थी कि अचानक उत्तराखंड परिवहन निगम की बस की आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। जिसमें ट्रैक्टर ट्राली में बैठा एक युवक छिटककर हाईवे पर जा गिरा और लहूलुहान होकर तड़पने लगा। आवाज सुनकर राहगीर घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और दूसरी बस रुकवाकर यात्रियों को हरिद्वार रवाना किया। घायल असीमपुर रामपुर यूपी निवासी इरशाद नवी को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, पी०एम०जी०एस०वाई०, चम्पावत

Phone Fax 05965-230148, E-Mail : eepmgsychampawat@rediffmail.com

पत्रांक : 407/10-पी०एम०जी०एस०वाई० **कोटेशन** दिनांक : 02/04/2026

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा पी०एम०जी०एस०वाई०, सिं०ख०, चम्पावत के अन्तर्गत निम्न कार्य के कोटेशन एजेन्सियों/ आपूर्तिकर्ताओं से दिनांक 10.04.2026 के अपरान्ह 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिनांक को दोपहर 2:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कोटेशनदाताओं एवं उनके जन प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। कोटेशन दिनांक- 10.04.2026 के दोपहर 1:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में कोटेशन बॉक्स में डाली जायेगी, कोटेशन के साथ रू० 100.00 का नॉनजुडीसियल स्टाम्प पेपर मय रेवन्यू टिकट के साथ संलग्न कर अनिवार्य होगा।

क्र० सं०	कार्य का नाम	दरें
1	प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत मा० मुख्यमंत्री घोषणा में सेतु के निर्माण हेतु "Preparation of DPR (Details Project Report) for Construction of Bridge at Km 3.000 in Amori-Chatkot Bypas Road (about 45 Mtr. Long) at District-Champawat to all cost Survey, Investigation, Design etc. Testing and cost of vetting charge from hovement Technical Institute"	Rate given by include all tex for DPRs
2	प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत मा० मुख्यमंत्री घोषणा में सेतु के निर्माण हेतु "Preparation of DPR (Details Project Report) for Construction of Bridge at Km 1.000 & 6.000 in Satkula to Ruiya Bypas Road (about 30 Mtr. Long) at District- Champawat to all cost Survey, Investigation, Design etc. Testing and cost of vetting charge from hovement Technical Institute"	Rate given by include all tex for DPRs

नोट- शेष शर्तें कार्यालय के नोटिस बोर्ड से देखी जा सकती हैं।

अधिशासी अभियन्ता,
सिं०ख०, पी०एम०जी०एस०वाई०, चम्पावत

दो चरणों में उत्तराखंड की जनगणना होगी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी व प्रमुख जनगणना अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि भारत की जनगणना-2027 का आयोजन उत्तराखंड राज्य में दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। 25 अप्रैल से 25 मई 2026 तक और द्वितीय चरण की गणना 9 फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 तक संचालित की जाएगी।

बुधवार को प्रमुख जनगणना अधिकारी ने बताया कि जनगणना-2027 को आधुनिक तकनीक के माध्यम से पूर्णतः डिजिटल रूप में संपन्न किया जाएगा। इसके तहत मोबाइल एप्लिकेशन आधारित होगा। जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएसएस पोर्टल) का उपयोग किया जाएगा, जिससे कार्य की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता तय की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में नियुक्त प्रगणक एवं पर्यवेक्षक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य करेंगे।

द्वितीय चरण में जनसंख्या से संबंधित आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। जिसकी अवधि 10 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक निर्धारित है। इस सुविधा के माध्यम से नागरिक https://se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों का स्वागत

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड यूथ कांग्रेस में रिजवान अंसारी के प्रदेश महासचिव और तरुण नेगी के नगर अध्यक्ष निर्वाचित होने पर किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ के निवास पर भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों पदाधिकारियों को फूल-मालाओं से लाद दिया और मिष्ठान वितरण कर जीत का जश्न मनाया।

विधायक तिलक राज बेहड़ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में ही युवाओं का भविष्य सुरक्षित है, क्योंकि यहां नेतृत्व के भरपूर अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में सकारात्मक माहौल है और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहनखेड़ा, किन्नू शुक्ला, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा, पार्षद परवेज कुरैशी, छात्र संघ उपाध्यक्ष चेतन भट्ट, सोफिया मनी, मोनिका ढाली, शाहवेश, फरमान, अजय बिष्ट, मोहन पांडे, सुरेश सिंह, सुमित तोमर, विशाल जोशी, नितिन पांडे, अशोक सिंह मुकेश, फैजल खान, फरमान जुनैद आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरे दोनों पुत्र कृष्णा एवं सूरज गलत संगत में पड़ गये हैं, जिस कारण आये दिन घर में झगड़ा, अभद्रता करते रहते हैं। मैंने अपने पुत्रों के कृत्यों से परेशान होकर उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए अपने सभी सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में अपने किसी भी कृत्य एवं लेन-देन के लिए वे दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे, इससे मेरे व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का कोई वास्ता, सरोकार नहीं होगा। - **हरीश सिंह पुत्र श्री बच्ची सिंह, निवासी ओम विहार कालोनी, हरिशंकर मंदिर के सामने, तहसील काशीपुर, ऊधमसिंहनगर।**

कार्यक्रम

स्कूल ने मनाया 29वां स्थापना दिवस, मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कोलम्बस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोलंबस पब्लिक स्कूल ने अपना 29वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। जहां विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसे देखकर अभिभावक भी प्रफुल्लित हो उठे। स्थापना दिवस का उद्घाटन अशोका लीलैंड कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग हेड सचिन कुमार गोयल और प्रबंधक मनोज खेड़ा, बीओबी बैंक के शाखा प्रबंधक निखिल पाहवा, आईसीआईसीआई बैंक के किशन कुमार, योगेश शर्मा, हेमंत त्रिपाठी ने दीप जलाकर किया।

कोलम्बस स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

इस दौरान अतिथियों ने कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने का बेहतर मंच होता है। शिक्षा एवं कला का ऐसा सुंदर समन्वय कम देखने को मिलता है। किताबी ज्ञान के साथ साथ जीवनोपयोगी कौशल प्रदान करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति भी दी। जिसमें देवी काली के महत्व को चित्रित करना आकर्षक रहा। प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने 2025-26 में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले प्री प्राइमरी, कक्षा नौ, कक्षा 11 के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया। विजेता हाउस को कॉक हाउस ट्रॉफी प्रदान की गई। इस मौके पर राधिका खेड़ा, अनिल ढीगरा, केवल बतरा, डॉ.ललित उप्रेती, एसके नैय्यर आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

बाजपुर हाईवे पर गजराज की दस्तक, राहगीरों में मची दहशत

बाजपुर : बाजपुर स्टेट हाईवे पर मंगलवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक विशालकाय हाथी (गजराज) अचानक जंगल से निकलकर मुख्य सड़क पर आ गया। हाथी की मौजूदगी से हाईवे पर गुजर रहे वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना गड़प्पू के पास की है, जहां हाथी काफी देर तक सड़क के बीचों-बीच और किनारे घूमता रहा। स्थिति को भांपते हुए वाहन चालकों ने अपने वाहन दूर ही रोक लिए, जबकि कई लोगों ने डर के मारे रास्ता बदल लिया। गनीमत रही कि हाथी ने किसी वाहन या व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया और कुछ देर बाद वापस जंगल की ओर लौट गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगामी विस चुनाव के लिए एकजुट होने का किया आह्वान, बोलीं-2027 में पूर्ण बहुमत से बनेगी कांग्रेस की सरकार

उत्तराखंड में भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह कहीं नजर नहीं आ रहा : शैलजा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि उत्तराखंड में सरकार कैसी चल रही है यह सब देख रहे हैं। प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। इस असफलता को जनता के सामने रखेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। ताकि उत्तराखंड में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बन सके।

बुधवार को भूरारानी स्थित एक रेस्टोरेंट में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तराखंड कांग्रेस

उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा को गदा भेंट करते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल।

प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह कहीं नजर नहीं आ रहा है। उत्तराखंड में मुंह छिपाने की जगह नहीं मिल रही है। आनन-फानन में कैबिनेट का विस्तार कर दिया है। इसके अलावा उत्तराखंड में भ्रष्टाचार हो, विकास हो या फिर अन्य मामले हर मामले में सरकार विफल हुई है।

उन्होंने कहा कि विगत दिनों कई लोग कांग्रेस में शामिल हुए। इसकी भनक लगते ही कार्यकर्ताओं को मैनेज करने लगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सभी ने कांग्रेस ज्वाइन की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता राज्य में बदलाव चाहती है और कांग्रेस की सरकार बनाना चाहती है। कार्यकर्ता भी लोगों से मिलकर कांग्रेस की नीति बनाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज करेगी।

उत्तराखंड की जनता भी चाहती है बदलाव : आर्य

रुद्रपुर : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 2027 में बहुत बड़ी लड़ाई लड़ने जा रही है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होना होगा। कोई ताकत 2027 में कांग्रेस को सत्ता में आने से नहीं रोक सकती है। उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा इसकी नींव रखने जा रही हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल हुई है और कटघरे में खड़ी हुई है। उत्तराखंड की जनता भी बदलाव चाहती है।

खनन -शराब और भू माफिया चला रहे सरकार

रुद्रपुर : उत्तराखंड चुनाव समिति अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। भ्रष्टाचार चरम पर है और महिलाओं पर हो रहे अपराध में भाजपा नेता भी संलिप्त हैं। इतना ही नहीं खनन माफिया, शराब माफिया और भूमाफिया सरकार को चला रहे हैं। किसान आत्महत्या कर रहे हैं। प्रदेश के हालात विषम परिस्थिति में हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आगामी चुनाव में जुटने की अपील की। साथ ही कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वह प्रदेश को आगे ले जाने का काम करेगी।

कांग्रेस की झोली में आएगी किच्छा सीट : बेहड़

रुद्रपुर : किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने कहा कि उत्तराखंड में 2027 विधानसभा चुनाव का बिगुल फुंक चुका है। 2027 में उत्तराखंड में सरकार बनानी है। उन्होंने उत्तराखंड प्रभारी को विश्वास दिलाया कि वे दो बाद विधानसभा चुनाव हारे। जब उन्हें किच्छा विधानसभा की जिम्मेदारी मिली तो वहां मेहनत से सीट कांग्रेस की झोली में डाली। उन्होंने कहा कि इस बार भी किच्छा विधानसभा की सीट कांग्रेसी की झोली में आएगी।

पूर्व विधायक ठुकराल ने उत्तराखंड प्रभारी को भेंट की गदा

रुद्रपुर : पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता राजकुमार ठुकराल ने उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव सांसद कुमारी शैलजा को (गदा) देकर सम्मानित किया। केंद्रीय कांग्रेस नेता गुरदीप सप्पल, उत्तराखंड सह प्रभारी सुरेंदर शर्मा, मनोज यादव, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, उत्तराखंड चुनाव समिति अध्यक्ष प्रीतम सिंह, उत्तराखंड चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष हरक सिंह रावत, उपनेता खटीमा विधायक भुवन कापड़ी, किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़, जसपुर विधायक आदेश चौहान, नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा, पूर्व सांसद महेंद्र पाल, वरिष्ठ नेता प्रकाश जोशी, पूर्व विधायक नारायण पाल, कांग्रेस किसान प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाड्डी, जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा, महानगर अध्यक्ष ममता रानी का तलवार देकर स्वागत किया।

बैठक में नहीं पहुंचीं कांग्रेस नेता मीना शर्मा

रुद्रपुर : प्रदेश प्रभारी के अलावा प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी आयोजित बैठक में खफा पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा नहीं पहुंची। जबकि पिछले कई दिनों से पार्टी हाईकमान के बड़े नेताओं के फोन कर न्यौता दे रहे थे।

पार्षद प्रकाश हत्याकांड का शूटर रिंकू गिरफ्तार

पिछले पांच साल से चल रहा था शूटर फरार, 25 हजार का था इनाम, एसटीएफ ने दबोचा आरोपी, 2020 में हुआ था हत्याकांड

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: 2020 में हुए चर्चित भाजपा समर्थित पार्षद प्रकाश धामी हत्याकांड के शूटर को आखिरकार एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया कि शूटर रिंकू शर्मा हत्याकांड के बाद से ही फरार चल रहा था और हत्यारे पर 25 हजार का इनाम भी घोषित हो चुका था। शूटर पिछले पांच साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

बुधवार को एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि 12 अक्टूबर 2020 को भदईपुरा वार्ड-13 की सुबह साढ़े सात बजे भाजपा समर्थित पार्षद प्रकाश सिंह धामी के घर में घुसकर आई-20 कार सवार सात बदमाश आये और बहाने से भाजपा समर्थित पार्षद प्रकाश को बाहर बुलाया और गोलियों से भून डाला। दिनदहाड़े हत्याकांड से तराई भाबर में सनसनी फैल गई और हत्यारे फरार हो गए। तफ्तीश में यह पता चला कि शूटर पेशेवर थे और वर्चस्व व राजनीतिक रंजिश के चलते हत्याकांड को अंजाम दिया गया था।

हत्याकांड के वक्त पुलिस ने छह अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर

एसटीएफ की गिरफ्त में पार्षद हत्याकांड का फरार शूटर। ● अमृत विचार

सुबह मर्डर, शाम को हुई थी बेटी

रुद्रपुर : वास्तव में भाजपा समर्थित पार्षद प्रकाश सिंह धामी के परिवार में उस वक्त खुशी और गम दोनों का माहौल था। कारण प्रकाश की किच्छा देवरिया की रहने वाली युवती से लव मैरिज हुई थी और 12 अक्टूबर 2020 की सुबह पार्षद की गोली मारकर निर्मम हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। पार्षद की हत्या से जहां परिवार में कोहराम मच गया था और हत्याकांड वाली रात को ही पार्षद के घर बेटी का जन्म हुआ था। यही कारण है कि जहां जवान बेटे की मौत का गम था। वहीं उसकी बेटी के जन्म की खुशी भी थी और हर कोई इस पल को देखकर भावुक हो उठा था।

दी थी, जबकि हत्याकांड में अहम भूमिका निभाने वाले पेशेवर शूटर गांव जग्गा का पुरा थाना दिमनी मुरैना मध्य प्रदेश निवासी रिंकू शर्मा उर्फ पंडित का नाम सामने आया था। हत्याकांड के वक्त से ही शूटर ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस ने अभियुक्त पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया। गिरफ्तारी की जिम्मेदार कुमाऊं एसटीएफ को दी गई और एसटीएफ ने सर्विलांस के माध्यम से खोजबीन शुरू कर दी।

सात अप्रैल को सूचना मिली कि एक बार फिर पेशेवर शूटर रिंकू उर्फ पंडित को कोतवाली इलाके में देखा गया है। पुलिस ने घेराबंदी कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। बताया कि अभियुक्त पिछले पांच साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

फरियादी बनकर आए और चलाई गोली

- वर्चस्व-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा निकली थी वजह
- चार लाख में तय हुआ था हत्याकांड का सौदा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके की भदईपुरा वार्ड-13 के आपराधिक इतिहास पर नजर डालें तो भदईपुरा में पूर्व सांसद राजेश सिंह और भाजपा समर्थित पार्षद प्रकाश सिंह धामी के बीच वर्चस्व की जंग छिड़ चुकी थी। पूर्व सभासद को राजनीतिक मोर्चे में हारने और वर्चस्व की लड़ाई में पराजित करने के साथ ही धामी का कारवां बढ़ता ही जा रहा था। यही कारण है कि पूर्व सभासद पर धामी हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता का आरोप लगा और पुलिस ने दोनों सगे भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

पुलिस तफ्तीश के मुताबिक, पार्षद धामी का बढ़ता राजनीतिक कद पूर्व सभासद राजेश सिंह को खटक रहा था। इसी वर्चस्व की जंग में हारने के बाद धामी की हत्या की साजिश रची गई। आरोप है कि पूर्व सभासद ने मध्य प्रदेश के पेशेवर शूटरों को 4 लाख रुपये की सुपारी दी थी। शूटरों ने कई दिनों तक धामी के घर की रेकी की और अंततः 12 अक्टूबर 2020 की सुबह इस वारदात को अंजाम दिया। हत्याकांड की सुबह दो शूटरों ने खुद को फरियादी बताते हुए धामी के घर की घंटी बजाई। जैसे ही पार्षद मोहर लगाने के लिए बाहर निकले, शूटरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। यह घटना इतनी वीभत्स थी कि सभी सात शूटरों ने बारी-बारी से धामी के शरीर पर तब तक गोलियां दागीं जब तक उनकी सांसें नहीं थम गईं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सिर, गले और सीने पर दर्जनों घावों की पुष्टि हुई थी। मुख्य साजिशकर्ता के रूप में नामजद पूर्व सभासद और उसका भाई जमानत पर जेल से बाहर हैं। इस घटनाक्रम के बाद से इलाके में तनाव व्याप्त है और गैंगवार की प्रबल संभावना को देखते हुए पुलिस दोनों गुटों की गतिविधियों पर पैनी नजर रख रही है।

साजिशकर्ता-शूटर है कुख्यात बदमाश

रुद्रपुर : भदईपुरा के भाजपा समर्थित पार्षद प्रकाश धामी हत्याकांड की तफ्तीश पर ध्यान दें तो पुलिस के अनुसार साजिशकर्ता एवं शूटर सभी कुख्यात बदमाश है।

प्रकाश (फाइल फोटो)।

नामजद हुए सगे भाई राजेश सिंह उर्फ राजेश गंगवार पर चार हत्या, दो बार गैंगस्टर, दो बार धोखाधड़ी सहित 18 केस दर्ज है। छोटे भाई अन्नू गंगवार पर एक हत्या, चार धोखाधड़ी सहित 14 केस है। इसके अलावा गिरफ्तार हो चुके शूटर गांव बसेरा पिसावा अलीगढ़ निवासी राजकुमार उर्फ बिट्टू उर्फ अभिषेक पर हत्या के प्रयास, पुलिस मुठभेड़, मादक पदार्थ तस्करी, आर्म्स एक्ट सहित 11 आपराधिक मामले दर्ज है और 30 अक्टूबर 2020 को गिरफ्तार अभियुक्त हिस्ट्रीशीटर है। वहीं एसडीएम द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त रिंकू शर्मा मध्य प्रदेश का रहने वाला है और पेशेवर शूटर है। जिसके खिलाफ एमपी, यूपी, उत्तराखंड में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, रंगदारी, गैंगस्टर सहित 12 अभियोग दर्ज हैं और मध्य प्रदेश को अंतर्राज्यीय शूटर हैं। इसके अलावा गांव लालऊ दक्षिण फिरोजाबाद निवासी अतुल राठौर, राजकुमार, विनय वर्मा उर्फ बंटू की भी गिरफ्तारी हो चुकी है और सभी बदमाश पेशेवर शूटर हैं।

हज यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएं

केंद्रीय मंत्री रिजिजू से मुलाकात करते राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष खतीब अहमद।

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य हज समिति के अध्यक्ष खतीब अहमद ने केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री रिजिजू से हज यात्रियों को बेहतर इंतजाम उपलब्ध कराने पर विस्तृत चर्चा की।

उत्तराखंड राज्य हज समिति के अधिशासी अधिकारी मो. आरिफ ने बताया कि मंगलवार को नई दिल्ली स्थित अल्पसंख्यक मंत्रालय में अध्यक्ष खतीब अहमद ने केंद्रीय मंत्री रिजिजू से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने हज यात्रियों के मक्का और मदीना में ठहरने की व्यवस्थाओं को लेकर विशेष चिंता जताई। उन्होंने उत्तराखंड से जाने वाले हज यात्रियों को ठहरने में किसी प्रकार की असुविधा न हो और पूरी यात्रा के दौरान उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि हज यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और आवास की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए। जिससे यात्रा सकुशल और सुगमता के साथ संपन्न हो सकें। वहीं, इस पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार हज यात्रा 2026 के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां कर रहा है।

खटीमा से क्विज प्रतियोगिता में शिरकत करने वाले नोजगे के बच्चे। ● अमृत विचार

नेशनल स्टैम क्विज़ के फाइनल में नोजगे के चार छात्र

खटीमा : गुजरात काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित नेशनल स्टैम क्विज़ 4.0 के ग्रैंड फिनाले में नोजगे पब्लिक स्कूल के चार विद्यार्थियों ने जगह बनाकर इतिहास रचा है। जूनियर वर्ग में आयरा अल्वी व उत्कर्ष ओली और सीनियर वर्ग में रुद्र प्रताप सिंह व गौरव पांडे फाइनल में पहुंचे हैं। विशेष बात यह है कि देशभर में नोजगे एकमात्र स्कूल है, जिसके छात्र दोनों वर्गों के राष्ट्रीय फाइनल में चयनित हुए हैं। बच्चों की इस सफलता पर प्रबंधिका सुरेंद्र कौर और प्रधानाचार्य एचसी पंत ने मेंटर्स व छात्रों को बधाई देते हुए इसे स्कूल की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जीत बताया।

बालाजी महाराज के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: श्री बालाजी सेवा समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में पुरानी गल्ला मंडी स्थित रामलीला मैदान में 17वां विशाल जागरण श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज के दरबार में हाजिरी लगाकर पुण्य लाभ कमाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य यजमान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और विशिष्ट अतिथियों—समाजसेवी अजय तिवारी, संजीव खन्ना, विवेक दीप सिंह एवं डॉ. एके गुप्ता द्वारा ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पिपली धाम के महंत सोमनाथ, चिड़िया खेड़ा धाम की महंत पानश्री पाठक और रुद्रपुर के

किच्छा में आयोजित बाला जी जागरण में उपस्थित श्रद्धालु। ● अमृत विचार

महापौर विकास शर्मा ने भी बाबा के दरबार में विशेष पूजा-अर्चना की।

सालासर धाम से आए प्रसिद्ध भजन गायक गुलाब नाथ, गुरु कैलाश नाथ और बरेली की अपर्णा मिश्रा व अनंत मिश्रा की जोड़ी ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। "लहर-लहर लहराए झंडा बजरंगबली का" और "वीर हनुमाना-अति बलवाना" जैसे भजनों पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। बालाजी महाराज का भव्य श्रृंगार, छप्पन भोग, पंचमेवा और सवामनी लड्डू का भोग आकर्षण का केंद्र रहा। पूरी रात पंडाल बजरंगबली के जयकारों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में समिति सेवादार पिंटू गुप्ता,

भजन की प्रस्तुति देते गायक गुलाब नाथ।

विजयपाल यादव, कृष्णा राठौर, राकेश गुप्ता, गोल्डी गोराया, राम अवतार अग्रवाल, अंकित बंसल, मनीष मुंजाल के अलावा समाजसेवी सुरेश ढींगडा, अजय पाल यादव, ग्यारसी बंसल, जितेंद्र अग्रवाल, दिनेश भाटिया, मोहित गुप्ता, गौतम गर्ग, विकेश सिंघल मौजूद रहे।

खटीमा में आयुध कोर के स्थापना दिवस पर शहीदों को नमन करते पूर्व सैनिक।

खटीमा में पूर्व सैनिकों ने मनाया आयुध कोर का 251वां स्थापना दिवस, श्रद्धांजलि दी गई

खटीमा : सितारगंज रोड स्थित एक सभागार में बुधवार को आयुध कोर के पूर्व सैनिकों द्वारा कोर का 251वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने आयुध कोर के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। पूर्व सैनिकों ने अपनी सेवा के दौरान की पुरानी यादें साझा कीं और युद्ध काल की चुनौतीपूर्ण घटनाओं को याद किया। इस अवसर पर एमडी अवस्थी, धन सिंह, गोविंद सिंह, किस कापड़ी, एंडी लोहनी, देवेंद्र सिंह, जी प्रसाद, बसंत सिंह, भीम सिंह, बिक्रम सिंह, दशरथ सिंह, लक्ष्मण चंद आदि मौजूद रहे।

उत्साह | पहली बार जाफरपुर आगमन पर कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

प्रदेश में पूर्ण बहुमत से बनेगी भाजपा की सरकार

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि धामी सरकार जनता के हितों के लिए कार्य कर रही है, विकास को अंतिम छोर तक पहुंचाना चाहती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन पहुंचने आह्वान किया। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पुनः भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री का ढोल-नगाड़े, फूल मालाओं और पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

गुरुवार को जाफरपुर में आयोजित स्वागत समारोह कार्यक्रम

दिनेशपुर के जाफरपुर में कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा का स्वागत करते कार्यकर्ता।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा का जोरदार स्वागत किया। जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग ने स्वागत समारोह में शामिल सभी देवतुलय कार्यकर्ताओं और समर्थको का आभार व्यक्त किया। इस मौके ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, ग्राम प्रधान जगजीत सिंह, ग्राम प्रधान महेंद्र सैनी, ग्राम प्रधान दीपक गोस्वामी, ग्राम प्रधान बोबी सिंह, पूर्व ग्राम प्रधान विक्रम सिंह, बीडीसी पवित्र ढाली, बीडीसी अमरजीत सिंह, योगेंद्र चौधरी, उपकार सिंह, प्रताप सिंह, पुष्कर चौधरी, प्रमोद मित्तल, रजत खरवार, हैप्पी मक्कड़, शिवम तपाली, मनमोहन वाधवा, विनोद सिंह, अशोक शर्मा, राज बजाज, बरित बजाज, रवि फुटेला, आयुष पुनियानी, नितिन बजाज राजकुमार खुराना, अशोक शर्मा, सतीश कक्कड़, कालू बत्रा, सार्थक मुन्नेजा, गुरविंदर सिंह, ठाकुर सुमित सिंह, रवि सिंह, अरुण खुराना, बरित भुसरी, गुरचरण सिंह, मनमोहन विश्वास, रिजवान अली, शिवम पुनियानी, अनमोल खुराना, रवि सिंह, प्रवीण तोमर, लक्खा सिंह, अरुण मालाकार, विजय शिकारी, रोहन कन्याल, सौरभ बाबरा आदि मौजूद रहे।

जिला प्रभारी मंत्री का किया भव्य स्वागत

- विधायक अरोरा की टीम ने सौंपा स्मृति चिह्न, पहली बार मुख्यालय आए मंत्री प्रदीप बत्रा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिले के प्रभारी मंत्री एवं विधायक प्रदीप बत्रा का पहली बार रुद्रपुर आगमन पर भव्य स्वागत हुआ। जहां विधायक शिव अरोरा ने कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत किया। वहीं स्मृति चिन्ह देकर मंत्री को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि पंजाबी समुदाय का मंत्री बनाकर धामी सरकार ने पंजाबियों को सम्मान दिया है। कारण प्रभारी मंत्री विकास की सोच रखते हैं।

बुधवार को परिवहन एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं जिला प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में उन्हें सेवा का मौका

प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा का फूलमाला से स्वागत करते विधायक शिव अरोरा।

मिला है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गरीब जनता तक पहुंचाना ही उनका मकसद है। प्रदेश की धामी सरकार लगातार कठोर निर्णय ले रही है। ताकि उत्तराखंड को सशक्त मजबूत बनाया जा सके और प्रदेश देश की अग्रणी राज्यों में शुमार हो सके।

विधायक शिव अरोरा ने कहा कि जिले के मुख्यालय में पहली बार जिला प्रभारी मंत्री का आगमन हुआ है जो रुद्रपुर विधानसभा के लिए गौरव की बात है। विधानसभा का विधायक होने के नाते विधानसभा के विकास को लेकर भी चर्चा हुई है। जल्द ही प्रभारी मंत्री द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों से बैठक कर उन योजनाओं को धरातल पर पहुंचने का प्रयास किया जाएगा जिसकी जनता को बेहद जरूरत है।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख पति प्रीत ग्रोवर, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिरि, भारत भूषण चुघ, विवेक सक्सेना, प्रीत ग्रोवर, मुकेश पाल, धीरेश गुप्ता, जगदीश विश्वास, राजेश डाबर, हरीश जल्होत्रा, मोर सिंह, एसपी यादव, गुरदीप गाबा, संदीप राव, राजेश कामरा, ज्योति ग्रोवर, राजेश बजाज, एमपी मौर्य, पवन राणा, मुकेश रस्तोगी, चन्द्रसेन चंदा, संतोष पाल, सचिन मुंजाल, गिरीश पाल, जगदीश तनेजा, मनीष गगनेजा, राजेश जग्गा, राजेंद्र राठौर, रवि दिवाकर, नमन चावला, राधेश शर्मा, निमित्त शर्मा, राजकुमार चौधरी, कपिल शर्मा, गुन्नू चौधरी, शालिनी बोरा, रश्मि रस्तोगी, कमलेन्द्र सेमवाल, रजनी रावत, प्रीति धीर आदि मौजूद रहे।

बेमौसम बारिश से किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

जिले भर में किसानों को सता रही खेत में आंधी से बिछी फसल की चिंता, फसल के सड़ने की आशंका

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बेमौसम हुई बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी बरसा दिया है। खेतों में खड़ी पक कर तैयार गेहूं की फसल भीग गई है और अब फसल को सूखने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में किसानों के सामने खेत में आंधी से लेटी फसल की भी चिंता सता रही है। फसल के सड़ने के आसार बने हुए हैं।

बेमौसम हल्की बारिश और तेज हवाओं ने गेहूं की तैयार खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई जगह खेतों में लहलहाती फसल जमीन पर गिर गई है, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया। मंगलवार को दिनभर रूक-रूक कर बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका फसल पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। परंतु मंगलवार से बुधवार दोपहर तक रिमझिम बारिश हुई और इस दौरान तेज आंधी भी चली। आंधी से खेतों में पकी गेहूं की फसल लेट गई। ऐसे में खेतों में पड़ी फसल के सड़ने के आसार है। खेत सूखने के बाद किसान गेहूं की कटाई भी शुरू कर सकेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल चंद्रा ने बताया कि फसल गिरने से दाने काले पड़ने और वजन कम होने का खतरा बढ़ गया है।

काशीपुर में हवा चलने से खराब हुई गेहूं की फसल। ● अमृत विचार

किच्छा में जलभराव में बंद हुई स्कूटी को धक्का मारकर निकालते युवक।

गेहूं की फसल बर्बाद, किसानों को आर्थिक नुकसान

बाजपुर : क्षेत्र में हुई अचानक बेमौसम बारिश ने अन्नदाताओं की साल भर की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में पककर तैयार खड़ी और कटाई के बाद सूखने के लिए छोड़ी गई गेहूं की फसल बारिश के कारण खेतों में ही बिछ गई है। इस प्राकृतिक मार से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि फसल भीगने के कारण गेहूं की बालियों में नमी आ गई है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ, तो दाना काला पड़ सकता है और गुणवत्ता खराब होने से बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाएगा। कई जगहों पर दानों में अंकुरण होने का भी खतरा पैदा हो गया है। लागत बढ़ने और अब फसल बर्बाद होने से परेशान किसानों ने शासन-प्रशासन से गुहार लगाई है कि प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिया जाए। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यह बारिश गेहूं की चमक और वजन दोनों को प्रभावित कर सकती है।

54 मिमी वर्षा ने बढ़ाई ग्रामीणों की मुसीबत

खटीमा : क्षेत्र में बुधवार को हुई जबरदस्त वर्षा ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह पटरी से उतार दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेहूं, चना और सब्जी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि लगभग 50 प्रतिशत से अधिक गेहूं की फसल या तो खेतों में पककर खड़ी थी या कटाई के बाद सूखने के लिए रखी गई थी। बारिश के कारण फसल भीगने से दानों के खराब होने और काला पड़ने की आशंका बढ़ गई है, जिससे किसान गहरे संकट में हैं। नगर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। उपजिला चिकित्सालय परिसर और रिलायंस पेट्रोल पंप जैसे मुख्य स्थानों पर पानी भरने से आवाजाही प्रभावित हुई। जीआईसी मौसम केंद्र प्रभारी एनएस रौतेला के अनुसार, बुधवार को कुल 54 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

तापमान में भारी गिरावट

बारिश के चलते अधिकतम तापमान 29 डिग्री से लुढ़क कर सीधे 20 डिग्री पर पहुंच गया है। इस अचानक आई ठंड के कारण लोगों को अलमारी से दोबारा जैकेट और स्वेटर निकालने को मजबूर होना पड़ा है। फिलहाल, क्षेत्र में बादल छाए हुए हैं और किसान अपनी बची हुई फसल को बचाने की जद्दोजहद में जुटे हैं।

बारिश से निचले इलाके जलमग्न

किच्छा : क्षेत्र में मंगलवार रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। नगर के वार्ड-16, वार्ड-11 और बरेली मार्ग सहित कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। हकीम जी पुलिया के पास सड़कों पर पानी भरने से कई वाहन फंस गए, जिन्हें सामाजिक कार्यकर्ता जावेद अहमद और स्थानीय युवाओं ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी गेहूं की लगभग 15 प्रतिशत फसल गिरकर बर्बाद हो गई है, जिससे किसान मायूस हैं। हालांकि, गन्ना और मक्का किसानों के लिए यह बारिश फायदेमंद रही।

फसल बर्बाद, खलिहानों में भीगा अनाज

शांतिपुरी : क्षेत्र में मंगलवार रात से शुरू हुई भारी बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। शांतिपुरी नंबर 1 से 4, सूर्यनगर और बिंदुखत्ता के दर्जनों गांवों में खेतों और खलिहानों में पड़ी लगभग 30 प्रतिशत कटी हुई फसल पूरी तरह भीग गई है। वहीं, कटाई के लिए तैयार शेष 70 प्रतिशत खड़ी फसल पर भी बर्बादी का खतरा मंडरा रहा है। खेतों में जलभराव और मजदूरों की कमी ने किसानों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं।

सिटी ब्रीफ

आईआईएम में सतत प्रबंधन पर सम्मेलन आज से

काशीपुर : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर में 9 से 11 अप्रैल तक द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य विषय "भारत के भविष्य के लिए सतत प्रबंधन रणनीतियां" रखा गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. नीरज द्विवेदी ने बताया कि यह आयोजन "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञ भारतीय ज्ञान प्रणाली, नवाचार और आधुनिक प्रबंधन के समन्वय पर चर्चा करेंगे। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु सशक्त नीतिगत ढांचा और सतत व्यावसायिक समाधान तैयार करना है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

काशीपुर : कुंडा थाना पुलिस ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एक महिला ने कुंडा थाने में तहरीर देकर कहा था कि महुआखेड़ागंज निवासी जीवेश सिंह ने शादी करने का भरोसा दिलाकर उसकी बालिग पुत्री को अपने जाल में फंसाया। फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 69 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है। विवेचना एसआई कुसुम रावत को सौंपी गई है। पुलिस टीम ने आरोपी जीवेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

मुख्य बाजार के जाम में रेंगते रहते हैं वाहन

काशीपुर : मुख्य बाजार की सड़क अतिक्रमण से सिकुड़ गई है। दुकानों के बाहर लगने वाले फड़ और ठेले वालों ने मुसीबत और बढ़ा दी है। यहां तक कि पैदल चलने को भी जगह नहीं बचती है। यह हाल तब है जब मुख्य बाजार में कोतवाली और नगर निगम स्थित है। लेकिन जनप्रतिनिधियों की अनदेखी जनता पर भारी पड़ रही है। मुख्य बाजार के दुकानदार बताते हैं कि कुछ दुकान स्वामी महीने का पैसा लेकर अपनी दुकान के सामने फड़ लगवाते हैं। ऊपर से बेतरतीब ई-रिक्शा अलग से जाम लगवाते हैं। आम जनता परेशान है।

नई समय सारणी का किया विरोध

काशीपुर : प्रदेश सरकार ने उत्तराखंड के विद्यालयों के लिए नई समय सारणी जारी की थी, इसके विरोध में उत्तराखंड राज्य शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजते हुए पूर्व से लागू समय सारणी यथावत रखने की मांग की है। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के देवेंद्र चौधरी ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजा। बताया कि नई समय सारणी उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों, मैदानी तथा पर्वतीय क्षेत्रों की भिन्न पारिस्थितिकी के अनुरूप नहीं है। जहां मैदानी क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल के दौरान भीषण गर्मी और उमस का वातावरण रहता है और पर्वतीय क्षेत्रों में शीतकाल में अत्याधिक ठंड रहती है। नवीन लागू समय सारणी प्राथमिक स्तर पर बच्चों की शारीरिक, पारिवारिक, आर्थिक एवं भौगोलिक स्थितियों से भिन्नता के कारण किसी भी प्रकार से उपयुक्त नहीं है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

खटीमा : राजकीय आश्रम पद्धति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लिए 130 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी। परीक्षा केन्द्र में 161 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। केन्द्र व्यवस्थापक राम दत्त जोशी ने बताया कि 31 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित नहीं हुए। सीसीटीवी कैमरे के बीच शांति पूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। एकलव्य विद्यालय के पर्यवेक्षक के रूप में रोशन झिंक्वाल परीक्षा केन्द्र में मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप कुशवाहा द्वारा परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया गया।

थार की टक्कर से बछिया घायल, कोतवाली में हंगामा

बाजपुर: थार कार की टक्कर से बुधवार दोपहर एक बछिया के घायल होने पर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि सड़क पर जमकर लात-घूंसे चले। दोनों पक्षों के तीन लोग घायल हो गए।

पीड़ित पक्ष के नरेश का आरोप है कि नीलकंठ मंदिर के पास जब उसके भाई अरविंद ने कार चालक को टक्कर मारने पर रोका, तो आरोपियों ने साथियों को बुलाकर उस पर हमला कर दिया। इस दौरान सिर पर चोट लगने से अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने आरोपियों पर जातिसूचक शब्दों के प्रयोग और महिलाओं से अभद्रता का भी आरोप लगाया है। वहीं, दूसरे पक्ष के अंकुर अग्रवाल ने भी मारपीट और कार के शीशे तोड़ने का आरोप लगाया है। घटना के बाद कोतवाली में भी दोनों पक्षों के बीच घंटों हंगामा हुआ, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शांत कराया।

जिलाध्यक्ष ने की शहीद स्थल बनाने की मांग

जसपुर। भाजपा जिलाध्यक्ष ने सीएम को पत्र भेजकर जसपुर में शहीद पत्र बनवाने की मांग की है। बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को भेजे पत्र में कहा कि क्षेत्र में पूर्व सैनिक व सेवारत सैनिकों के करीब छह सौ परिवार निवास करते हैं।

चैती मेले से लौट रहा परिवार हादसे में घायल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: चैती मेला घूम कर बाइक से घर लौट रहे एक ही परिवार के तीन सदस्यों को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पति-पत्नी और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला कटोराताल निवासी मेहबूब अपनी पत्नी नसरीन और बेटे फैजल के साथ मंगलवार रात चैती मेले घूम कर वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक चीमा चौराहे के पास पहुंची, तभी एक अनियंत्रित डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों बाइक समेत सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला की गंभीर हालत को देखते रेफर किया गया। जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में ले गए। पुलिस ने डंपर को अपने कब्जे में ले लिया है। हालांकि, हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। कटोराताल चौकी प्रभारी कौशल भाकुनी ने बताया कि तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

● महिला की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने किया रेफर

जीवन में गुरु जरूर बनाएं : तिवारी

काशीपुर: श्रीमद्भागवत में कथा व्यास आचार्य रविकांत तिवारी ने कहा कि जीवन बिना गुरु के व्यर्थ है। जीव को अपनी सद्गति चाहिए तो जीवन में गुरु जरूर बनाएं। नारद मुनि की कथा का विवरण करते हुए कहा कि किस प्रकार नारद ब्रह्म देव के मानस पुत्र थे। फिर भी नारायण भगवान ने उनको गुरु बनाने के लिए कहा और उसी के माध्यम से उनका उद्धार हुआ। काशीपुर के पैराडाइज कॉलोनी में श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ हुई। इस अवसर पर मोहित गुप्ता, पंडित शोहित त्रिवेदी, हिमांशु त्रिवेदी, बृजेन्द्र पोइया, राजीव अग्रवाल, सनद अग्रवाल, संजय गोयल, कुशाग्र अग्रवाल मौजूद रहे।

विजयी प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम नवोन्मेष वार्षिकोत्सव एवं मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना पुरस्कार वितरण समारोह का समापन हुआ। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतियोगियों को पुरुस्कृत किया गया।

दूसरे दिन बुधवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं में एकल नृत्य में योग संकाय से ऋतु प्रथम, कला संकाय से पायल थापा द्वितीय एवं वाणिज्य संकाय से काजल तृतीय स्थान पर रही। एकल गायन में बीएड विभाग से किरण सरकार प्रथम, वाणिज्य संकाय से तनिष्क द्वितीय एवं बीएड संकाय से हर्षित कुमार तृतीय स्थान पर रहे। देशभक्ति आधारित समूह गान में बीएड विभाग प्रथम स्थान, वाणिज्य संकाय द्वितीय एवं विज्ञान संकाय तृतीय स्थान पर रहा। लघु नाटिका में कला संकाय प्रथम, वाणिज्य संकाय द्वितीय एवं विज्ञान संकाय तृतीय स्थान पर रहा। युगल गीत में वाणिज्य संकाय तनिष्का और राशि प्रथम स्थान, योग संकाय से रामसागर यादव और नेहा द्वितीय एवं कला संकाय से सोनू और विवेक तृतीय स्थान पर रहे। कव्वाली में विज्ञान संकाय प्रथम, बीएड संकाय द्वितीय एवं कला संकाय तृतीय स्थान पर रहा। युगल नृत्य में विज्ञान संकाय से दीक्षा और पालक प्रथम, बीएड संकाय से भावना और अनीता आर्या द्वितीय एवं वाणिज्य संकाय से निक्की और विशेष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पारंपरिक लोक गीत में वाणिज्य संकाय प्रथम, बीएड संकाय द्वितीय एवं योग संकाय तृतीय स्थान पर रहा। वाद्ययंत्र में विज्ञान संकाय से मोहित कुमार प्रथम और मयंक जोशी द्वितीय एवं अंजलि बीएड संकाय से अंजलि तृतीय स्थान पर रहे। पारंपरिक लोक नृत्य में कला संकाय प्रथम, विज्ञान संकाय द्वितीय एवं वाणिज्य संकाय तृतीय स्थान पर रहा। समग्र परिणाम में कला संकाय प्रथम स्थान पर रहा, जबकि बीएड संकाय ने द्वितीय और वाणिज्य संकाय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी को मुख्य अतिथि एसपी स्वप्न किशोर सिंह और महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुमिता श्रीवास्तव ने पुरुस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज कुमार शुक्ला और डॉ. राघव कुमार झा ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण केएन यादव, अनुराग अग्रवाल, सुभाष चंद्र कुशवाहा, जानकी सुयाल, मीना शर्मा, महिपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागी। ● अमृत विचार

चोरों ने घर से चुराई नकदी और जेवरात

काशीपुर: हथियारों से लैस चोरों ने एक घर से नकदी और जेवरात चुरा लिए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर उन्हें ढूंढने की गुहार लगाई है।

गिन्नी खेड़ा लाइन पार निवासी हरि सिंह ने तहरीर देकर बताया कि 07 अप्रैल की मध्यरात्रि में तीन चोर उनके घर पर लगे गेट से कूदकर अंदर आये। उस वक्त वह और उसकी पत्नी आंगन में और तीनों बच्चे अंदर कमरों में सो रहे थे। बताया कि तीनों चोरों ने कमरे से एक सोने का लॉकेट, दो जोड़ी चांदी की पायल, चार चांदी की अंगूठियां एवं अलमारी में रखे लगभग पांच हजार रुपये चोरी कर लिए। बताया कि चोरों के पास कुछ हथियार भी थे। आईटीआई कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सरकार की छवि खराब कर रहे गदरपुर विधायक

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता सुखदेव सिंह नामधारी और गदरपुर पालिका के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कांबोज ने गदरपुर विधायक अरविंद पांडे पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह लगातार सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं और पार्टी लाइन से हटकर काम करते हुए प्रदेश का माहौल बिगाड़ रहे हैं। अब उन्हें पार्टी से बाहर निकालने की तैयारी चल रही है।

बुधवार को नामधारी और कांबोज रामनगर रोड स्थित एक होटल में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार अच्छा काम कर रही है। कांबोज ने कहा कि जसपुर से खटीमा तक भाजपा के भीतर ऐसे लोगों की पहचान की जाएगी जो संगठन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अरविंद पांडेय का राजनीतिक चरित्र "यूज एंड थ्रो" वाला रहा है और वे हमेशा कार्यकर्ताओं को आपस में लड़ाने, गुटबाजी फैलाने और चुनावी समय में माहौल बिगाड़ने का काम करते रहे हैं।

आरोप लगाया गया कि अरविंद पांडेय का जनाधार कमजोर होने के बाद उन्होंने काशीपुर और आसपास के क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाई। कहा कि वे भाजपा में रहकर समानांतर शक्ति केंद्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो पार्टी अनुशासन के खिलाफ है। नामधारी ने कहा कि भाजपा ने हमेशा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का काम किया है और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में प्रदेश में समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, शिक्षा और सामाजिक सम्मान से जुड़े कई बड़े फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार इतना अच्छा काम कर रही है, तब अपनी ही सरकार के खिलाफ बयानबाजी करना किसी भी तरह उचित नहीं है। इस दौरान अरविंद पांडेय पर भूमि कब्जे, सरकारी जमीनों के दुरुपयोग, जनजातीय और आरक्षित वर्गों की जमीनों के कथित लेन-देन जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सेमलपुरी और अन्य क्षेत्रों में कथित रूप से कराई गई जमीनों की जांच होनी चाहिए। पूरे मामले को जिलाधिकारी के समक्ष उठाएंगे।

प्रेस वार्ता करते सुखदेव सिंह नामधारी और सुरेश कांबोज। ● अमृत विचार

मस्जिद के इमाम को हटाने पर हुआ विवाद

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: गांव बाजपुर में मस्जिद कमेटी द्वारा इमाम बदलने के निर्णय को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रजा चांद मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, कमेटी और समुदाय ने सर्वसम्मति से पुराने इमाम को हटाकर नए इमाम की नियुक्ति की थी। आरोप है कि इस फैसले से नाराज कुछ लोगों ने 3 अप्रैल को मस्जिद परिसर में गाली-गलौच की और जान से मारने की धमकी दी।

घटनाक्रम के अनुसार, आरोपियों ने पहले अध्यक्ष के पुत्र के साथ गली में मारपीट की। जब उनकी पत्नी और पुत्रवधु बीच-बचाव करने पहुंचीं, तो उन पर भी लाठी-डंडों से हमला किया गया। हद तो तब हो गई जब घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा था, हमलावरों ने रास्ते में रोककर धारदार हथियारों और लोहे की रॉड से दोबारा हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया।

घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर हल्द्वानी रेफर कर दिया है।

परेशानी

कोड के सत्यापन के लिए उपभोक्ताओं को इंडेन गैस की दोनों एजेंसियों के बाहर घंटों कतारों में खड़ा होना पड़ रहा

गैस सिलेंडर के लिए डीएसी सत्यापन ने बढ़ाई मुसीबत

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : क्षेत्र में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत से जूझ रहे उपभोक्ताओं के लिए नई डीएसी (डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड) व्यवस्था जी का जंजाल बन गई है। ऑनलाइन बुकिंग के बाद जारी होने वाले इस कोड के सत्यापन के लिए उपभोक्ताओं को इंडेन गैस की दोनों एजेंसियों के बाहर घंटों कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है।

बुधवार को खराब मौसम और बारिश के बाद भी गैस एजेंसियों के बाहर भारी भीड़ देखी गई। लोग सुबह से ही भूखे-प्यासे कतारों में लग रहे हैं, जिनमें महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इस नई व्यवस्था ने उनकी परेशानी को दोगुना कर दिया है। जहां एक ओर सिलेंडर की उपलब्धता कम है, वहीं दूसरी ओर कागजी कार्रवाई के लिए उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। एजेंसी संचालकों का तर्क है कि यह प्रक्रिया उच्च स्तर के निर्देशों पर आधारित है और वे भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं।

एसडीएम का औचक निरीक्षण और सुरक्षा के निर्देश: बढ़ती शिकायतों और भीड़ के बीच एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा और तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान ने बुधवार को अनाज मंडी स्थित गैस गोदाम व यादव गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने सुरक्षा मानकों की कड़ाई से जांच की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को सिलेंडर वितरण में अनावश्यक देरी न हो।

बाजपुर में यादव गैस एजेंसी पर आत्मदाह की धमकी देने वाले युवक को समझातीं एसडीएम डॉ .अमृता शर्मा। ● अमृत विचार

सिलेंडर न मिलने पर युवक ने दी आत्मदाह की धमकी

निरीक्षण के दौरान यादव गैस एजेंसी पर एक हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। लंबे समय से सिलेंडर के लिए भटक रहे एक युवक ने गुस्से में आकर एसडीएम के सामने ही आत्मदाह की धमकी दे डाली। युवक का आरोप था कि वह सिलेंडर के लिए परेशान है और उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। एसडीएम ने तुरंत युवक को समझाकर शांत किया और सख्त हिदायत दी। बाद में युवक ने माफी मांग ली। स्थिति बिगड़ती देख कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभाली और उपभोक्ताओं की कतारों को व्यवस्थित कराया।

राजकीय उद्यान का किया निरीक्षण

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को सितारगंज के राजकीय गार्डन एवं पौधालय का औचक निरीक्षण किया। कृषि मंत्री गणेश जोशी के अचानक निरीक्षण पर पहुंचने से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

कृषि मंत्री जोशी ने उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन करते हुए कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली को भी परखा। उन्होंने राजकीय गार्डन में तैयार की जा रही विभिन्न नर्सरियों का निरीक्षण किया और पौध उत्पादन की गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कर्मचारियों ने विभागीय मंत्री गणेश जोशी को बताया कि गार्डन में आम, लीची और अमरूद की उन्नत प्रजातियां विकसित की जा रही हैं। विशेष रूप से अमरूद की एल-49 प्रजाति के लगभग 3 हजार पौधे तैयार किए गए हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि ओद्यानिकी क्षेत्र में बेहतर कार्यप्रणाली और गुणवत्ता बनाए रखना बेहद आवश्यक है, ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता के पौधे उपलब्ध कराए जा सकें और उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर पौध उत्पादन को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, जिससे क्षेत्र के किसानों को अधिक लाभ मिल सके।

सितारगंज में राजकीय उद्यान का निरीक्षण करते कृषि मंत्री जोशी। ● अमृत विचार

पहाड़ों में बारिश और बर्फबारी ने बढ़ाई ठंड, फसलें प्रभावित

दिनभर बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, निकले गर्म कपड़े, द्वाराहाट के पांडवखोली में गिरी बर्फ, 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ न्यूनतम तापमान

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिले में बेमौसमी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लगातार हो रही बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। आलम यह है लोगों को अप्रैल में भी गर्म कपड़े निकालने पड़ रहे है। वहीं, जिले की सबसे ऊंची पर्वतमाला भरतकोट के साथ ही पांडवखोली की चोटी पर बारिश के साथ सीजन का तीसरा हिमपात हुआ है।

अल्मोड़ा में बीते कुछ दिनों से आसमान में बादलों को जमावड़ा लग रहा था। लेकिन बारिश नहीं हो रही थी। इससे गर्मी के साथ उमस बढ़ रही थी। इधर, बुधवार तड़के जिलेभर में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश के चलते लोग घरों के अंदर दुबकने को मजबूर रहे। लगातार हो रही बारिश से तापमान में भी काफी गिरावट आ गई है। जिस कारण गर्मी के मौसम में भी लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है। दिन भर बारिश का असर बाजार में भी देखने को मिला। बाजार समय से पहले सुनसान हो गई। वहीं, काम काजी लोगों को बारिश के चलते काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी अनुसार अल्मोड़ा का अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

द्वाराहाट के पांडवखोली में बुधवार को गिरते बर्फ के फाहे। ● अमृत विचार

कौसानी में ठंड से बचाव को अलाव सेंकते पर्यटक। ● अमृत विचार

टनकपुर के आमबाग गांव में वर्षा से बर्बाद हुई गेहूं की फसल। ● अमृत विचार

कफड़खान मार्ग पर गिरे पेड़ को काटते फायर सर्विस के कर्मचारी।

अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश: जिले भर में बारिश को देखते हुए डीएम अंशुल सिंह ने अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। बुधवार को उन्होंने जिले के सभी उपजिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद में नामित समस्त आईआरएस अधिकारियों, जनपद स्तरीय अधिकारियों तथा लोक निर्माण विभाग के सभी खंडों के अधिशासी अभियंता अपने-अपने मुख्यालयों पर उपस्थित रहकर अलर्ट मोड में कार्य करें। जेसीबी संचालकों को भी अलर्ट मोड में रखते हुए, अवरुद्ध मोटर मार्गों को तत्काल सुचारू करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की आपदा व आकस्मिक घटना की स्थिति में संबंधित अधिकारी तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

सल्ट में सबसे अधिक 13 एमएम बारिश: नगर व आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को सुबह से ही झमाझम बारिश शुरू हो गई थी। आपदा कंट्रोल से मिली जानकारी के अनुसार अल्मोड़ा 3.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि विकासखड़ चौखुटिया में 05 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं, रानीखेत में 9.3 एमएम, सोमेश्वर में 6.0 एमएम, भिकियासैंण में 12 एमएम, द्वाराहाट में 1.5 एमएम, जागेश्वर में 10 एमएम और सबसे अधिक सल्ट में 13 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई।

पांडवखोली में हुई बर्फबारी: जिले की सबसे ऊंची पर्वतमाला भरतकोट के साथ ही पांडवखोली की चोटी पर बारिश के साथ सीजन का तीसरा हिमपात हुआ है। हालांकि बर्फ टिक नहीं रही है, लेकिन बर्फीली हवा से मौसम बेहद ठंडा हो गया है। वहीं, तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

कौसानी व कपकोट के उंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात

बागेश्वर: पिछले सप्ताह तक गर्मी का अहसास कराने वाले मौसम ने गत रात्रि से करवट बदल दी है। कौसानी व कपकोट के उंचाई वाले हिस्सों में हिमपात होने से जनपद में बर्फीली हवाएं चलती रही। कौसानी व कपकोट के उंचाई वाले हिस्सों में हिमपात हुआ। जनपद में पिछले तीन दिन से रुक-रुककर बरसात हो रही थी। रात्रि से तेज बरसात प्रारंभ हुई जो कि बुधवार सायं तक जारी रही। वहीं कपकोट के उंचाई वाले हिस्सों में व कौसानी के बूढ़ा पिनाथ में भी हिमपात की सूचना है। उंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात होने के कारण ठंड बढ़ गई है। लोगों ने ठंड से बचाव को अलाव गर्म कपड़ों का सहारा लिया।

कफड़खान मार्ग पर पेड़ गिरने से यातायात रहा बाधित

अल्मोड़ा: कफड़खान मुख्य मार्ग पर बुधवार को विशालकाय पेड़ गिरने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। लोगों की सूचना पर अग्निशमन केंद्र अल्मोड़ा की फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंची और टीम ने वुडन कटर की सहायता से पेड़ को काटकर यातायात सुचारू किया।

टनकपुर और बनबसा में गेहूं की फसल को भारी नुकसान

टनकपुर: जनपद चम्पावत जिला में हुई भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हो गया है। वहीं अचानक बढ़ी ठंड ने लोगों को गर्म कपड़े निकालने पर मजबूर कर दिया है। जिले के मैदानी क्षेत्र टनकपुर और बनबसा में बारिश के कारण किसानों की गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों में मायूसी छाई हुई है। बताया जा रहा है कि इस समय टनकपुर और बनबसा क्षेत्र में गेहूं की कटाई और मड़ाई का कार्य चल रहा है। पिछले कई दिनों से खराब मौसम के कारण फसल प्रभावित हो रही थी। मंगलवार रात और बुधवार दिनभर हुई बारिश से खेतों में जलभराव हो गया, जिससे कटी और खड़ी दोनों प्रकार की गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के किसानों और जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से बारिश से हुए नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। दूसरी ओर भारी बारिश के कारण चम्पावत और लोहाघाट समेत मैदानी क्षेत्रों में भी ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। वहीं मां पूर्णागिरि धाम में दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं को भी बारिश के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

ब्रीफ न्यूज

रानीखेत में बारिश मजखाली में गिरे ओले

रानीखेत: यहां बारिश वह तेज हवाओं के चलते ठंड एक बार फिर लौट आई है। बुधवार को पांडवखोली में वर्षा के बाद बर्फबारी भी हुई। बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। गर्मी के मौसम में ठंड का एहसास होने लगा है। नगर से लगे मजखाली में जमकर ओलावृष्टि हुई। वहीं रानीखेत से सामने दिखने वाले पांडवखोली में बारिश के बाद बर्फ की फुहारें पड़ने लगीं। जो देर सांयकाल तक जारी रही। वर्षा और बर्फबारी से पूरे क्षेत्र में एक बार फिर कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लोग गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं। बारिश के चलते बाजारों में भी सन्नाटा छाया रहा।

रानीखेत के 2 खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित

रानीखेत: रानीखेत के नीलेश जोशी और दीपांशु रौतेला को दक्षिण एशियाई जुजित्सु चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय टीम में चयनित किया गया है। प्रतियोगिता 9-12 अप्रैल तक श्रीलंका के डियाना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित होगी। नीलेश जोशी सबसे कम उम्र के खिलाड़ी होंगे और एशियन रैफरी परीक्षा के लिए भी भारतीय दल का हिस्सा हैं, जबकि दीपांशु रौतेला -62 किलोग्राम सीनियर फाइटिंग स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। दोनों खिलाड़ी पूर्व में बैंकाक में विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। चयन पर उन्हें उत्तराखंड खेल मंत्री रेखा आर्या सहित खेल संगठनों ने बधाई दी।

जनसमस्याओं का करें समाधान: रेखा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बुधवार को विस क्षेत्र के मनान का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने देवी मंदिर में आयोजित जन मिलन कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री के समक्ष सड़क निर्माण, राशन कार्ड में नाम जोड़ने और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सहायता दिलाने आदि मांगों को रखा। मंत्री आर्या ने कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करते हुए शेष लंबित मामलों को शीघ्र निस्तारित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता है। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों के लिए विधायक निधि से 13.50 लाख रुपये देने के घोषणा की। यहां मंडल अध्यक्ष सुंदर राणा, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, प्रधान मनोज कुमार, क्षेत्र पंचायत सदस्य संजय राम, मंडल महामंत्री कृष्णा भंडारी, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख गोपाल खोलिया, महेश पांडे, प्रकाश पांडे, दीपक कुमार, अशोक कुमार, पंकज बरेली, दीवान, भूपाल मेहरा, कुंदन गिरी, श्याम सिंह रौतेला, प्रकाश नेगी, हिमांशु कोहली, प्रकाश बिष्ट, नवीन उप्रेती, भागवत राम, रमेश पांडे आदि मौजूद रहे।

सोमेश्वर के मनान में जन मिलन कार्यक्रम संबोधन करतीं कैबिनेट मंत्री आर्या।

नाबालिग बेटी से किया दुष्कर्म, हुआ गिरफ्तार

बागेश्वर: जनपद के कपकोट थाना अंतर्गत एक गांव से रिश्तों को तार-तार करने का मामला सामने आ रहा है। एक गांव निवासी एक व्यक्ति अपनी नाबालिग बेटी को हवस का शिकार बनाता रहा। जिससे बालिका गर्भवती हो गई।

बालिका की मौसी को इसकी जानकारी मिलने पर उसने कपकोट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पोक्सो के तहत मामला दर्ज करके आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेज दिया है। साथ ही बालिका का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

इंजीनियर्स की हड़ताल से निर्माण कार्य हुए ठप

- 27 सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल जारी
- मांगें पूरी नहीं होने तक हड़ताल जारी रखने की दी चेतावनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: 27 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर्स हड़ताल पर डटे हुए है। बुधवार को 17 वें दिन भी इंजीनियर्सों ने धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं, तड़ताल के चलते विभागों में कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। सड़कों और भवनों के निर्माण कार्य भी ठप पड़ गए है।

बुधवार को भी शक्ति सदन में विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर्स ने प्रदर्शन कर विरोध जताया। सरकार पर डिप्लोमा इंजीनियर्स की मांगों को अनसुना करने का आरोप लगाया। कहा कि हड़ताल से विभागों में निर्माण कार्य नहीं हो रहे हैं। 40 के करीब सड़कों के निर्माण व सुधारीकरण के कार्य अटके हुए हैं। सरकारी भवनों का निर्माण भी नहीं हो रहा है। इसके अलावा सिंचाई विभाग, पेयजल निगम, जल संस्थान, लघु डाल आदि विभागों में भी निर्माण कार्य, प्रस्ताव बनाने, सर्वे आदि के कार्य अटके हुए हैं, लेकिन इसके बाद भी सरकार मांगों को पूरा करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। यहां प्रदर्शन करने वालों में रिनी पांडे, हिमांशु जोशी, जीएस मेहरा, ललित बिष्ट, सूरज सिंह रावत, हितांशी नैलवाल, कुंदन बिष्ट, नितीश रावत, मनोज कुमार, नीरू थापा, प्रेमा पाठनी आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में बुधवार को धरने के दौरान नारेबाजी करते डिप्लोमा इंजीनियर्स। ● अमृत विचार

डीएम ने दिए अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश

- सैनिक कल्याण विभाग की कार्यशैली से डीएम नाराज

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: डीएम आकांक्षा कोंडे ने त्रैमासिक बैठक में जिला सैनिक कल्याण विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। विभागीय कार्यों में लापरवाही और बिना तैयारी बैठक में आने पर उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए तथा कार्यशैली में सुधार लाने की चेतावनी दी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि भविष्य में बैठक से पहले सभी संबंधित विभागों के साथ एजेंडा साझा किया जाए और प्रस्तुतिकरण की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद करने तथा प्रकरणों की प्रगति की नियमित जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही प्रत्येक माह आंतरिक बैठक आयोजित कर लंबित मामलों की समीक्षा और फॉलोअप करने को कहा। पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए डीएम ने दफौट-तल्ला डोबा तोक सड़क मार्ग के भूमि विवाद का शीघ्र समाधान करने के निर्देश एसडीएम को दिए। लोनिवि से भी विवाद समाप्त होते ही सड़क का एलाइनमेंट फाइनल करने को कहा गया। साथ ही बागेश्वर स्थित शहीद स्मारक की साफ-सफाई के निर्देश अधिशासी अधिकारी को दिए गए।

पदक विजेता खिलाड़ियों से पुरस्कार को मांगे आवेदन

टनकपुर: खेल निदेशालय देहरादून ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले उत्तराखंड के खिलाड़ियों के लिए नगद पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं।

जिला क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2026 है। खिलाड़ी अपने दस्तावेज खेल निदेशालय में स्वयं या पंजीकृत डाक से जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ खेल संघ की संस्तुति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, प्रशिक्षक का 180 दिन प्रशिक्षण प्रमाण पत्र और नशीले पदार्थों से दूर रहने का शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने सभी पात्र खिलाड़ियों से समय रहते आवेदन करने का आग्रह किया।

फर्जी मुहर से डीजल भरवाने वाला पकड़ा

- तहसील भनोली में न्यायिक लिपिक पद पर तैनात था आरोपी
- पुलिस ने दो साल बाद पिथौरागढ़ से दबोचा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: फर्जी मुहर से फर्जी निजी वाहन में डीजल भरवाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी न्यायिक लिपिक को दो साल बाद पिथौरागढ़ से दबोचा।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार वर्ष 2020 में नायब तहसीलदार दीवान सिंह सलाल ने कोतवाली अल्मोड़ा में एक तहरीर सौंपी थी। तहरीर में कहा कि कौशिक बनौला, निवासी बानठोक, भनोली धौलछीना निवासी तहसील भनोली में न्यायिक लिपिक पद पर कार्यरत था। बताया कि आरोपी ने भनोली तहसीलदार के पदनाम की राजकीय मोहर का दुरुप्रयोग किया। दन्या के एक पैट्रोल पंप में फर्जी मांग पत्र देकर निजी वाहन में 1041 रुपये का डीजल भरा लिया। मामला सामने आया तो तहसीलदार भनोली ने जांच कर आख्या भेजी। रिपोर्ट के आधार पर दन्या पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। आरोपी बीते दो वर्ष से फरार चल रहा था। इधर, एसओ दन्या दिनेश नाथ महंत ने टीम के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। टीम में एसओजी प्रभारी सुनील धानिक, जगत सिंह, राकेश भट्ट, राजेश भट्ट भी शामिल थे।

दन्या पुलिस की गिरफ्त में धोखाधड़ी का आरोपी।

नगर पंचायत पाटी निर्वाचन के लिए अधिकारियों की नियुक्ति

- एसडीएम नीतू डांगर अध्यक्ष पद के लिए आरओ नियुक्त

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखण्ड के दिशा-निर्देशों के तहत जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार ने नगर पंचायत पाटी के सामान्य निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक अधिकारियों की नियुक्ति की।

उप जिलाधिकारी नीतू डांगर को अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन अधिकारी (आरओ) नियुक्त किया गया है, जबकि सदस्य पद के निर्वाचन के लिए कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. नारायण सिंह को आरओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रशासनिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करने हेतु सहायक निर्वाचन अधिकारियों (एआरओ) की भी तैनाती की गई, जिसमें खंड विकास अधिकारी मोनिका पाल को अध्यक्ष पद के लिए और उप शिक्षा अधिकारी पाटी संजय कुमार भट्ट को सदस्य पद के लिए नामित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी नियुक्त अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार समयबद्ध, सुचारू और पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

कार्यक्रम

अमोड़ी महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

स्वरोजगार और स्टार्टअप की संभावनाओं से कराया अवगत

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अजिता दीक्षित, देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक जयेंद्र विक्रम शर्मा तथा अन्य प्राध्यापकों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान छात्राओं ने स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अजिता दीक्षित ने विद्यार्थियों को उद्यमिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल के आधार पर युवा स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आगामी बूट कैंप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) तथा मेगा स्टार्टअप समिट की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में पूर्व में आयोजित उद्यमिता गतिविधियों और उनकी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

मुख्य वक्ता भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के प्रोजेक्ट ऑफिसर जयेंद्र विक्रम शर्मा ने विद्यार्थियों को उद्यमिता की अवधारणा, नवाचार और स्टार्टअप इकोसिस्टम की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समस्याओं की पहचान, नए विचारों का सृजन, अवसरों के मूल्यांकन और व्यवसायिक विचारों को बाजार तक पहुँचाने की प्रक्रिया समझाई। साथ ही स्टार्टअप और पारंपरिक व्यवसाय के बीच अंतर तथा पूंजी जुटाने के विभिन्न स्रोतों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रशिक्षण, मेंटरशिप, हैंड-होल्डिंग और वित्तीय सहायता से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर छात्रा किरन नेगी ने हस्तनिर्मित ऐपण कला का आकर्षक प्रदर्शन किया, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. अर्चना वर्मा ने किया। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में ऐपण कला का किया गया प्रदर्शन। ● अमृत विचार

नियमों का उल्लंघन कर रहे निजी स्कूल

- एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने लगाया आरोप, डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: निजी स्कूलों की मनमानी को लेकर एबीवीपी ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने डीएम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। निजी स्कूलों पर मनमानी और नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

ज्ञापन में कहा कि जिले के कई निजी स्कूल शिक्षा के अधिकार व राज्य सरकार की ओर से निर्धारित नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के फीस में निरंतर बढ़ोत्तरी की जा रही है। यहां तक की ड्रेस, कॉपी और किताबें भी स्कूल से ही खरीदने पर बाध्य किया जा रहा है। इसका बोझ अभिभावकों पर पड़ रहा है। ब्लॉक स्तर पर शिकायत करने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कहा कि कई स्कूल तो ऐसे हैं जो बिना वैध मान्यता के ही संचालित हो रहे हैं। मान्यता के अनुरूप आवश्यक मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा है। स्कूल एनसीआरटी की जगह अन्य निजी पुस्तकों का प्रयोग कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने मामले में कार्रवाई की मांग उठाई। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में एसएसजे विवि महासंघ सचिव निखिल कपकोटी, पूर्व महासंघ अध्यक्ष वरुण कपकोटी, राहुल कनवाल, रोहित कुमल्टा, मनीष राय, करण बिष्ट, दीपक लोहनी, जया, लक्ष्मी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में बुधवार को डीएम को ज्ञापन सौंपते एबीवीपी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार

गुरुवार, 9 अप्रैल 2026

आत्मा की हत्या करके अगर स्वर्ग भी मिले, तो वह नरक है।
-मुंशी प्रेमचंद, हिंदी साहित्यकार

बहूद्देशीय विकास का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश की हालिया कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय और प्रशासनिक घोषणाएं राज्य के बहूद्देशीय विकास, सामाजिक संतुलन और राजनीतिक प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत हैं। इन फैसलों में एक साथ विरासत संरक्षण, बुनियादी ढांचे का विस्तार, शिक्षा-सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के तत्व दिखाई देते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के ये निर्णय एक व्यापक और बहुआयामी विकास दृष्टि को दर्शाते हैं, जहां विरासत, विकास और कल्याण को साथ लेकर चलने का प्रयास किया गया है, परंतु इनके प्रभाव का मूल्यांकन संतुलित दृष्टि से आवश्यक है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित महापुरुषों की प्रतिमाओं के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए 403 करोड़ रुपये की योजना, हर विधानसभा में 10 स्मारकों का विकास सांस्कृतिक सम्मान और सामाजिक प्रतीकों को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और जन-जागरूकता भी बढ़ेगी, हालांकि विचारणीय है कि क्या इस प्रकार के प्रतीकात्मक निवेश के समानांतर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन जैसे मूलभूत क्षेत्रों में समान गति से निवेश हो रहा है। शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि 1.7 लाख कर्मियों के लिए राहतकारी है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और शिक्षा व्यवस्था को स्थायित्व मिल सकता है, हालांकि ध्यान रखना होगा कि इससे राज्य पर 1400 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। ऐसे में दीर्घकालिक वित्तीय संतुलन बनाए रखना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। युवाओं के लिए 25 लाख टैबलेट वितरण की योजना डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वाकांक्षी कदम है। इससे शिक्षा और कौशल विकास को गति मिल सकती है, विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, लेकिन यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इन उपकरणों का वास्तविक उपयोग शिक्षा और रोजगार उन्मुख गतिविधियों में हो, न कि केवल वितरण तक ही योजना सीमित रह जाए। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में 52 जनपदों में आधुनिक बस अड्डों का निर्माण और पुल परियोजनाएं राज्य की आर्थिक गतिविधियों को गति देने में सहायक हो सकती हैं। पीपीपी मॉडल के माध्यम से 4000 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित निवेश से परिवहन सुविधाओं में सुधार और रोजगार सृजन की उम्मीद है। साथ ही, गोरखपुर में वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय और ग्रेटर नोएडा में नए निजी विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार का संकेत देती है।

सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से शरणार्थी परिवारों को भूमि स्वामित्व अधिकार देना एक ऐतिहासिक निर्णय कहा जा सकता है, जो दशकों पुराने असुरक्षा भाव को समाप्त करता है। इसी तरह बांग्लादेश से आए विस्थापितों के पुनर्वास के लिए रियायती लीज का प्रावधान भी सरकार की अंत्योदय नीति को दर्शाता है। इन सभी योजनाओं के बीच एक बड़ा प्रश्न वित्तीय अनुशासन और प्राथमिकताओं का भी है। जब एक ओर बड़े पैमाने पर व्यय बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर राजस्व संसाधनों को मजबूत करने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी समान ध्यान आवश्यक है। केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके धरातल पर परिणाम ही सफलता का वास्तविक पैमाना होंगे।

प्रसंगवश

इजरायल और ईरान युद्ध से पैदा हुए पर्यावरणीय संकट

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध ने बड़ी तेजी से दुनिया के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में ले लिया था। खाड़ी क्षेत्र का यह सैन्य संघर्ष राजनीतिक सामाजिक और रक्षा से जुड़ी चिताओं से कहीं अधिक वैश्विक ऊर्जा, समुद्री चिंताओं, जल संकट और पर्यावरणीय प्रभावों का मामला बन चुका है। यह जंग आने वाले समय में पर्यावरणीय संकट के खतरे को काफी हद तक बढ़ा देगा।

हवाई हमलों ने रिफाइनरियों और तेल कुओं को निशाना बनाया, तो वहां जमा लाखों बैरल कच्चा तेल और ईंधन अनियंत्रित तरीके से जलने लगा। इस अपूर्ण दहन से निकलने वाली कालिख और जहरीली गैस वायुमंडल की ऊपरी परतों में जमा हो गईं। जब यह प्रदूषक बादल के कणों के साथ मिलते हैं, तो बारिश की बूंदे गहरे काले या भूरे रंग की हो जाती हैं, जिसे वैज्ञानिकों ने काली बारिश की संज्ञा दी है, इससे निकलने वाला विषाक्त रसायन न केवल मानव जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी एक गंभीर संकट पैदा कर रहा है।

रवींद्र त्रिपाठी
शिक्षक

इसको लेकर के विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी की है। संगठन ने लोगों को आगाह किया है कि लोग बारिश के संपर्क में आने से बचें, यदि संभव हो तो घर के अंदर ही रहें। घर से बाहर निकलते समय उच्च गुणवत्ता युक्त वाले एन 95 मास्क का उपयोग करें। सतही जल या खुले जलाशयों के पानी को इस्तेमाल न करें।

युद्ध से जो सबसे गंभीर पर्यावरण संकट है, वह है वायु प्रदूषण। दहकती हुई तेल रिफाइनरियों से घातक रसायनों का उत्सर्जन निरंतर वायुमंडल में फैल रहा है। इससे वायुमंडल पर कालिख की एक परत जमा हो गई है। पहले घातक रसायन पाली साइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन है। यह कच्चे तेल के जलने से उत्पन्न होने वाला सबसे खतरनाक रसायन है। यह सीधे डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है और कैंसर का मुख्य कारक है। दूसरा घातक रसायन पार्टिकुलेट मैटर है। इसके सूक्ष्मकण फेफड़े में गहराई तक जाकर रक्त में मिल जाते हैं, जिससे हृदय रोग एवं अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है। तीसरा घातक रसायन भारी धातुएं हैं। कच्चे तेल में प्राकृतिक रूप से निकिल और बेनेडियम जैसी धातुएं होती हैं। जलने के बाद यह वर्षा के जल माध्यम से जमीन पर आती हैं और खाद्य श्रृंखला को जहरीला बना देती हैं। चौथा रसायन सल्फर और नाइट्रोजन के ऑक्साइड है। ये रसायन वर्षा के पानी के साथ मिलकर सल्फ्यूरिक और नाइट्रिक अम्ल बनाते हैं। यह न केवल इमारत एवं बुनियादी ढांचे को नष्ट करते हैं, बल्कि त्वचा पर भी रासायनिक जलन पैदा करते हैं। बेंजीन और टाल्यूईन तंत्रिका तंत्र पर बुरा असर डालते हैं।

जहाज पर हमले से समुद्र तल पर तेल रिसाव हो गया है। मिसाइल हमले से केमिकल लीकेज होने के कारण जल प्रदूषण का खतरा पैदा हो गया है। तेल डिपो पर हमले से समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र व पीने के पानी के स्रोत प्रदूषित हो गए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज के क्षतिग्रस्त होने से तेल समुद्र तल पर फैला हुआ है। इस हमले से पूरा समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दरअसल पारिस्थितिक तंत्र से तात्पर्य समुद्री जल की अपनी व्यवस्था से है। समुद्र में सभी तत्व एक निश्चित मात्रा एवं अनुपात में रहते हैं, जिससे समुद्री जीव-जंतु उसमें भली-भांति फूलते-फलते है। इस युद्ध से समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव हो जाएगा, जिससे बहुत से जीव-जंतुओं की मौत हो सकती है या उनमें बीमारियां फैल सकती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

पांच राज्यों का रण और सत्ता के समीकरण

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

> केरल से लेकर असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुदुचेरी तक सियासी हलचल चरम पर है। रैलियों की गूंज, वादों की बरसात और आरोप-प्रत्यारोप के तीखे तीरों के बीच लोकतंत्र का यह उत्सव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की आहट ने देश की राजनीति को उबाल पर ला दिया है। केरल से लेकर असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी तक सियासी हलचल अपने चरम पर है। रैलियों की गूंज, वादों की बरसात और आरोप-प्रत्यारोप के तीखे तीरों के बीच लोकतंत्र का यह उत्सव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। हर राजनीतिक दल अपने-अपने एजेंडे, घोषणापत्र और रणनीति के साथ मैदान में है और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस बार का चुनाव केवल सरकार बनाने का साधन नहीं, बल्कि बीते पांच वर्षों के कामकाज का जनमत संग्रह और आने वाले राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण है।

पांच राज्यों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक रणक्षेत्र है, जो राष्ट्रीय राजनीति की धुरी को प्रभावित कर सकता है। चुनाव कार्यक्रम भी बेहद दिलचस्प है, असम, केरल और पुदुचेरी में नौ अप्रैल को मतदान होगा, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को और पश्चिम बंगाल में दो चरणों (23 और 29 अप्रैल) में वोट डाले जाएंगे। नतीजे चार मई को घोषित होंगे और उसी दिन यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसके पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया।

इस बार का चुनावी परिदृश्य कई स्तरों पर जटिल और बहुआयामी है। सत्ताधारी दल जहां अपने विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और 'डबल इंजन' जैसे नारों के सहारे जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक असमानता और प्रशासनिक खामियों को मुद्दा बनाकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। यह संघर्ष अब केवल सत्ता का नहीं रहा, बल्कि विचारधारा, नीतियों और विकास के मॉडलों की प्रतिस्पर्धा में बदल चुका है।

सबसे अधिक चर्चा का केंद्र बना हुआ है पश्चिम बंगाल, जहां राजनीतिक तापमान सबसे ज्यादा है। 294 सीटों वाली विधानसभा में मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। पिछले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने प्रचंड बहुमत हासिल कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा था, जबकि भाजपा ने मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस बार मुकाबला और अधिक तीखा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस अपने 'बंगाल मॉडल', महिला सशक्तिकरण योजनाओं और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों के साथ मैदान में है, वहीं भाजपा 'डबल इंजन' सरकार के वादे और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता दे रही है। रोजगार, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दे भी चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यहां मुकाबला बेहद कांटे का होगा, एक तरफ ममता बनर्जी की राजनीतिक विरासत दांव पर है, तो दूसरी ओर भाजपा के लिए यह पूर्वी भारत में विस्तार का सुनहरा अवसर है।

असम का चुनाव भी कम दिलचस्प नहीं है। 126 सीटों वाली विधानसभा में मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यहां मुख्य सवाल यही है कि क्या भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर पाएगी या कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वापसी का रास्ता तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा विकास, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा के मुद्दों को लेकर जनता के बीच है। वहीं विपक्ष सीएए-एनआरसी, बेरोजगारी और क्षेत्रीय पहचान जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की सक्रियता ने इस चुनाव को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। असम में परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पूर्वोत्तर भारत में शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेंगे।

दक्षिण भारत में तमिलनाडु और केरल की राजनीति अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का प्रभाव इतना गहरा है कि राष्ट्रीय दलों की भूमिका सीमित हो जाती है। 234 सीटों वाली विधानसभा में 5.67 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। पिछले चुनाव में डीएमके गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपने 'द्रविड़ मॉडल', सामाजिक न्याय और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर मैदान में है। वहीं एआईएडीएमके गठबंधन महंगाई, बिजली संकट और स्थानीय मुद्दों को लेकर सरकार पर हमला बोल रहा है। इसके अलावा अभिनेता विजय की पार्टी का चुनावी मैदान में उतरना एक नया समीकरण बना सकता है, खासकर युवा मतदाताओं के बीच।

केरल में 140 सीटों के लिए 2.7 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। यहां का चुनाव पारंपरिक रूप से सत्ता परिवर्तन के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन पिछले चुनाव में वाम मोर्चे ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया था। इस बार यदि वह तीसरी बार सत्ता में आता है, तो यह एक नया राजनीतिक अध्याय होगा। वाम मोर्चा अपने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के मॉडल को प्रमुखता दे रहा है, जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर हमलावर है।

पुदुचेरी भले ही छोटा केंद्र शासित प्रदेश हो, लेकिन यहां की राजनीति बेहद संवेदनशील और निर्णायक है। 30 सीटों वाली विधानसभा में 9.44 लाख मतदाता मतदान करेंगे। यहां गठबंधन राजनीति का महत्व सबसे अधिक है, जहां छोटे-छोटे वोट अंतर भी सत्ता की दिशा तय कर सकते हैं। पिछले चुनाव में एनडीए गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस और क्षेत्रीय दल सत्ता वापसी के लिए संघर्षरत हैं। यह सभू चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा है। चार मई को जब परिणाम सामने आएंगे, तभी यह स्पष्ट होगा कि किसने जनता की अपेक्षाओं को समझा और किसे आत्ममंथन की आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

चाहे आप कितनी भी बधाई देने वाली पोस्ट डाल दें, कितनी भी स्टोरी शेयर कर लें। कितने भी इंटरव्यू में कह दें कि 'मेरी पसंदीदा फिल्म', लेकिन सच तो यही है कि धुरंधर से सबको जलन होती है। बम फिल्म में फूटे लियारी में, लेकिन धुआं उड़ रहा है बांद्रा से जुहू में।

-जाकिर खान
स्टैंडअप कॉमेडियन

फिल्म इंडस्ट्री अच्छे काम की सराहना करती है और 'धुरंधर' को भी भरपूर प्रशंसा मिली है। शाहरुख खान, सलमान खान, ऋतिक रोशन और अजय देवगन जैसे सितारों ने सालों से इंडस्ट्री को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

-अमीषा पटेल
अभिनेत्री

देव भूमि में रहेगी धार्मिक उत्सवों की बहार

अमित शर्मा
हल्द्वानी

> उत्तराखंड में इस पूरे साल और 2027 के पहले हिस्से में धार्मिक आयोजनों की बयार बहेगी, तो सियासत के क्षेत्र में बयानवीरों के बीच खूब तीर भी चलेंगे।

हर साल बड़ी से बड़ी चुनौती से निपटना उत्तराखंड राज्य की परंपरा बन चुकी है, लेकिन देवों की इस भूमि के लिए आने वाले डेढ़ साल धार्मिक से लेकर सियासी तौर पर ट्रिपल चुनौती का सामना करने वाले होने जा रहे हैं। इस पूरे साल और साल 2027 के पहले हिस्से में, जहां राज्य में धार्मिक आयोजनों की बयार बहेगी, तो सियासत के क्षेत्र में बयानवीरों के बीच खूब तीर चलेंगे। इन तीनों बडे आयोजनों में सबसे पहला धार्मिक आयोजन उत्तराखंड चारधाम यात्रा 2026 है। 19 अप्रैल 2026 (अक्षय तृतीया) को यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही उत्तराखंड चारधाम यात्रा 2026 का शुभारंभ होगा, जबकि केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को सुबह 8:00 बजे और बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को प्रातः 6:15 बजे खुलने जा रहे हैं।

इसके साथ ही सिखों के पवित्र तीर्थस्थल गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई 2026 की सुबह 10:30 बजे तीर्थयात्रियों के लिए खोल दिए जाएंगे। चारधाम यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती मौसम की मेहरबानी पर निर्भर करती है। यानी जितना मौसम आसान होगा, उतनी ही चारधाम यात्रा सुखद होगी, हालांकि पूर्व के अनुभव काफी कड़वे रहे हैं और प्रदेश का पुलिस-प्रशासन व आपदा प्रबंधन विभाग किसी भी आपदा या मौसमी आफत से निपटने के लिए पूरी तरह से कमर कस रहा है।

उत्तराखंड में आपदा का समय आम तौर पर जून माह से सितंबर माह तक का माना जाता है, चूंकि इस समय मानसून का मौसम होता है और बारिश के साथ ही आंधी-तूफान की संभावनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। इस दौरान सबसे ज्यादा चिंता बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की रहती है। यहां पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन की संभावनाएं ज्यादा रहती हैं, तो नदियों में जल स्तर बढ़ने से बाढ़ आने से नदी-नालों के आसपास की आबादी के लिए बड़ा संकट खड़ा हो जाता है। इसके अलावा उच्च और मध्यम पर्वतीय क्षेत्रों में इस मौसम में बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल का नुकसान करने के कारण सबसे ज्यादा दुख देती हैं।

दूसरा आयोजन राजनीति से जुड़ा है और साल 2027 में उत्तराखंड विधानसभा चुनाव होने हैं। उत्तराखंड की वर्तमान (पांचवीं) विधानसभा का कार्यकाल 28 मार्च 2027 को समाप्त होने जा रहा है। राज्य में पिछली बार विधानसभा चुनाव मार्च 2022 में हुए थे और उम्मीद यही जताई जा रही है कि पांच साल का कार्यकाल पूरा होने पर ही नया चुनाव कराया जाएगा। उत्तराखंड विधानसभा के 14 फरवरी 2022 को हुए चुनाव में 10 मार्च 2022 को परिणाम घोषित किए गए थे। उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद यह पहली बार था कि जब मौजूदा सरकार दोबारा निर्वाचित हुई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। पुष्कर सिंह धामी ने 23 मार्च 2022 को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी बार शपथ ली थी।

इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आधिकारिक रूप से विपक्ष की भूमिका निभा रहा है और विधानसभा में विपक्ष का नेतृत्व नेता प्रतिपक्ष के रूप में यशपाल आर्य कर रहे हैं। इस बार विधानसभा चुनाव भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए ही काफी चुनौतीपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। भाजपा का लक्ष्य जहां उत्तराखंड में जीत की हैट्रिक लगाना है, तो कांग्रेस के लिए फिर से राज्य की सत्ता पाना है। जमीनी स्तर पर भाजपा हमेशा से चुनाव के लिए तैयार रहती है, तो कांग्रेस के आला नेताओं ने उत्तराखंड में पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा करनी शुरू कर दी है। वहीं, कांग्रेस में जहां अभी से ही रूठने-मनाने का दौर शुरू हो गया है तो भाजपा में विरोधियों को अंत तक साधे रखना बड़ी चुनौती होगी।

तीसरा विराट आयोजन हरिद्वार कुंभ 2027 होगा। 14 जनवरी 2027 (मकर संक्रांति) से शुरू होकर अप्रैल 2027 तक चलने वाले इस हरिद्वार कुंभ में 14 जनवरी से 20 अप्रैल 2027 तक विभिन्न प्रमुख स्नान होंगे। पहला शाही स्नान मकर संक्रांति पर 14 जनवरी को होगा और इस बार यह आयोजन पूर्ण कुंभ की तरह ही बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा।

अब सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कि धार्मिक आयोजन तो अपनी तिथियों पर ही होंगे और इसमें किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है, लेकिन जहां तक विधानसभा चुनाव का सवाल है तो यह भी माना जा रहा है कि हरिद्वार कुंभ को देखते हुए विधानसभा चुनाव इसी साल अक्टूबर या नवंबर में ही कराए जा सकते हैं, हालांकि राज्य में विधानसभा चुनाव की निर्धारित तिथि फरवरी 2027 है।

यह साल उत्तराखंड के लिए सियासी तौर पर जहां काफी उथल-पुथल भरा होगा, तो धार्मिक रूप से भी सरकारी मशीनरी के लिए हर स्तर पर बड़ी चुनौती होगी। चारधाम यात्रा के कुशल प्रबंधन के साथ मौसमी आपदाओं से निपटना और हरिद्वार कुंभ में श्रद्धालुओं के सैलाब का नियंत्रित करना, उससे भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण होगा।

सोशल फोरम

कला-विज्ञान में बंटा ज्ञान

मनुष्य ने ज्ञान को अक्सर दो अलग खेमों में बांट दिया है- एक तरफ गणित और विज्ञान, दूसरी तरफ साहित्य और कला। पहली दुनिया को तर्क और कठोरता का क्षेत्र माना जाता है, जबकि दूसरी को कल्पना और संवेदना का, लेकिन यह विभाजन बहुत नया, मनगढ़ंत और अतार्किक है। लंबे समय तक गणित और साहित्य एक ही बौद्धिक संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। दोनों का मूल उद्देश्य एक ही थाः संसार में छिपे पैटर्न को पहचानना। कोई गणितज्ञ किसी प्रमेय को सिद्ध करता है, तब वह वस्तुतः यह दिखा रहा होता है कि किसी जटिल व्यवस्था के भीतर एक छिपी हुई संरचना मौजूद है। इसी तरह जब कोई लेखक कहानी लिखता है, तब वह भी जीवन के भीतर मौजूद संबंधों और संरचनाओं को उजागर कर रहा होता है। अंतर केवल इतना है कि गणित प्रतीकों और संख्याओं की भाषा में बोलता है, जबकि साहित्य शब्दों और रूपकों की भाषा में।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

गणित और साहित्य दोनों ही संभावना के साथ काम करते हैं। गणित संभावित संरचनाओं की दुनिया बनाता है, जबकि साहित्य संभावित अनुभवों की। फ्रांसीसी लेखक रेमंड क्यूनो की प्रसिद्ध पुस्तक Cent Mille Milliards de Pomes में केवल दस सॉनेट लिखे गए थे, लेकिन उन्हें इस तरह व्यवस्थित किया गया कि उनकी पंक्तियों को बदल-बदल कर अरबों अलग-अलग कविताएं बनाई जा सकती थीं। इसका अर्थ यह हुआ कि पुस्तक में लिखी हुई कविताएं कम थीं, लेकिन संभावित कविताएं लगभग अनंत थीं।

यह विचार हमें सीधे इस प्रश्न की ओर ले जाता है कि क्या वे सभी कविताएं वास्तव में मौजूद हैं, या वे केवल संभावना के रूप में हैं? यही प्रश्न तो गणित में भी उठता है। गणित में अनंत संभावनाओं की दुनिया होती है, लेकिन उनमें से कुछ ही हमारे अनुभव में आती हैं।

यही कारण है कि कई महान लेखकों ने गणितीय विचारों को अपनी रचनाओं में शामिल किया। लुईस कैरोल, जो Alice in Wonderland के लेखक थे, पेशे से गणितज्ञ भी थे। उनकी कहानियों में तर्क, विरोधाभास और संरचनात्मक खेल भरे पड़े हैं। उनकी रचनाओं को पढ़ते हुए ऐसा लगता है, जैसे कोई गणितीय पहेली धीरे-धीरे कथा का रूप ले रही हो। इसी तरह अर्जेंटीना के लेखक जॉर्ज लुईस बोर्खेस ने भी अपनी कहानियों में गणितीय और दार्शनिक विचारों का प्रयोग किया। उनकी प्रसिद्ध कहानी The Library of Babel में ऐसी लाइब्रेरी की कल्पना की गई है, जिसमें सभी संभावित पुस्तकें मौजूद हैं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

दूरदराज गांव में मोबाइल कनेक्टिविटी बड़ी चुनौती

भले ही आज भारत फ़ास्ट नेटवर्क उपलब्ध कराने वाले दुनिया के गिने चुने देशों में शामिल है, लेकिन देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां लोगों को मामूली नेटवर्क तक उपलब्ध नहीं हो पाता। उन्हें इंटरनेट स्पीड मिलना तो दूर की बात है, अपनों से फोन पर भी बात करने के लिए गांव से कई किमी दूर चलकर नेटवर्क एरिया में आना पड़ता है। मोबाइल कनेक्टिविटी की कमी का असर सिर्फ संचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है। आज के समय में जब अधिकतर सरकारी सेवाएं ऑनलाइन हो गई हैं, तब नेटवर्क न होना लोगों को उनके अधिकारों से भी दूर कर देता है।

इस समस्या का सबसे ज्यादा असर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाली गांव की लड़कियों पर पड़ता है, जो लड़के इन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, वे मजबूरी में शहरों के हॉस्टल का रुख करते हैं, क्योंकि वहां इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध होती है, लेकिन गांव की लड़कियों के लिए यह विकल्प आसान नहीं होता है। सामाजिक और आर्थिक कारणों से वे गांव में ही रहकर पढ़ाई करने पर मजबूर हैं। ऐसे में मोबाइल कनेक्टिविटी की कमी उनके लिए एक बड़ी बाधा बन जाती है। वे ऑनलाइन क्लास, करंट अफेयर्स, फॉर्म भरने जैसी जरूरी चीजों से वंचित रह जाती हैं, जिससे वे प्रतियोगिता में पीछे रह जाती हैं।

कुमारी किरण
एक्टिविस्ट

सरकार ने इस दिशा में कई प्रयास किए हैं। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। 'भारतनेट परियोजना' के माध्यम से गांव-गांव तक ब्रॉडबैंड कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत देश के लगभग 2.5 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ने का लक्ष्य है, जिसमें उत्तराखंड की हजारों ग्राम पंचायतें भी शामिल हैं। इसके अलावा, यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के तहत दूरदराज क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर लगाने के लिए वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसकी स्थापना का उद्देश्य गांव और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को किफायती और उचित कीमतों पर गैर-भेदभावपूर्ण तरीके से दूरसंचार सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना है, जिससे ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन को पाटा जा सके। दूसरी तरफ, देश की निजी टेलीकॉम कंपनियां भी इस दिशा में काम कर रही हैं।

इस समस्या का समाधान केवल सरकार या कंपनियों के प्रयासों से नहीं होगा, बल्कि इसके लिए समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लगाए गए टॉवर समय पर चालू हों और उनकी निगरानी की जाए। साथ ही, सोलर पॉवर जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके बिजली की समस्या को भी दूर किया जा सकता है। निजी कंपनियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत कम लाभ वाले क्षेत्रों में निवेश करना चाहिए।

हकीकत यह है कि मोबाइल कनेक्टिविटी आज के समय की एक बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है, खासकर उन क्षेत्रों के लिए जो भौगोलिक रूप से अलग-थलग हैं। अगर सरकार, कंपनियां और समाज मिलकर प्रयास करें, तो वह दिन दूर नहीं जब दूर-दराज के क्षेत्रों में भी मोबाइल की घंटियां गूंजेंगी और हर व्यक्ति अपनों से जुड़ा हुआ महसूस करेगा। वास्तव में, अगर देश को विकसित बनाना है, तो हमें विकास के सभी पहलुओं और दूर दराज़ के गांवों को साथ लेकर चलना होगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

वर्ड स्मिथ

ऐसे बना पुलिस शब्द

"पुलिस" शब्द सिर्फ एक संस्था का नाम नहीं, बल्कि इतिहास, भाषा और समाज के विकास की एक रोचक यात्रा है। आज हम जिस पुलिस व्यवस्था को जानते हैं, उसकी जड़ें हजारों साल पुरानी सभ्यताओं और बदलती प्रशासनिक प्रणालियों में छिपी हैं।

शब्द "पुलिस" की उत्पत्ति लैटिन भाषा के "politia" से मानी जाती है, जिसका अर्थ है राज्य का प्रशासन या राजनीतिक व्यवस्था। यह शब्द आगे ग्रीक शब्द "polits" से जुड़ा है, जो नागरिक या शहर के सदस्य को दर्शाता है। समय के साथ यह फ्रांसीसी भाषा में "police" बना और फिर अंग्रेजी सहित दुनिया की कई भाषाओं में प्रचलित हो गया। प्राचीन काल में भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यवस्थाएं मौजूद थीं। प्राचीन मिस्र, मेसोपोटामिया और यूनान जैसी सभ्यताओं में सुरक्षा और व्यवस्था के लिए संगठित प्रयास किए जाते थे। हालांकि उस समय यह जिम्मेदारी शासकों की सेना या स्थानीय प्रशासन पर ही निर्भर थी।

मध्यकाल में जैसे-जैसे शहरों का विस्तार हुआ, इंग्लैंड में "watchmen" और "constables" जैसे प्रारंभिक पुलिस तंत्र विकसित हुए। वहीं लुई XIV के शासनकाल में फ्रांस में औपचारिक पुलिस व्यवस्था स्थापित की गई, जिसने आधुनिक पुलिस की नींव रखी। आधुनिक पुलिस व्यवस्था का वास्तविक स्वरूप 19 वीं शताब्दी में सामने आया, जब 1829 में लंदन मेट्रोपोलिटन पुलिस की स्थापना हुई। औद्योगिक क्रांति और बढ़ते शहरीकरण के बीच यह कदम बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ। आज की संगठित और पेशेवर पुलिस व्यवस्था काफी हद तक इसी मॉडल से प्रेरित मानी जाती है।

नोटिस बोर्ड

बीएड प्रवेश परीक्षा की आवेदन तिथि बढ़ी

- झांसी स्थित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के संयोजन में आयोजित राज्य बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब अभ्यर्थी 30 अप्रैल तक बिना विलंब शुल्क के आवेदन कर सकते हैं। शासन की मंजूरी के बाद यह फैसला लिया गया है। वहीं, इच्छुक उम्मीदवार 5 मई तक विलंब शुल्क के साथ भी आवेदन जमा कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अधिक से अधिक अभ्यर्थियों से समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है।

रोजगार मेले का आयोजन

- सुल्तानपुर के पयागीपुर स्थित जिला सेवायोजन कार्यालय (मॉडल करियर सेंटर) द्वारा 10 अप्रैल 2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में टाटा मोटर्स सहित निजी क्षेत्र की कंपनियां भाग लेंगी, जहां 400 से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। अभ्यर्थियों के लिए हाईस्कूल, इंटरमीडिएट व आईटीआई योग्यता अनिवार्य है तथा आयु 18 से 27 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित उम्मीदवारों को आकर्षक वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ मेले में शामिल हो सकते हैं।

शोध, साख और सौदेबाजी

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

"20,000 रुपये में सात दिन में 'इंडेक्स्ड पेपर'"- यह अब किसी छिपे हुए नेटवर्क की नहीं, खुले बाजार की भाषा है। ईमेल, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम पर ऐसे प्रस्ताव आम हैं : तय शुल्क दीजिए, शोधपत्र तैयार, प्लेजरिज्म रिपोर्ट संलग्न और प्रकाशन सुनिश्चित। शोध अब सेवा बन चुका है। समस्या यह नहीं कि यह सब हो रहा है, समस्या यह है कि इसे अब असामान्य नहीं माना जाता। यहीं से संकट की असली शुरुआत होती है- सामान्यीकरण का संकट। जब अनैतिकता अपवाद नहीं रह जाती, बल्कि व्यवहार का स्वीकृत हिस्सा बन जाती है, तो वह धीरे-धीरे संरचना में बदल जाती है। शोध के साथ आज यही हो रहा है। यह कुछ व्यक्तियों की चूक नहीं, बल्कि उस पूरे अकादमिक तंत्र का परिणाम है, जहां साधन और साध्य के बीच की रेखा मिटने लगी है।

संरचना का क्षरण

भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार अभूतपूर्व रहा है। विश्वविद्यालय, सीटें और शोधार्थी, सभी की संख्या बढ़ी है। पर इसी विस्तार के भीतर शोध का चरित्र भी बदल रहा है। अब दबाव केवल शोधार्थी पर नहीं, संस्थानों पर भी है। रैंकिंग, ग्रांट, स्थायीकरण और प्रतिष्ठा सब कुछ प्रकाशनों की संख्या से बंध गया है। परिणाम यह कि "कितना" अक्सर "क्या" को विस्थापित कर देता है। जब मूल्यांकन संख्या से होगा, तो व्यवहार भी संख्या के अनुसार ढलेगा। पारदर्शिता के लिए लाई गई व्यवस्थाएं, जैसे एपीआई, धीरे-धीरे मेट्रिक्स के ऐसे ढांचे में बदल गईं, जहां गणना ने गुण पर अधिकार जमा लिया। शोधपत्र ज्ञान-सृजन का माध्यम कम, मूल्यांकन की मुद्रा अधिक बन गए। यही मुद्रा नियुक्ति, पदोन्नति और वेतन-वृद्धि से जुड़कर शोध को बाध्यता में बदल देती है। जब शोध बाध्यता बनता है, तो जिज्ञासा पीछे हटती है, जो प्रक्रिया प्रश्नों से शुरू होकर अनिश्चितताओं से गुजरती है, वह लक्ष्य-पूर्ति का औपचारिक अभ्यास बन जाती है। ऐसे में शॉर्टकट अपवाद नहीं, अनिवार्य परिणाम होते हैं। संख्या बढ़ती है, पर अर्थ सिकुड़ता जाता है। इस दबाव का एक स्पष्ट रूप पीएचडी शोध में दिखाई देता है। कई संस्थानों में थीसिस के साथ निश्चित संख्या में शोधपत्रों की अपेक्षा की जाती है। परिणामस्वरूप शोध का प्रश्न ही बदल जाता है- अब यह जानने के लिए नहीं कि क्या खोजा जाना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि कितना प्रकाशित किया जा सके। इस सूक्ष्म परिवर्तन से शोध की दिशा ही नहीं, उसका उद्देश्य भी बदल जाता है। यहीं पेड-पेपर संस्कृति अपनी जड़ें जमाती है। एजेंसियां अब केवल लेखन नहीं करतीं, वे लेखक-पद उपलब्ध कराती हैं, प्रकाशन सुनिश्चित करती हैं और पूरी थीसिस तक तैयार कर देती हैं। शोध-प्रस्ताव से निष्कर्ष तक सब कुछ आउटसोर्स किया जा सकता है। ऐसे में डिग्री ज्ञान का प्रमाण नहीं, प्रक्रिया-पूर्ति का प्रमाणपत्र बन जाती है। यह केवल व्यक्तिगत अनैतिकता नहीं, यह उस संरचना का क्षरण है, जिसने संख्या को गुणवत्ता से ऊपर स्थापित कर दिया है।

केवल डिग्री प्रदाता न बनें विश्वविद्यालय

ऐसे समय में चीन जैसे कुछ देशों द्वारा शोध मूल्यांकन के मानकों में बदलाव संकेत देता है कि दिशा बदली जा सकती है। कुछ क्षेत्रों/विषयों में प्रकाशनों की संख्या से हटकर वास्तविक योगदान- चाहे वह समाधान हो, नवाचार हो या सामाजिक प्रभाव को महत्व देना एक प्रयास है, संतुलन बहाल करने का। यह कोई पूर्ण मॉडल नहीं, लेकिन यह स्वीकारोक्ति अवश्य है कि मेट्रिक्स पर्याप्त नहीं हैं। भारत के संदर्भ में यह प्रश्न और जटिल है। यहां मानविकी और सामाजिक विज्ञान की समृद्ध परंपरा है, जहां हर शोध किसी ठोस उत्पाद में परिणत नहीं होता, लेकिन प्रश्न वही बना रहता है क्या हम संख्या से आगे बढ़कर अर्थ को प्राथमिकता दे सकते हैं?

नीतिगत सुधार आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। मूल्यांकन व्यवस्थाओं में मौलिकता, गहराई और प्रासंगिकता को स्थान देना होगा। संस्थागत रैंकिंग में प्रभाव को गिनती से ऊपर रखना होगा, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन उस दृष्टिकोण में होना चाहिए, जो शोध को देखता है। क्योंकि अंततः संकट शोध का नहीं है, संकट उस तरीके का है, जिससे हम उसे मापते हैं। जब माप ही गलत हो, तो परिणाम भी विकृत होंगे। विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं होते, वे समाज के आत्मचिंतन के स्थल होते हैं। यदि वहां सत्य की जगह मेट्रिक्स और लेन-देन स्थापित हो जाएं, तो यह आत्मचिंतन भी औपचारिकता बन जाता है। डिग्रियां बढ़ सकती हैं, रैंकिंग सुधर सकती है, लेकिन ज्ञान का आधार कमजोर हो जाता है। इसलिए, आवश्यकता केवल सुधार की नहीं, पुनर्स्थापन की है, उस मूल प्रश्न की ओर लौटने की, जिससे हर शोध शुरू होता है: हम क्यों खोज रहे हैं? यदि यह प्रश्न ईमानदारी से पूछा जाएगा, तो उत्तर हमें स्वयं उस दिशा में ले जाएगा, जहां शोध फिर से जिज्ञासा, गहराई और सत्य से जुड़ सके। क्योंकि अंततः शोध का संकट प्रकाशनों की अधिकता नहीं है- सत्य की कमी है और जहां सत्य कम पड़ने लगे, वहां साख टिकती नहीं, वह केवल दिखाई देती है, रहती नहीं।

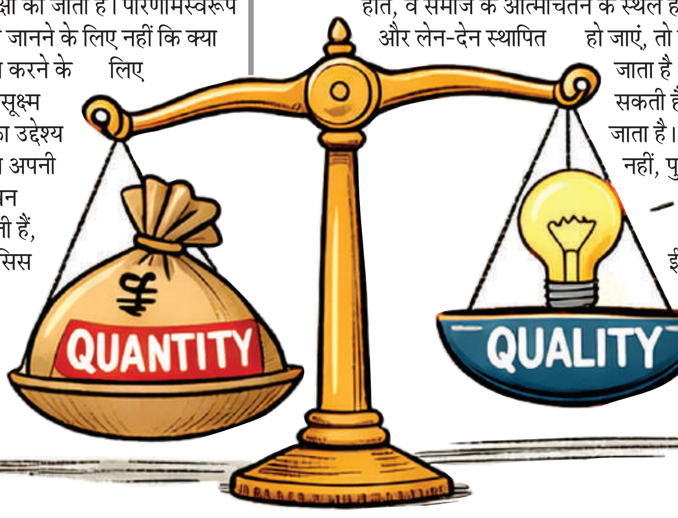

मनोवैज्ञानिक पक्ष

प्रीडेटरी और क्लोन जर्नल इस संरचना के स्वाभाविक विस्तार हैं। नकली इम्पैक्ट फैक्टर, संदिग्ध संपादकीय बोर्ड और औपचारिक सहकर्मी समीक्षा के सहारे वैधता का भ्रम निर्मित किया जाता है। वे इस संकट के कारण नहीं, बल्कि उसकी मांग का उत्तर हैं, जब मूल्यांकन गिनती से होगा, तो बाजार गिनती उपलब्ध कराएगा, लेकिन इस पूरे परिदृश्य का सबसे गंभीर पक्ष कहीं और है। यह केवल शोध के पतन की कहानी नहीं, यह सत्य के अवमूल्यन की कहानी है। जब ज्ञान का मूल्य उसकी संख्या से तय होने लगे, तो सत्य धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाता है। वह आवश्यक नहीं, वैकल्पिक बन जाता है। यहीं से एक गहरी बौद्धिक समस्या जन्म लेती है।

आज अकादमिक जगत में "दिखना" "समझना" पर भारी पड़ रहा है। शोधार्थी और शिक्षक दोनों ही एक ऐसे तंत्र में कार्य कर रहे हैं, जहां उनकी पहचान उनके प्रकाशनों की सूची से निर्धारित होती है। सूची जितनी लंबी, वैधता उतनी अधिक चाहे उसमें विचार की गहराई हो या न हो।

इस प्रवृत्ति का मनोवैज्ञानिक पक्ष भी स्पष्ट है। जब सफलता का संकेत बार-बार मात्रा में दिया जाता है, तो व्यक्ति उसी दिशा में अपने प्रयास केंद्रित करता है। गहन, धीमा और अनिश्चित शोध कम आकर्षक हो जाता है, जबकि त्वरित और सुनिश्चित प्रकाशन अधिक व्यावहारिक विकल्प बन जाता है। इस प्रकार, अनैतिकता विचलन नहीं रह जाती, वह तंत्र के भीतर एक तार्किक अनुकूलन बन जाती है। यहां शोध के समय-चक्र का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। वास्तविक शोध धीमा होता है- वह संदेहों, असफलताओं और पुनर्विचारों से गुजरता है, लेकिन जब उसी प्रक्रिया को समयबद्ध लक्ष्यों में बांध दिया जाता है, तो उसकी प्रकृति बदल जाती है। "सात दिन में स्कोपस पेपर" केवल एक दावा नहीं, यह उस अधीरता का प्रतीक है, जिसने गहराई को गति से बदल दिया है। इसका प्रभाव केवल वर्तमान शोध तक सीमित नहीं रहता, यह ज्ञान की पूरी संरचना को प्रभावित करता है। जब संदिग्ध शोध संदर्भ बनते हैं, तो त्रुटियां आगे बढ़ती हैं। धीरे-धीरे समस्या व्यक्तिगत नहीं, प्रणालीगत हो जाती है, जहां सत्य और प्रमाण दोनों संदिग्ध होने लगते हैं।

कॉलेज का पहला दिन

स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का एहसास

शुभांक राज मौर्या
बीएससी छात्र, एसएस पीजी कॉलेज, शाहजहांपुर

आज भी मेरी यादों में उतनी ही ताजगी के साथ बसा है, कॉलेज का पहला दिन। एक बीएससी छात्र के रूप में यह मेरे जीवन का नया अध्याय था, जिसमें उत्साह, जिज्ञासा और हल्की-सी घबराहट तीनों एक साथ मौजूद थे। स्कूल की सुरक्षित और परिचित दुनिया से निकलकर कॉलेज की खुली और विस्तृत दुनिया में कदम रखना मेरे लिए एक बड़ा बदलाव था।

उस दिन मैं सुबह काफी जल्दी उठ गया था। मन में कई तरह के विचार उमड़-घुमड़ रहे थे। कैसे लोग मिलेंगे, पढ़ाई कैसी होगी, क्या मैं खुद को वहां ढाल पाऊंगा या नहीं! मैंने बड़ी सावधानी से अपनी तैयारी की- नया बैग, साफ-सुथरे कपड़े, और मन में ढेर सारी उम्मीदें। जब मैं कॉलेज के गेट पर पहुंचा, तो सामने विशाल इमारत, इधर-उधर जाते छात्र-छात्राएं और अलग-अलग गतिविधियों का माहौल देखकर मैं कुछ पल के लिए ठिठक गया। क्लासरूम में प्रवेश करना भी अपने आप में एक अनुभव था। वहां बैठे अधिकांश चेहरे मेरे लिए अनजान थे।

मैं चुपचाप एक सीट पर जाकर बैठ गया। थोड़ी ही देर में फिजिक्स के प्रोफेसर आए और उन्होंने पढ़ाना शुरू किया। उनकी पढ़ाने की शैली स्कूल से काफी अलग थी। वे सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं थे, बल्कि हर विषय को समझने और सोचने पर जोर दे रहे थे। उसी समय मुझे एहसास हुआ कि अब पढ़ाई का स्तर बदल चुका है और मुझे भी खुद को उसी अनुसार ढालना होगा।

धीरे-धीरे पास बैठे कुछ छात्रों से बातचीत शुरू हुई। पहले तो झिझक थी, लेकिन फिर परिचय का सिलसिला चल पड़ा। किसी का सपना वैज्ञानिक बनने का था, तो कोई आगे रिसर्च करना चाहता था। उनकी बातें सुनकर मुझे भी अपने लक्ष्य और स्पष्ट दिखाई देने लगे। दोपहर में हम सब कैंटीन गए, जहां चाय और हल्की-फुल्की बातचीत ने हमें एक-दूसरे के करीब ला दिया। कॉलेज का माहौल मुझे बहुत अलग लगा। यहां किसी पर कोई बंधन नहीं था, लेकिन साथ ही अपनी जिम्मेदारी खुद निभानी थी। क्लास में जाना है या नहीं, पढ़ाई कैसे करनी है- ये सब अब हमारे अपने निर्णय थे। यह स्वतंत्रता जितनी आकर्षक थी, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में उत्तर प्रदेश की दिव्या सिंह ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सिर्फ 14 दिनों में साइकिल चलाकर एवरेस्ट बेस कैंप तक का सफर पूरा किया है। अपनी पूरी यात्रा के दौरान उन्हें जमा देने वाली ठंड, ऑक्सीजन की कमी और मुश्किल रास्तों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यह महज एक उपलब्धि ही नहीं है, बल्कि पहाड़ों पर साइकिल चलाते समय दिव्या ने जिस दृढ़ता और हिम्मत का प्रदर्शन किया है, यह उसका भी एक जीता-जागता उदाहरण है।
- हाल ही में विश्व व्यापार संगठन (WTO) का 14 वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC-14) 30 मार्च को कैमरून के याउंडे में संपन्न हुआ। यह सम्मेलन वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं को एक मंच पर लाता है, जहां वे महत्वपूर्ण आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पीयूष गोयल ने किया और भारत ने WTO सुधारों, मत्स्य पालन सब्सिडी, ई-कॉमर्स तथा कृषि से संबंधित चर्चाओं को दिशा देने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- बीते दिनों वरिष्ठ IAS अधिकारी नरेंद्र भूषण ने 6 अप्रैल, 2026 को भूमि संसाधन विभाग के सचिव का कार्यभार संभाल लिया है। यह विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है। वे उत्तर प्रदेश कैडर के 1992 बैच के अधिकारी हैं और विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तीन दशकों से अधिक का प्रशासनिक अनुभव रखते हैं।
- हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले में भुवनेश्वर कुमार ने इतिहास रच दिया। वह इंडियन प्रीमियर लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने CSK के आयुष म्हात्रे को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की।
- हाल ही में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 (KITG) का पहला संस्करण संपन्न हुआ। टूर्नामेंट के समापन के साथ ही, कर्नाटक राज्य ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने कुल 23 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य पदक जीते हैं। इस टूर्नामेंट ने पूरे देश से आदिवासी एथलीटों को एक मंच पर एकत्रित किया है और जमीनी स्तर के खेलों तथा समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक

- पद का नाम - स्थानीय बैंक अधिकारी
- योग्यता- स्नातक
- पदों की संख्या- 1000
- आवेदन की अंतिम तिथि-20-04-2026
- वेबसाइट- ibpsreg.ibps.in

भारतीय केंद्रीय बैंक

- पद का नाम-फैकल्टी मैंबर व अन्य
- पदों की संख्या-14
- वेतन- 12000- 30000 रुपये प्रति माह
- योग्यता-स्नातक, स्नातकोत्तर, मैट्रिक पास
- आयु सीमा-पदानुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि-30 अप्रैल 2026
- नौकरी का प्रकार-अनुबंध

इफको में प्रशिक्षु (लेखा) भर्ती

- पद नाम-प्रशिक्षु (लेखा)
- प्रशिक्षण अवधि-1 वर्ष
- प्रशिक्षण के दौरान मासिक वजीफा-लगभग 48,000 रुपये प्रति माह, प्रशिक्षण के बाद वेतनमान-40,000 रुपये – 75,000 रुपये (लगभग वार्षिक अनुमानित वेतन 12 लाख रुपये)
- योग्यता-सीए (इंटरमीडिएट) + यूजीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम 60 प्रतिशत)
- आयु सीमा-अधिकतम 30 वर्ष
- वेबसाइट – aavedan.iffco.coop/FMTRecruitment/
- आवेदन की अंतिम तिथि-15 अप्रैल 2026

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद

- पद नाम-अनुसंधान सहयोगी, कनिष्ठ अनुसंधान फेलो, परियोजना अधिकारी (प्रशासन)
- पदों की संख्या-4
- वेतन-37000 रुपये - 58000 रुपये प्रति माह
- योग्यता-पीएच.डी., एम.ई./एम.टेक./एम.आर्क, एम.सी.ए./एम.एससी, बी.एससी./बी.टेक./डिप्लोमा।
- आयु-32-40 वर्ष
- आवेदन अंतिम तिथि-14-04-2026
- नौकरी का प्रकार- अनुबंध

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में बनाएं उज्ज्वल भविष्य

आज के दौर में करियर चुनते समय छात्र ऐसे विकल्पों की तलाश में रहते हैं, जिनमें न सिर्फ अच्छी सैलरी हो, बल्कि समाज के लिए कुछ करने का अवसर भी मिले। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग ऐसा ही एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जो इंजीनियरिंग और मेडिकल साइंस का बेहतरीन मेल है। हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी से हो रहे बदलाव और नई तकनीकों के इस्तेमाल ने इस फील्ड को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। अगर आपकी रुचि तकनीक और चिकित्सा दोनों में है, तो यह क्षेत्र आपके लिए एक शानदार करियर विकल्प बन सकता है। आइए आपको विस्तार से बताते हैं-

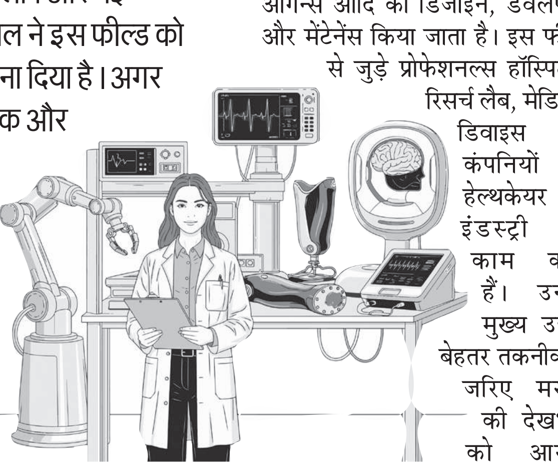

- **क्या है बायोमेडिकल इंजीनियरिंग-** बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एक ऐसा कोर्स और करियर फील्ड है, जिसमें इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को मेडिकल साइंस के साथ जोड़कर काम किया जाता है। इस क्षेत्र में मेडिकल उपकरणों जैसे MRI मशीन, एक्स-रे, पेसमेकर, आर्टिफिशियल ऑर्गन्स आदि का डिजाइन, डेवलपमेंट और मेंटेनेंस किया जाता है। इस फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स हॉस्पिटल, रिसर्च लैब, मेडिकल डिवाइस कंपनियों और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में काम करते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य बेहतर तकनीक के जरिए मरीजों की देखभाल को आसान और प्रभावी बनाना होता है।

क्यों बढ़ रही है डिमांड :

- **हेल्थकेयर सेक्टर का तेजी से विकास-** भारत सहित पूरी दुनिया में हेल्थकेयर इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है। नए अस्पताल, बेहतर सुविधाएं और आधुनिक उपकरणों की बढ़ती जरूरत के कारण इस क्षेत्र में कुशल बायोमेडिकल इंजीनियर्स की मांग लगातार बढ़ रही है।
- **नई टेक्नोलॉजी का बढ़ता उपयोग-** आज मेडिकल फील्ड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इन तकनीकों को समझने और लागू करने के लिए बायोमेडिकल इंजीनियर्स की भूमिका बेहद अहम हो गई है।
- **रिसर्च और इनोवेशन के अवसर-** इस क्षेत्र में लगातार नई तकनीकों और उपकरणों पर रिसर्च की जाती है। बायोमेडिकल इंजीनियर्स को नए-नए इनोवेशन करने का मौका मिलता है, जिससे न केवल करियर ग्रोथ होती है बल्कि समाज को भी बड़ा लाभ मिलता है।
- **सैलरी डिटेल्स-** बायोमेडिकल इंजीनियरिंग करने के बाद शुरुआती सैलरी लगभग 3 से 6 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकती है। अनुभव और कौशल बढ़ने के साथ यह सैलरी 10 लाख रुपये या उससे अधिक भी पहुंच सकती है। विदेशों में इस फील्ड के प्रोफेशनल्स को और भी बेहतर पैकेज और अवसर मिलते हैं।
- बायोमेडिकल इंजीनियरिंग आज के समय का एक फ्यूचर-रेडी करियर विकल्प है, जिसमें तकनीक और मानव सेवा दोनों का संगम देखने को मिलता है। अगर आप एक ऐसा करियर चाहते हैं, जिसमें नवाचार, सम्मान और बेहतर आय के अवसर हों, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2610, राज श्री 1990, फ़ॉर्चून कि. 2725, रविन्द्रा 2580, फॉर्चुन 13kg 2400, जय जवान 2140, सचिन 2320, सूरज 2140, अवसर 2100, उजाला 2130, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2560, मोर 2345, चक्र टिन 2580, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2500, स्वास्तिक 2565
किराना–निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150
चावल–(प्रति कु0)–डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7000, शरबती कच्ची 6250, शर्बती स्टीम 6450, मंसूरी 4300, महबूब सेला 4850, गौरी रॉयल 9800, राजभोग 7450, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10900, हरी पत्ति नेचुरल 9900, गौरी स्पेशल 9400, गौरी प्रीमियम 10900, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4300
दाल दलहन– मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10300–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800
चीनी– पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, रोज़ा 4280

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम– सोना पक्के आभूषण 152800, सोना गिन्नी 148800, चांदी (पक्की) 2430 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

नोट : दाम प्रति क्विंटल में
चावल : शरबती– 3800 मसूरी– 1100 बासमती– 7700–8200 परमल– 1000–3600
दाल दलहन–काला चना– 2000–3500 साबुत चना दाल– 1400 मूंग साबुत– 5200 राजमा– 7500–12400 दाल उड़द– 5400 साबुत मसूर दाल– 2000 मसूर दाल– 1200 उड़द साबुत– 10200 काबुली चना– 5200–10400 अरहर दाल– 10200 –12200 लोबिया/करमानी– 1400–3600

इंडस्ट्री विजन मीट 2026 में 150 से अधिक उद्यमियों की रही सहभागिता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

लखीमपुर में उद्योगों के विकास पर मंथन

मुख्य अतिथि आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार, चैप्टर चेयरमैन लखीमपुर दीपक अग्रवाल, अलकेश सोनी, शुभम खन्ना व अन्य।

अमृत विचार : शहर में बुधवार शाम आयोजित इंडस्ट्री विजन मीट 2026 में उद्योगों के विकास, निवेश और कौशल आधारित रोजगार को लेकर व्यापक मंथन हुआ। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में 150 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उद्योगों को नई दिशा देने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने और सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

लखीमपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) लखीमपुर चैप्टर द्वारा वंदन गार्डन में इंडस्ट्री विजन मीट 2026 कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में उद्योगपति और उद्यमी शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआईए के पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल ने उद्योगों में नवाचार और आधुनिक तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए तकनीकी उन्नयन बेहद जरूरी है। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों द्वारा औद्योगिक नीतियों, निवेश के अवसरों, बैंकिंग सहायता और सरकारी योजनाओं पर उपयोगी जानकारी दी गई। साथ ही सोलर एवं सतत ऊर्जा के क्षेत्र में संभावनाओं पर भी चर्चा हुई, जिससे उद्यमियों को नए अवसरों की दिशा मिली। संचालन आईआईए लखीमपुर चैप्टर के उपाध्यक्ष हुकुम चंद अग्रवाल और अंशू ने किया। आयोजन में उद्यमियों को अपनी समस्याएं रखने और विशेषज्ञों से सीधे संवाद का अवसर भी मिला।

आयोजकों ने इसे उद्योगों को सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक पहल बताया। इस अवसर पर सीसी मेंबर अलकेश सोनी, शुभम खन्ना, इंडियन बैंक के जोनल मैनेजर के अभय कुमार, जीएम, डीआईसी रूपेश आनंद, राजीव बंसल, गुरजीत सिंह मोंगा व आशुतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

> पूरे देश में उद्योग एक बड़े हब के रूप में विकसित हो चुका है। सरकार नवाचार पर विशेष ध्यान दे रही है। उद्यमियों से अपेक्षा है कि वे परंपरागत ढर्रे से हटकर कार्य करें, वैल्यू एडिशन के माध्यम से उत्पादों की कीमत और गुणवत्ता दोनों को बढ़ाएं तथा सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा दें। लखीमपुर जिला प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है, इसलिए इस उद्योग में भी इसे अग्रणी बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।
> –**अशोक अग्रवाल**, पूर्व अध्यक्ष, आईआईए

शिव तोलानी, मॉडर्न फूड प्रोडक्ट्स ओनर ने बताया कि इंडस्ट्री विजन मीट से उद्योगों से जुड़ी नई जानकारियां मिलीं। ऐसे आयोजन उद्यमियों के लिए काफी उपयोगी साबित होते हैं। आगे भी होते रहने चाहिए।

अमित केशवानी, गणेश ब्रिक फील्ड ओनर ने बताया कि कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं और बैंकिंग सुविधाओं की अच्छी जानकारी मिली। इससे उद्योग संचालन में मदद मिलेगी।

अंकुर अग्रवाल, (गोपाल ब्रिक्स फर्म के स्वामी) ने बताया कि मीट में उद्योगों की समस्याओं पर खुलकर चर्चा हुई। अधिकारियों से सीधे संवाद का अवसर मिला, जो सकारात्मक रहा।

अवि अग्रवाल, एनके इंडस्ट्री ओनरने बताया कि ऐसे आयोजनों से उद्योगों को नई दिशा मिलती है। भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए।

युद्धविराम और होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से निर्यातकों को राहत: फियो

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने बुधवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के साथ-साथ अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा से निर्यातकों को तत्काल राहत मिलेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए रोकने की घोषणा की। ईरान ने युद्धविराम के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित नौवहन की अनुमति देने पर सहमति जताई, जिससे तेल, शेयर बाजार और मुद्रा बाजार में तेजी से बदलाव आया।

फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना निर्यातकों को शिपिंग बाधाओं, उच्च ढुलाई दरों और बीमा लागत में राहत देता है। यह लॉजिस्टिक्स को सामान्य करने में मदद करेगा, निर्यातक अभी भी युद्धविराम की अस्थायी प्रकृति को देखते हुए सतर्क रहेंगे।

मुद्रा योजना से मजबूत हुई उद्यमशीलता की भावना

योजना के 11 साल पूरे होने पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पीएम मुद्रा योजना ने रुकावटों को दूर करके और लोगों की आकांक्षाओं पर विश्वास करके पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मज़बूत किया है।

पीएम मुद्रा योजना के 11 साल पूरे होने पर, मोदी ने कहा कि इस योजना ने लाखों लोगों को सपने देखने का आत्मविश्वास और उन्हें पूरा करने के साधन प्रदान करके ऋण तक पहुंच को फिर से परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि बाधाओं को दूर करके और जनता की आकांक्षाओं पर भरोसा जताकर, इस पहल ने पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना एक ऐसी आर्थिक विचारधारा को दर्शाती है जहां अवसर सुलभ हैं और पहलों को प्रोत्साहन दिया जाता है तथा हर सपने को साकार होने के लिए समर्थन मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्रा योजना की परिवर्तनकारी क्षमता की एक झलक और इसने हमारी युवा शक्ति और नारी शक्ति पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने पीएम मुद्रा योजना पर 'माई जीओवी इंडिया' मंच के एक पोस्ट को भी साझा किया।

माई जीओवी इंडिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा-असली आर्थिक बदलाव हमेशा बोर्डरूम से शुरू नहीं होता। कभी-कभी, यह एक छोटे कर्ज, एक स्थानीय विचार और शुरुआत करने की हिम्मत से आता है। मुद्रा योजना चुपचाप भारत की अर्थव्यवस्था की नींव को नया आकार दे रही है। बिना गारंटी के कर्ज देकर, इसने अनौपचारिक साहूकारों पर निर्भरता कम की है, वित्तीय समावेश को बढ़ाया है, और जमीनी स्तर पर ऋण अनुशासन को मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 वर्षों से अंजलि मुद्रा के रूप में काम किया है। इसने कहा-आकांक्षाओं और ऋण के बीच अंतराल को पाटते हुए इसने नौकरी की चाह रखने वाले 52 करोड़ से अधिक लोगों को उद्यमी बनाया है।

युद्धविराम के बाद सोना और चांदी के दाम में जबर्दस्त तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के दो हफ्ते के युद्धविराम पर सहमत होने के बाद मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 11,000 रुपये बढ़कर 2.51 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि सोना बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमत मंगलवार के बंद स्तर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम से 11,000 रुपये यानी लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 2,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गई। वहीं, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 3,200 रुपये यानी 2.09% बढ़कर 1,56,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) हो गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

काम की बात — Auto-Pay ! जरा संभल कर

कारोबार डेस्क

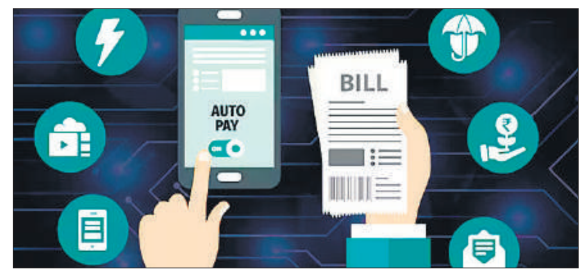

आज के ऑनलाइन युग में हम लोन की किस्तों, बिजली-पानी बिल, मोबाइल रिचार्ज के साथ ही OTT और इंश्योरेंस-आदि सबकुछ फोन से ही भुगतान करते हैं। बस? एक बार सेट किया और हो गया। लेकिन यही सुविधा तब नुकसान कर देती है जब हम सेटिंग भूल जाते हैं और पैसा अपने आप कटता रहता है। अक्सर लोग महीनों तक नोटिस ही नहीं करते कि अकाउंट से छोटे-छोटे अमाउंट निकल रहे हैं। ऐसे में ऑटो पे को उपयोग करने से पहले उसे समझना जरूरी है। आप भी समझना चाहते हैं तो ये आपके लिए काम की बात है–

Auto Pay: बड़ी गलतियां और समाधान

- **जल्दबाजी में सेटअप करना सबसे बड़ी गलती है?**
  –जब भी आप ऑटो पे सेट करते हैं, तो ये जरूर देखें :
  –कितनी राशि कटेगी? –फिक्स्ड है या वैरिएबल? –तारीख?
  ध्यान रखें : क्रेडिट कार्ड, बिजली बिल जैसे पेमेंट हर महीने बदलते हैं। अगर लिमिट सेट नहीं की तो ज्यादा रकम कट सकती है।
- **हर ऐप से ऑटो पे सेट करना सेफ है?**
  –बिल्कुल नहीं...केवल बैंक की ऑफिशियल ऐप या भरोसेमंद प्लेटफॉर्म ही चुनें। अनजान वेबसाइट/लिंक से फ्रॉड का बड़ा रिस्क है। आजकल फेक ऐप और फिशिंग लिंक के जरिए ऑटो-पे करवाकर पैसे उड़ाए जा रहे हैं।
- **ऑटो पे लगाने के बाद अकाउंट चेक करना जरूरी है?**
  –हां, और बेहद जरूरी है। हर महीने कम से कम 1 बार बैंक स्टेटमेंट देखें, SMS/Email अलर्ट पढ़ें। याद रखें कि 50-100 के छोटे कट भी बड़ी ठगी का संकेत हो सकते हैं।
- **अनजान ट्रांजेक्शन दिखे तो क्या करें?**
  –अनजान ट्रांजेक्शन दिखे तो तुरंत बैंक कस्टमर केयर से संपर्क करें। ऑटो पे/स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन बंद करें। जरूरत हो तो कार्ड ब्लॉक करें। देरी करने से आपका नुकसान बढ़ेगा।
- **क्या हर खर्च के लिए ऑटो पे सही है?**
  –हर खर्च के लिए सही नहीं होता। समझदारी से तय करें।
  EMI– सही, **जरूरी बिल**–सही
  OTT/**अनावश्यक सब्सक्रिप्शन**– गलत

प्वाइंटस में समझें बात

- ऑटो पे (Auto-Pay) से बिल भरना आसान, लेकिन रिस्क भी पूरा है।
- गलत सेटिंग यानि बार-बार पैसे कटने का खतरा
- प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर नजर रखना जरूरी है, ऑटोपे सेटकर भूलना नहीं।
- सही प्लेटफॉर्म यानी सेफ्टी

खतरनाक क्यों है ऑटोपे

- इसमें भुगतान के लिए बार-बार आपकी मंजूरी नहीं ली जाती। एक बार सेट किया और बार-बार ऑटो डेबिट।
- अर्थात गलत सेटिंग या सेटिंग में चूक से लगातार नुकसान की संभावना।

- **काम की बात**–Auto Pay लाइफ को आसान बनाता है, लेकिन अगर आप अलर्ट नहीं हैं तो यही सुविधा आपके पैसे के लिए खतरा बन सकती है। सही सेटिंग, नियमित चेकिंग और थोड़ी सी समझदारी ही आपको बचा सकती है।

स्टार्टअप का कर्ज आधारित वित्तपोषण 2025 में तीन अरब डॉलर रहा: रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में स्टार्टअप कंपनियों को कर्ज के जरिये मिलने वाले वित्तपोषण में तेजी आई है। वर्ष 2025 में बिना हिस्सेदारी दिए मिलने वाला कर्ज (उद्यम ऋण) 1.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि बड़ी कंपनियों के विस्तार के लिए दिया जाने वाला कर्ज (वृद्धि ऋण) 1.68 अरब डॉलर रहा। स्ट्राइड वेंचर्स की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान स्टार्टअप वित्तपोषण के तरीके में बड़े बदलाव का संकेत है। पहले इस तरह का कर्ज केवल कंपनियों की नकदी जरूरत (रनवे) बढ़ाने तक सीमित था लेकिन अब इसका इस्तेमाल विस्तार, अधिग्रहण और कारोबार को मजबूत करने में भी हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में करीब 187 स्टार्टअप कंपनियों ने उद्यम ऋण लिया। इसमें दिल्ली-एनसीआर 61.7 करोड़ डॉलर के ऋण के साथ सबसे आगे रहा और इसके बाद बेंगलुरु एवं मुंबई का स्थान रहा। क्षेत्रवार देखें तो वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनियों को सबसे ज्यादा 60 करोड़ डॉलर से अधिक का वित्त मिला, जबकि उपभोक्ता क्षेत्र में सबसे ज्यादा सौदे हुए। वहीं, वृद्धि के लिए कर्ज मुख्य रूप से बड़ी और परिपक्व कंपनियों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। 2025 में 32 सौदों के जरिये 1.68 अरब डॉलर जुटाए गए, जिसमें मुंबई आगे रहा। रिपोर्ट कहती है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसा का कर्ज आधारित वित्तपोषण तेजी से बढ़ा है।

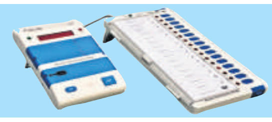

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव — महासंग्राम

युवा कांग्रेस ने दिल्ली में किया हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ प्रदर्शन

लगाया एससी-एसटी के अपमान का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय युवा कांग्रेस ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ अभद्र टिप्पणी को लेकर बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा उन पर अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अपमान का आरोप लगाया। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब के नेतृत्व में संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। शर्मा ने असम में मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में खरगे के लिए 'पागल' शब्द का इस्तेमाल किया था। चिब ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए जिस प्रकार कि भाषा का इस्तेमाल किया है वो पूरी तरह अपमानजनक और अस्वीकार्य है। खरगे देश के एक वरिष्ठ और लोकप्रिय नेता हैं, उनका अपमान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि इस देश के एससी-एसटी समाज के करोड़ों लोगों का भी अपमान है। उन्होंने दावा किया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की यह पुरानी आदत है कि जब कोई दलित नेता सच बोलता है, तब ये उसे अपमानित करने का प्रयास करते हैं। चिब ने कहा कि यही इनकी विचारधारा है, यही इनका असली चरित्र और चेहरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ये साफ दर्शाती है कि वह हिमंत विश्व शर्मा की इस भाषा का समर्थन करते हैं।

मतदान से पहले बाबा बैद्यनाथ की शरण में पहुंचे हिमंत विश्व शर्मा

देवघर (झारखंड), एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य विधानसभा चुनाव के तहत होने वाले मतदान से एक दिन पहले बुधवार को झारखंड के देवघर जिले में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। शर्मा भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच मंदिर पहुंचे और ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना करने के लिए सीधे गर्भगृह में गए। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच, उन्हें बेल पत्र, गंगा जल अर्पित करने में सहायता की। अनुष्ठान के बाद, मंदिर समिति ने शर्मा को बाबा बैद्यनाथ का एक प्रतीक शिल्प भेंट किया। शर्मा ने मंदिर की यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात नहीं की। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए बृहस्पतिवार को सुबह सात बजे मतदान शुरू होगा और शाम पांच बजे संपन्न होगा।

ममता ने भवानीपुर से भरा पर्चा, किया शक्ति प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए बुधवार को कालीघाट स्थित आवास से मार्च किया और इस निर्वाचन क्षेत्र को ध्रुवीकरण की चपेट में आए 'मिनी इंडिया' के रूप में पेश किया। नामांकन के लिए उनका यह अलग तरीका राज्य में भाजपा के 'परिवर्तन' के आह्वान के खिलाफ एक राजनीतिक जवाब है। बनर्जी ने ममता बनर्जी जिंदाबाद, जय बांग्ला और तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद के नारे लगाते समर्थकों की भीड़ के बीच अलीपुर सर्वे बिल्डिंग तक रैली का नेतृत्व किया तथा यहां नामांकन पत्र दाखिल किया। बनर्जी ने 2021 में भवानीपुर सीट से जीत हासिल की थी। ममता अपने अंदाज में 600 मीटर चलीं। उनके साथ उनकी महिला समर्थक शंख बजाती और जयकारे लगाती रहीं तथा पार्टी कार्यकर्ता तृणमूल कांग्रेस के झंडे लहराते रहे। बता दें कि भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में पिछले सप्ताह इस सीट पर नामांकन पत्र दाखिल करते हुए अपनी पार्टी का शक्ति प्रदर्शन और परिवर्तन का आह्वान किया था। नामांकन के बाद कहा कि मेरा जन्म और पालन-पोषण यहीं हुआ है। मैं साल के 365 दिन यहीं रहती हूं। मेरा जीवन भवानीपुर के इर्द-गिर्द घूमता है।

पर्यवेक्षक को ड्यूटी से हटाया गया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में कूच बिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के लिए तैनात सामान्य पर्यवेक्षक को काम के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में ड्यूटी से हटा दिया है। आयोग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि सामान्य पर्यवेक्षक अनुराग यादव को तत्काल वापस बुला लिया गया है। उन्होंने बताया कि कूच बिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक श्री यादव को अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या तक का ज्ञान नहीं था।

असम में मतदान से एक दिन पहले कांग्रेस प्रत्याशी ने पार्टी छोड़ी

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में मतदान से एक दिन पहले, उदलगुड़ी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुरेन दैमरी ने बुधवार को पार्टी छोड़ने और चुनावी मुकाबले से हटने की घोषणा की। हालांकि, कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने अभी तक पार्टी को अपना त्यागपत्र नहीं सौंपा है। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दैमरी का नाम ईवीएम में रहेगा और लोग उनके लिए वोट कर सकते हैं क्योंकि नामांकन वापस लेने की समय सीमा काफी पहले ही बीत चुकी है।

कांग्रेस प्रवक्ता बेदब्रत बोरा ने बताया कि दैमरी ने मीडिया के सामने अपने फैसले की घोषणा की और अब तक पार्टी को इस्तीफा नहीं सौंपा है। इससे पहले दैमरी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है और चुनावी मैदान से हटने का फैसला किया है।

बंगाल में एसआईआर ने बदला चुनावी गणित, घटे वोटर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 90.83 लाख से अधिक नाम हटा दिए गए हैं, जिससे कई सीट का गणित बदल गया है। इससे तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों के लिए नयी अनिश्चितताएं पैदा हो गई हैं। राज्य के कुल मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 6.77 करोड़ रह गई है, लिहाजा दोनों प्रमुख दलों को इस महीने दो चरण में होने वाले चुनाव अलग परिस्थितियों में लड़ने होंगे। इस बार परिस्थितियां 2021 के चुनाव की तुलना में काफी अलग हैं, जिनमें ममता बनर्जी की जीत हुई थी। सबसे ज्यादा असर उन जिलों में पड़ा है, जो लंबे समय से बंगाल की सत्ता तय करते रहे हैं। इनमें अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्र और दक्षिण बंगाल 2011 से तृणमूल कांग्रेस के गढ़ रहे हैं। दूसरी ओर उत्तर 24 परगना, नदिया और उत्तर बंगाल के कुछ हिस्सों में मतुआ-शरणार्थी क्षेत्र में 2019 के बाद भाजपा मजबूत हुई। हालांकि, इसका राजनीतिक असर हर जगह समान नहीं है।

केरल : निर्वाचन आयोग ने दिए राजनीतिक विज्ञापन हटाने के निर्देश

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने केरल में नौ अप्रैल को होने जा रहे विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले बुधवार को चैनलों और ऑनलाइन मंचों पर नजर आ रहे राजनीतिक विज्ञापनों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। आयोग के केरल स्थित कार्यालय ने एक आधिकारिक व्हाट्सऐप ग्रुप में यह निर्देश जारी किया। कहा गया कि चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद, इसकी अनुमति नहीं है। इन्हें तुरंत हटा लें।

...तो स्टालिन नहीं करने देते टीवीके का प्रचार: विजय

तिरुनेलवेली (तमिलनाडु), एजेंसी।

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यदि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के पास पूर्ण शक्तियां होतीं, तो यहां टीवीके का चुनाव प्रचार नहीं हो पाता। विजय ने कहा कि मुख्यमंत्री किसी न किसी तरह की बाधा खड़ी करके हमें आने से रोकते। लेकिन अब, जैसा कि इसे कार्यवाहक सरकार कहा जाता है और वह (स्टालिन) एक अधिकारहीन मुख्यमंत्री हैं। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन को कैश-बॉक्स अलायंस बताया और आरोप लगाया कि इसे लूटे गये रुपयों का इस्तेमाल करके बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन के घटक दलों में एकता नहीं है और कहा किगठबंधन में शामिल लोग एक-दूसरे को वोट तक नहीं देंगे। विजय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि द्रमुक ने कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई को 'करोड़ों रुपये देकर' अपने वश में कर लिया है।

तमिलनाडु में 6.36 लाख मतदाता बढ़े, अब कुल 5.73 करोड़ वोटर

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद कुल 6.36 लाख नए मतदाता जोड़े जाने से मतदाताओं की कुल संख्या 5.73 करोड़ हो गयी है। राज्य में 23 अप्रैल को मतदान होना है। चुनाव आयोग (ईसीआई) के जारी आंकड़ों के अनुसार, 23 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 5.67 करोड़ मतदाता थे। इसके बाद 23 फरवरी से 26 मार्च के बीच विशेष नामांकन अभियान चलाया गया। इसके दौरान 6,36,911 पात्र मतदाताओं को अतिरिक्त रूप से जोड़ा गया। अधिकारियों ने कहा कि नये नामांकित मतदाता पूरक सूची में अपने नाम की जांच कर सकते हैं, जिसे जल्द ही जारी किया जायेगा। नये नामांकित मतदाताओं में 3.44 लाख महिलाएं और 2.91 लाख पुरुष हैं।

कैश-फॉर-वोट विवाद में भाजपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ़ ने चुनाव आयोग से बुधवार को कथित कैश-फॉर-वोट मामले में भाजपा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आरोप लगाया कि पलक्कड में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा वोटरों को राजग उम्मीदवार और भाजपा नेता शोभा सुरेंद्रन की मौजूदगी में पैसे बांटे गए। सामने आए वीडियो के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला दर्ज किया जा सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

मिसरी ने शुरू की अमेरिका की यात्रा

वाशिंगटन। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बुधवार को अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की, जहां वह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर द्विपक्षीय व्यापार तथा रक्षा संबंधों की समीक्षा करेंगे और पश्चिम एशिया के संकट समेत वैश्विक घटनाक्रम पर चर्चा करेंगे। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने विदेश सचिव के आगमन पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि विदेश सचिव की इस यात्रा से भारत-अमेरिका साझेदारी के व्यापक दायरे की समीक्षा करने का मौका मिलेगा। क्वात्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मिसरी की यात्रा हमारे अमेरिकी भागीदारों के साथ भारत-अमेरिका साझेदारी की समीक्षा करने और व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम पर विचारों के आदान-प्रदान समेत हमारे द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है।

भारत-अमेरिका संबंधों के मजबूती पर चर्चा

वाशिंगटन। नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत-अमेरिका संबंधों के मजबूत भविष्य के निर्माण के तरीकों पर चर्चा की। गोर ने मंगलवार को ट्रंप के साथ रात्रिभोज पर मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान लगभग छह सप्ताह तक चले सैन्य संघर्ष के बाद दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। गोर ने वैश्विक स्थिरता लाने के प्रति ट्रंप की अटूट प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि अभी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ शानदार रात्रिभोज किया। हमने वैश्विक स्थिरता लाने के उनके अटूट संकल्प, उनके कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों, भारत-अमेरिका संबंधों के मजबूत भविष्य और कई अन्य विषयों पर चर्चा की।

ऑस्कर समारोहों की प्रसारण तिथि घोषित

लॉस एंजिलिस। ऑस्कर का आयोजन करने वाली संस्था ने एबीसी पर प्रसारित होने वाले अपने अंतिम दो शो की तारीखें तय कर दी हैं, जिनमें 100वां अकादमी पुरस्कार समारोह भी शामिल है। एकेडेमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज और एबीसी ने मंगलवार को घोषणा की कि 99वां ऑस्कर समारोह 14 मार्च, 2027 को और 100वां समारोह पांच मार्च, 2028 को आयोजित किया जाएगा। ये समारोह लंबे समय से अपने मूल नेटवर्क पर प्रसारित होने वाले अंतिम समारोह होंगे।

मणिपुर में हिंसा के बाद स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांति कायम

इंफाल, एजेंसी

- सरकार ने पांच जिलों में ब्राडबैंड इंटरनेट सेवा बहाल किया

मणिपुर के विष्णुपुरी जिले में बम हमलों को लेकर भड़की हिंसा के बाद स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांति बनी हुई है। राज्य सरकार ने घाटी के पांच जिलों में ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक को बुधवार को सशर्त हटा लिया, जबकि मोबाइल डेटा सेवाएं अब भी निलंबित रहेंगी।

गृह विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि यह निर्णय मौजूदा स्थिति की समीक्षा और नागरिकों को हुई परेशानियों को देखते हुए लिया गया है। बयान के अनुसार, इंटरनेट पर प्रतिबंध के कारण महत्वपूर्ण कार्यालयों और उच्च न्यायालय में कामकाज तथा घर से काम करने जैसी गतिविधियों में व्यवधान आया। इंटरनेट सेवाएं मंगलवार अपराह्न दो बजे से तीन दिनों के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई थीं। कहा गया है कि सशर्त प्रतिबंध हटाने का निर्णय केवल पंजीकृत आईएसपी/टीएसपी (इंटरनेट सेवा प्रदाता/दूरसंचार सेवा प्रदाता) के माध्यम से ब्रॉडबैंड कनेक्शन (इंटरनेट लीज्ड लाइन और फाइबर टू द होम) पर लागू होगा।

सहकर्मी को आंटी कहना पड़ा भारी, लगा जुर्माना

लंदन, एजेंसी

- भारतीय मूल की स्वास्थ्यकर्मी ने जीता उत्पीड़न के खिलाफ मुकदमा

ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस में कार्यरत भारतीय मूल की एक स्वास्थ्य सहायिका ने घाना मूल के एक नर्स सहकर्मी द्वारा उन्हें बार-बार आंटी कहे जाने के खिलाफ उत्पीड़न का मामला जीत लिया है।

वाटफोर्ड एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल न्यायाधीश जॉर्ज एलियट ने माना कि इल्डा एस्टेव्स को उम्र और लिंग के आधार पर परेशान किया गया था। उन्होंने वेस्ट लंदन एनएचएस ट्रस्ट को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ता की भावनाएं आहत किये जाने के लिए कुल 1,425.15 पाउंड का हर्जाना दे। पिछले साल इस मामले की सुनवाई पूरी करने वाले और पिछले माह फैसला सुनाने वाले तीन-सदस्यीय पीठ ने कहा कि घाना की संस्कृति में आंटी शब्द बुजुर्गों के लिए सम्मान का प्रतीक है।

हालांकि, वार्ड में टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी स्टाफ नर्स चार्ल्स ओप्पोंग की थी और उन्हें ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। फैसले में कहा गया कि हमें लगता है कि चार्ल्स ओप्पोंग का उद्देश्य संभवतः हास्य का एक आपत्तिजनक प्रयास था। शिकायतकर्ता ने इसे आपत्तिजनक माहौल बनाने के रूप में महसूस किया।

किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास अदालत को यह तय करने का अधिकार

सबरिमला केस की सुनवाई में केंद्र सरकार की दलील पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है। अदालत ने यह टिप्पणी केंद्र सरकार की इस दलील के जवाब में की कि धर्म से जुड़े मामलों पर फैसला करना अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के शबरिमला मंदिर समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े कथित भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई की शुरुआत में केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सवाल किया कि अदालत यह कैसे तय करेगी कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि मान लें कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है, तब भी यह तय करना अदालत का काम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत यह काम विधायिका का है कि वह सुधार के लिए कानून बनाए। मेहता ने कहा कि संसद या राज्य विधानसभाएं किसी प्रथा को अंधविश्वास मानकर उसके खिलाफ कानून बना सकती हैं, जैसे काला जादू रोकने से जुड़े कानून। इस पर न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला ने कहा कि यह दलील बहुत सरल है, क्योंकि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार है कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है या नहीं। उन्होंने कहा कि इसके बाद क्या कदम उठाना है, यह विधायिका देख सकती है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि जो विधायिका तय करे वही अंतिम होगा। मेहता ने कहा कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत किसी धार्मिक प्रथा को अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास धार्मिक मामलों में विशेषज्ञता नहीं होती।

प्रथा को उसी धर्म के नजरिए से देखने की जरूरत

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने कहा कि किसी धार्मिक प्रथा को समझने के लिए उसी धर्म के दर्शन के नजरिए से देखना चाहिए। उन्होंने कहा, किसी दूसरे धर्म के नजरिए से यह नहीं कहा जा सकता कि यह जरूरी धार्मिक प्रथा नहीं है। अदालत को उसी धर्म के सिद्धांतों के आधार पर फैसला करना चाहिए, लेकिन यह सब स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के अधीन होना चाहिए। मामले पर सुनवाई जारी है। सितंबर 2018 में, पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटाते हुए इसे अवैध और असंवैधानिक करार दिया था। बाद में 14 नवंबर 2019 को, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की दूसरी पीठ ने मुद्दे को 3:2 के बहुमत से बड़ी पीठ को भेज दिया था।

भारत में एक जगह जो प्रथा धार्मिक है वह दूसरी जगह अंधविश्वास

उच्चतम न्यायालय की नौ सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, माननीय न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं। मेहता ने कहा कि भारत जैसे विविध समाज में, एक प्रथा जो चीज धार्मिक है, वह दूसरी जगह अंधविश्वास मानी जा सकती है। इस दौरान न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने सवाल उठाया कि अगर जादू-टोना किसी धर्म का हिस्सा बताया जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने सवाल किया कि अगर इस मामले पर विधायिका चुप है, तो क्या अदालत सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के आधार पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती? इस पर मेहता ने जवाब दिया कि अदालत समीक्षा कर सकती है, लेकिन यह 'अंधविश्वास' के आधार पर नहीं, बल्कि 'स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था' के आधार पर।

'E-codes'

यह मासूम अंक नहीं, जहरीले रसायनों का डिजिटल नकाब

पैकेट बंद चिप्स का वो चटक रंग और फ्रोजन फूड का वो 'कभी न खत्म होने वाला' ताज़ा जायका कुदरत का करिश्मा नहीं, बल्कि फैक्ट्रियों में रची गई एक सोची-समझी साजिश है। गौर से देखिए उस पैकेट के पीछे की बारीक लिखावट को। यहां आपको विटामिन्स या मिनरल्स नहीं, बल्कि 'E-120', 'E-621' और 'E-951' जैसे रहस्यमयी कोड्स की एक लंबी लिस्ट मिलेगी। हकीकत यह है कि ये E-Codes कोई मासूम अंक नहीं, बल्कि उन जहरीले रसायनों, कृत्रिम रंगों और खतरनाक प्रिजर्वेटिव्स का 'डिजिटल नकाब' हैं, जिन्हें कंपनियाँ आपके सामने सीधे नाम से लिखने की हिम्मत नहीं जुटा पातीं। यह एक ऐसी भाषा है जिसे इसलिए बनाया गया है ताकि एक आम उपभोक्ता कभी समझ ही न पाए कि वह स्वाद के नाम पर कैंसरकारी तत्व, एलर्जी पैदा करने वाले केमिकल या धीमा जहर निगल रहा है। अमृत विचार का ये डिकोडर इन रहस्यमयी कोड्स की उस काली दुनिया को बेनकाब करेगा, जहां आपकी सेहत से ज्यादा तवज्जो खाने की 'शेल्फ लाइफ' को दी जाती है। जागिए, क्योंकि आपकी थाली में परोसा गया हर ई-कोड आपकी लंबी उम्र पर एक सीधा हमला है।

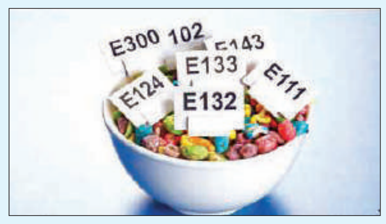

ई कोड क्या हैं और खाद्य पैकेटों पर क्यों लिखे जाते हैं

- ई-कोड उन रसायनों या तत्वों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक संख्याएं हैं, जिन्हें खाद्य पदार्थों में एडिटिव्स के तौर पर इस्तेमाल की मंजूरी मिली हुई है। यहां 'E' का अर्थ 'Europe' से है, क्योंकि इसकी शुरुआत यूरोपीय संघ ने की थी, लेकिन अब इसे वैश्विक स्तर पर, जिसमें भारत भी शामिल है, मान्यता प्राप्त है। एक ही केमिकल के अलग देशों में अलग-अलग नाम हो सकते हैं, कोड से वैश्विक स्तर पर एक ही पहचान रहती है।

इन्हें अब आईएनएस यानी इंटरनेशनल नंबरिंग सिस्टम के नाम से भी लिखा जाता है।

- कई कोड ऐसे हैं जो जानवरों या कीड़ों से प्राप्त किए जाते हैं, लेकिन पैकेट पर हरा निशान होने से लोग शाकाहारी समझ लेते हैं। जैसे E-120 (कारमाइन), जो लाल रंग के लिए कुचले हुए कीड़ों से बनता है।

- सुरक्षा : कई ई-कोड (जैसे E300 - विटामिन सी) भोजन को ऑक्सीकरण से बचाते हैं, जिससे वह स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित रहता है
- किफायती : बड़े पैमाने पर भोजन के उत्पादन और परिवहन में ये रसायन लागत कम करते हैं और भोजन को खराब होने से बचाते हैं
- एलर्जी और अस्थमा : कुछ कृत्रिम रंग (जैसे E102, E110) बच्चों में अति-सक्रियता और अस्थमा के मरीजों में समस्या पैदा कर सकते हैं।
- पाचन और तंत्रिका तंत्र : अजीनोमोटो (E621) जैसे तत्व नर्वस सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं और ज्यादा सेवन से सिरदर्द या मतली जैसी समस्या हो सकती है।

ये प्रभावित कर सकते हैं आपकी सेहत

- E621 (मोनोसोडियम ग्लूटामेट) : सिरदर्द या पसीना आने की समस्या। ● E102 (टारट्राजाइन) : बच्चों में अतिसक्रियता का कारण बन सकता है। ● E211 (सोडिएम बेंजोएट) : विटामिन-सी के साथ मिलकर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। ● E951 (एसपारटेम) : यह एक कृत्रिम शुगर है जो कुछ स्वास्थ्य स्थितियों में हानिकारक हो सकती है। ● E120 (कारमाइन) : यह शाकाहारियों के लिए नहीं है क्योंकि यह कीड़ों से बनता है।

खतरनाक रसायनों से बचाव के टिप्स

- पढ़ने की आदत डालें : पैकेट के पीछे सामग्री में लिखे छोटे अक्षरों को नजरअंदाज न करें। ● ताजा खाना चुनें : जितना हो सके अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बजाय ताजा फल और सब्जियां खाएं। ● FSSAI लोगो देखें : हमेशा मान्यता प्राप्त ब्रांड का सामान ही खरीदें।

कानूनी पक्ष और नियम

- भारत में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) खाद्य पैकेटों की लेबलिंग और ई-कोड के उपयोग को नियंत्रित करता है।
- अनिवार्य लेबलिंग : खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत हर कंपनी को सामग्री की सूची में इन कोड्स को लिखना अनिवार्य है
- शाकाहारी/मांसाहारी प्रतीक : हरे रंग का घेरा शाकाहारी और लाल रंग का त्रिकोण मांसाहारी उत्पाद को दर्शाता है
- सुरक्षा मानक : कंपनियों को केवल उन्हीं एडिटिव्स का उपयोग करने की अनुमति है जिन्हें FSSAI ने सुरक्षित माना है।

गोवा नाइटक्लब : ईडी ने कुर्क की 17 करोड़ रुपये की संपत्ति

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा स्थित उस नाइट क्लब के प्रवर्तकों के खिलाफ धनशोधन की जांच के तहत 17.45 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को कुर्क किया है, जहां दिसंबर 2025 में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बर्च बाय रोमियो लेन क्लब के खिलाफ कार्रवाई की। ईडी ने एक बयान में कहा कि गोवा के अरपोरा स्थित प्रतिष्ठान (बर्च बाय रोमियो) के "अवैध संचालन" से संबंधित जारी जांच के सिलसिले में 17.45 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को कुर्क करने का एक अंतरिम आदेश जारी किया गया। इसमें कुर्क की गई संपत्तियों के मालिकों का उल्लेख नहीं किया गया है। जनवरी में, एजेंसी ने क्लब के प्रवर्तकों - गौरव और सौरभ लूथरा - और कई अन्य लोगों के खिलाफ गोवा, दिल्ली और हरियाणा में छापेमारी की थी। गौरव और सौरभ लूथरा भाई हैं।

चीन की मध्यस्थता में हुई पाकिस्तान-अफगान वार्ता बिना समझौते के समाप्त

बीजिंग। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लड़ाई खत्म करने के लिए चीन की मध्यस्थता में एक सप्ताह तक चली वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। हालांकि, चीन का कहना है कि दोनों देश अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक व्यापक समाधान तलाशने पर सहमत हुए हैं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बुधवार को बताया कि चीन, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों ने 1 से 7 अप्रैल तक शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र की प्रांतीय राजधानी उरुमकी में अनौपचारिक वार्ता की। चीन की मध्यस्थता से हुई यह वार्ता, पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में कथित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए फरवरी के अंत में ऑपरेशन गजब-लिल-हक शुरू करने के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहली प्रमुख राजनयिक बातचीत थी। पाकिस्तान ने तालिबान के नेतृत्व वाली अफगान सरकार पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे समूहों के सदस्यों को शरण देने का आरोप लगाया है, जो पाकिस्तान में कई प्रांतों में बार-बार हमले कर विद्रोह को अंजाम दे रहे हैं। माओ ने कहा कि तीनों पक्षों ने एक अच्छे माहौल में खुलकर चर्चा की।

तनावपूर्ण माहौल में खत्म हुई निर्वाचन आयोग और टीएमसी के बीच बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी

- बैठक के बाद दोनों पक्षों ने लगाए एक-दूसरे पर माहौल खराब करने का आरोप

चुनाव आयोग के साथ हुई बातचीत की जानकारी देते डेरेक ओ ब्रायन।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक प्रतिनिधिमंडल और भारत निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ के बीच बुधवार को हुई बैठक तनावपूर्ण माहौल में समाप्त हुई। टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने उनसे यहां से चले जाइए कहा, जबकि आयोग ने टीएमसी नेताओं पर चिल्लाने का आरोप लगाया।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन, उप नेता सागरिका घोष, सांसद साकेत गोखले और मेनका गुरुस्वामी वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल चुनाव से कुछ दिन पहले निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की। बैठक के बाद ओ'ब्रायन ने मीडिया से कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नौ पत्र मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सौंपे जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। तृणमूल नेताओं ने निर्वाचन आयोग को उन कुछ मामलों से भी अवगत कराया जिनमें कुछ निर्वाचन अधिकारियों के भाजपा से तार जुड़े होने का आरोप लगाया गया है और उनके स्थानांतरण की मांग की गई है।

ओ'ब्रायन ने कहा कि हमने उन्हें ऐसे छह उदाहरण दिए जिनमें अधिकारी चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा हैं और उनके भाजपा के साथ संबंध हैं। इसमें नंदीग्राम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा एक स्थानीय भाजपा नेता के साथ होने का एक उदाहरण दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया है। ओ'ब्रायन ने कहा कि हमने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) से पूछा कि जब बंगाल में ऐसे दागी अधिकारियों को नियुक्त किया गया हो तो वह निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कैसे करा सकते हैं। इस पर उनका जवाब था यहां से चले जाइए। तृणमूल नेता ने कहा कि हमने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से कहा कि हम उनकी बात नहीं सुनेंगे क्योंकि वह अपने साथियों को बोलने नहीं देते। हमने इस तरह की आठ से नौ बैठकें की हैं।

अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाला मामले में बिचौलिया क्रिश्चियन मिशेल जेल से रिहा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जेल से रिहाई की याचिका बुधवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने कहा कि ब्रिटिश नागरिक की याचिका में कोई आधार नहीं है। जेम्स को दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था। फैसले की विस्तृत प्रति का प्रतीक्षा है।

अपनी याचिका में जेम्स ने भारत-यूएई प्रत्यर्पण संधि के एक प्रावधान को चुनौती दी थी। उसने सात अगस्त 2025 के निचली अदालत के उस आदेश को भी चुनौती दी थी, जिसमें दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 436ए के तहत उसकी रिहाई की अर्जी खारिज कर दी गई थी। जेम्स ने 1999 में हुई संधि के अनुच्छेद 17 को चुनौती दी, जो अनुरोध करने वाले देश (इस मामले में भारत) को प्रत्यर्पित व्यक्ति पर न केवल उस अपराध के लिए, जिसमें प्रत्यर्पण किया गया है, बल्कि उससे जुड़े अन्य अपराधों के लिए भी मुकदमा चलाने की अनुमति देता है। जेम्स की ओर से दलील दी गई कि प्रत्यर्पित व्यक्ति पर केवल उन्हीं अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है, जिनके लिए उसका प्रत्यर्पण हुआ है, न कि उनसे जुड़े अन्य अपराधों के लिए।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मोहसिना किदवई का निधन

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने उनके निधन पर दुख जताया और पार्टी एवं देश के लिए बड़ी क्षति बताया। किदवई के परिवारिक सूत्रों ने बताया कि उन्होंने तड़के चार बजे नोएडा के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं और कुछ दिन पहले उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिवार में तीन बेटियां हैं। आज शाम पांच बजे दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित कब्रस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

पुनर्गठन | पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिक संबंधी पाठ पर उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद लिया निर्णय

एनसीईआरटी ने अपनी पाठ्यक्रम समिति में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक खंड को लेकर उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपनी पाठ्यक्रम समिति का पुनर्गठन किया है।

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनसीईआरटी की उच्च स्तरीय 20-सदस्यीय राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और पठन-पाठन सामग्री समिति (एनएसटीसी) में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक वी कामकोटी; भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष रघुवेन्द्र तंवर, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति आर वेंकट राव और केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एनसीईआरटी के संयुक्त निदेशक-प्रभारी अमरेन्द्र प्रसाद बेहेरा शामिल हैं। पहले इस समिति में 22 सदस्य थे। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद, एनएसटीसी से तीन सदस्यों को हटा दिया गया है। इनमें आईआईटी गांधीनगर के पूर्व अतिथि प्रोफेसर मिशेल डैनिनो, चेन्नई स्थित 'सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज' के अध्यक्ष एम डी श्रीनिवास और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत बिबेक देबरॉय शामिल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनएसटीसी को आवश्यक बदलाव के माध्यम से मजबूत बनाने के लिए इसका पुनर्गठन किया गया है।

समिति को स्कूल पाठ्यक्रम और 12वीं तक पठन पाठन की सामग्री को विकसित करने का अधिकार

समिति को स्कूल के पाठ्यक्रम और पठन-पाठन सामग्री विकसित करने का अधिकार है, जिसमें तीसरी कक्षा से 12वीं तक की पाठ्यपुस्तकें शामिल हैं और यदि आवश्यक हो, तो पहली कक्षा और दूसरी की मौजूदा पाठ्यपुस्तकों को उचित रूप से संशोधित करने का भी अधिकार है ताकि कक्षा दूसरी से तीसरी में सुचारू रूप से बदलाव सुनिश्चित हो सके। फरवरी में, उच्चतम न्यायालय ने कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक का स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक एक खंड था। बाद में अदालत ने उक्त पाठ्यपुस्तक की भौतिक या ऑनलाइन प्रतियों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज का दिन ऊर्जा और नए अवसरों से भरा रहेगा। आपके पुराने अटके काम पूरे होंगे। दोपहर बाद निर्णय क्षमता प्रबल होगी।

वृष — आज का दिन मिश्रित रहेगा। संचार में सावधानी रखें। परिवार में शांति बनी रहेगी। नई जिम्मेदारियां मिल सकती है। धन खर्च बढ़ सकता है।

मिथुन — आज आप आक्रामक होकर कार्य करेंगे। नए प्रस्ताव मिल सकते हैं। लेखन और मीडिया आधारित कार्यों में बड़ा लाभ हो सकता है।

कर्क — आज दिन की शुरुआत में भावनात्मक उतार-चढ़ाव रहेगा। निवेश या बड़ी खरीदारी से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सिंह — आज नेतृत्व क्षमता व प्रभाव मजबूत रहेगा। नई मीटिंग, प्रेजेंटेशन या इंटरैक्शन आपके पक्ष में जाएगा। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा।

कन्या — आज चिंताओं के बावजूद कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी और व्यापार दोनों में स्थिर प्रगति। छोटी-छोटी बातों पर तनाव न लें।

तुला — आज किसी से विवाद की संभावना है, इसलिए दिन के पहले हिस्से में सतर्क रहें। दोपहर बाद परिस्थितियां स्थिर होंगी। आर्थिक पक्ष सुरक्षित रहेगा।

वृश्चिक — आज का दिन अत्यंत शक्तिशाली है। आपकी तीव्रता और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी। धन, करियर और मान-सम्मान में प्रगति होगी।

धनु — आज दोपहर बाद नया विचार, नई शुरुआत और अवसर प्रकट होंगे। आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। खुद में काफी उत्साह महसूस करेंगे।

मकर — आज भावनात्मक निर्णय न लें। कार्यस्थल पर प्रभाव बढ़ेगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

कुंभ — आज भाग्य मजबूत रहेगा। रणनीति, शिक्षा, प्रतियोगिता और क्रिएटिव कामों में सफलता मिलेगी। मित्रों से लाभ का संकेत है। यात्रा शुभ रहेगी।

मीन — आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए श्रेष्ठ है। करियर और धन दोनों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य में सुधार और मन में शांति रहेगी।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

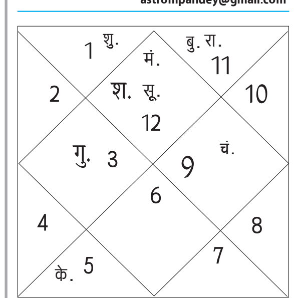

आज की ग्रह स्थिति : 9 अप्रैल, गुरुवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 21.19 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 08.48 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

सुडोकू - 113 का हल

3	2	9	5	1	6	4	7	8
6	4	7	3	8	2	9	5	1
8	1	5	7	4	9	6	2	3
7	6	4	2	3	1	8	9	5
5	3	2	6	9	8	1	4	7
1	9	8	4	7	5	3	6	2
9	7	6	8	5	3	2	1	4
4	8	1	9	2	7	5	3	6
2	5	3	1	6	4	7	8	9

सुडोकू -114

2				9				3
			8			9	7	
	1	7		3				5
				1			3	
		9				6		
8	4			2				
		5		8		4	2	
	7	2			9			
4				5				7

वैभव सूर्यवंशी और जसप्रीत बुमराह के बीच मुकाबला यह दिखाने के लिए था कि कौन बेहतर है। यह लड़का अब छा जाने के लिए तैयार है। वह 15 साल का है, लेकिन वह अपने करियर में अगला बड़ा कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हरभजन सिंह

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार, 9 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

कोलकाता नाइट राइडर्स
बनाम
लखनऊ सुपर जाएंट्स

समय - शाम 7:30 बजे

गिल-सुंदर की शतकीय साझेदारी से गुजरात ने दिया 211 रनों का लक्ष्य

आईपीएल-2026 : दिल्ली के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने लिए दो विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल और वॉशिंगटन सुंदर के बीच तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की मदद से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के मैच में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चार विकेट पर 210 रन बनाए। दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने कल यहां हुई बारिश और बादलों को देखते हुए टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।

मांसपेशी में ऐंठन से उबरकर वापसी करने वाले गिल ने 45 गेंद में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 70 रन बनाये जबकि जोस बटलर ने 27 गेंद में 52 और सुंदर ने 32 गेंद में 55 रन बनाए।

दिल्ली के लिए लुंगी एनगिडि ने चार ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को दो विकेट मिले लेकिन उन्होंने चार ओवर में 55 रन दे डाले। भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने चार ओवर में 42 रन देकर एक विकेट लिया। गुजरात के लिये भरोसेमंद सलामी बल्लेबाज साइ सुदर्शन ने अच्छी शुरूआत की और पहली ही गेंद पर मुकेश कुमार को स्ट्रेट चौका लगाया । वहीं अगले ओवर की पहली गेंद पर एनगिडि को कवर में चौका लगाकर अपने तेवर जाहिर किए। सुदर्शन हालांकि अगले ओवर में मुकेश की गेंद पर बोल्ड हो गए और 19 के स्कोर पर गुजरात ने पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद से बटलर ने अपने पुराने फॉर्म की झलक देते हुए गुजरात की रनगति को अपने आकर्षक स्ट्रोक्स से आगे बढाना जारी रखा। उन्होंने मुकेश का स्वागत स्ट्रेट में छक्का लगाकर किया। दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल चौथे ओवर में खुद गेंदबाजी के लिए आये लेकिन पहली गेंद पर बटलर ने चौका लगाया और अगली गेंद को लांग आन सीमारेखा के पार पहुंचा दिया। अक्षर के पहले ओवर में 13 रन बने। बटलर ने पांचवें ओवर में मुकेश को खासी नसीहत देते हुए तीन छक्के और एक चौके के साथ 23 रन निकाले । स्ट्रेट और लांग आन में छक्के के साथ उन्होंने गुजरात के पचास रन 4.2 ओवर में पूरे किये । पावरप्ले के छह ओवर में गुजरात का स्कोर एक विकेट पर 68 रन था।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल।

बटलर की आक्रामक बल्लेबाजी का नजारा दूसरे छोर से देख रहे गिल को स्ट्राइक नहीं मिलने का मलाल नहीं रहा होगा । इंग्लैंड के इस बल्लेबाज ने अक्षर की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया जिसमें तीन चौके और पांच छक्के शामिल थे। इस साझेदारी को खतरनाक होती देख अक्षर ने अपने सबसे होनहार गेंदबाज कुलदीप यादव को गेंद सौंपी और उन्होंने कप्तान को निराश नहीं किया । कलाई के इस स्पिनर की नीची गेंद पर बटलर (27 गेंद में 52 रन) चकमा खाकर बोल्ड हो गए। गुजरात के बल्लेबाज सातवें से दसवें ओवर के बीच 33 रन ही बना सके और एक विकेट भी गंवाया। दस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर दो विकेट पर 101 रन था। दिल्ली के लिये 12वां ओवर भी काफी महंगा साबित हुआ जिसमें 23 रन बने । पहले वॉशिंगटन सुंदर ने डीप मिडविकेट के ऊपर से विपराज निगम को छक्का लगाया। इसके बाद गिल ने गेंदबाज के सिर से ऊपर से गेंद को सीमा पार भेजा। गिल ने 15वें ओवर में एनगिडि को डीप स्क्वेयर लेग में चौका लगातर अपना अर्धशतक पूरा किया। कुलदीप 17वें ओवर में फिर गेंदबाजी के लिये आये जिन्होंने पहली गेंद लेग स्टम्प के बाहर शॉर्ट डाली जिस पर गिल ने जबर्दस्त पुल शॉट खेलकर शॉर्ट फाइन लेग के ऊपर छक्का लगाने के बाद चौथी गेंद पर अपनी पारी का पांचवां छक्का जड़ा । इस बीच गिल और सुंदर ने तीसरे विकेट के लिये 56 गेंद में सौ रन की साझेदारी पूरी कर ली। गिल की पारी का अंत एंगिडि ने किया जब गुजरात का स्कोर 183 रन था। वह आफ स्टम्प से बाहर जाती फुल लैंग्थ गेंद पर मिड आफ में नीतिश राणा को कैच दे बैठे। सुंदर ने नटराजन को 19वें ओवर में स्क्वेयर लेग के ऊपर छक्का लगाकर आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

गुजरात टाइटंस

210/4 (20 ओवर)

साइ सुदर्शन बो मुकेश	12
शुभमन गिल का राणा बो एनगिडि	70
जोस बटलर बो कुलदीप	52
वॉशिंगटन सुंदर का राणा बो मुकेश	55
ग्लेन फिलिप्स नाबाद	14
राहुल तेवतिया नाबाद	01

अतिरिक्त : छह रन। **गेंदबाजी** : मुकेश 4-0-55-2, एनगिडि 4-0 -24-1, अक्षर 3-0-32-0, कुलदीप 4-0-42-1, नटराजन 4-0-34-0, निगम 1-0-23- 0

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	6	2.403
2.	पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	0.637
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	2.501
4.	दिल्ली कैपिटल्स	2	2	0	0	4	1.170
5.	सनराइज़र्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	0.275
6.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	2	1	1	0	2	-0.542
7.	मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2	-0.715
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	3	0	2	1	1	-1.964
9.	गुजरात टाइटंस	2	0	2	0	0	-0.424
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.517

ऑरेंज कैप

यशस्वी जायसवाल
राजस्थान-170 रन
समीर रिजवी
दिल्ली - 160 रन
हेनरिच क्लासेन
हैदराबाद - 145 रन

पर्पल कैप

रवि बिश्नोई
राजस्थान- 7 विकेट
नांद्रे बर्गर
राजस्थान -5 विकेट
विजयकुमार वैशक
पंजाब- 5 विकेट

हाईलाइट

ड्रैग फ्लिकर दीपिका और गोलकीपर सविता की वापसी

नई दिल्ली। सलीमा टेटे की अगुवाई में आगामी अर्जेंटीना दौरे पर जाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के बुधवार को घोषित 24 सदस्यीय दल में ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका और अनुभवी गोलकीपर सविता की वापसी हुई है। डिफेंडर ज्योति और अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी मुमताज खान की भी वापसी हुई है, जिससे टीम के रक्षण और आक्रमण दोनों विभागों को मजबूती मिलेगी। भारतीय टीम 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना के खिलाफ चार मैच खेलेगी।
गोलकीपर : सविता, बिछू देवी खारिबाम। डिफेंडर : निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरंबम, मनीषा चौहान, ललथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता। मिडफील्डर : वैष्णवी विट्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, दीपिका सोरेंग, रुतुजा दादासो पिसल, इशिका।

मंधाना ने हाइजीन ब्रांड के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली। स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने एक प्रमुख महिला हाइजीन (स्वच्छता) ब्रांड की ब्रांड दूत बनने के बाद स्वास्थ्य और महिलाओं की हाइजीन को प्राथमिकता देने की अहमियत पर जोर दिया। '' पी सेफ'' ने अपने स्थापना दिवस पर भारतीय महिला टीम की उप कप्तान को अपनी 'कंफर्ट रेंज' का चेहरा बनाया है और इस दिग्गज खिलाड़ी के साथ इस साझेदारी का मकसद महिलाओं की हाइजीन के संदेश को फैलाना है। मंधाना ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा मुझे नहीं लगता कि कंफर्ट कभी ऐसी चीज होनी चाहिए जिसके बारे में आपको दो बार सोचना पड़े या कोई समझौता करना पड़े। यह बस आपको मिलनी चाहिए।

एयर पिस्टल में पुरुषों ने किया निराशा

ग्रेनाडा (स्पेन) : भारतीय पुरुष निशानेबाजों ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ पिस्टल/राइफल विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में निराश किया जहां तीनों प्रतिभागी फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहे। युवा मुकेश नेलावल्ली ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। वह 579 के स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। उज्जवल मलिक 577 के कुल स्कोर (95, 96, 96, 97, 95, 98) के साथ 22वें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में भाग ले रहे तीसरे भारतीय प्रमोद (पहली बार किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सीनियर श्रेणी में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे) ने 574 का स्कोर बनाकर 86 निशानेबाजों के बीच 39वां स्थान हासिल किया।

शमी ने नई तरह की गेंद का इजाद कर अभिषेक को आउट किया

कोलकाता, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो ने खुलासा किया कि अनुभवी मोहम्मद शमी ने भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण के साथ मिलकर अभिषेक शर्मा को चकमा देने के लिए नई गेंद का इजाद किया था।

शमी ने ऑफ स्टंप के बाहर निकलती धीमी गेंद पर टी20 रैंकिंग के शीर्ष बल्लेबाज को चकमा देकर आउट किया था। भारतीय टीम से बाहर चल रहे शमी बंगाल के लिए शानदार घरेलू सत्र के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए बेहतरीन लय में हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के सितारों से सजे शीर्ष क्रम को ध्वस्त करते हुए चार ओवरों में 18 डॉट गेंदों सहित सिर्फ नौ रन खर्च कर दो विकेट लिए। क्रो ने कहा (गेंदबाजी कोच) भरत अरुण और शमी ने मैच से चार दिन पहले गेंदबाजी में नई तरह की गेंद का इजाद किया था। उन्होंने उसी गेंद का इस्तेमाल अभिषेक को आउट करने के लिए किया। अभिषेक ऑफ स्टंप से बाहर की ओर निकल रही धीमी गेंद को समझने में चूक कर गए और शॉर्ट थर्ड मैन पर लपके गए।

हावट्र्ज के गोल से आर्सेनल ने स्पोर्टिंग लिस्बन को हराया

लंदन, एजेंसी

काई हावट्र्ज के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से आर्सेनल ने क्वार्टर फाइनल की पहले चरण में स्पोर्टिंग लिस्बन को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। एस्टाडियो जोस अल्वाल्डे स्टेडियम में जब लग रहा था कि मैच गोलरहित बराबरी पर समाप्त होगा तब स्थानापन्न खिलाड़ी हावट्र्ज ने गोलकीपर रुई सिल्वा को छकाते हुए करीब से गोल दागकर आर्सेनल को अगले सप्ताह होने वाले दूसरे चरण के मैच से पहले महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी।

पुर्तगाल में खेले गए इस कड़े मुकाबले में हावट्र्ज ने इंजरी टाइम के पहले ही मिनट में गैब्रियल मार्टिनेली के साथ मिलकर मैच का रुख बदल दिया। मार्टिनेली ने लिस्बन के डिफेंस को भेदकर गेंद बॉक्स के अंदर जर्मन खिलाड़ी हावट्र्ज को दी जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। हावट्र्ज ने मैच के बाद कहा आखिरी समय में गोल करना हमेशा अच्छा लगता है। हम इस परिणाम से खुश हैं पर अभी काम पूरा नहीं हुआ है।

चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल

केन ने बायर्न को रियल मैड्रिड पर 2-1 से जीत दिलाई

मैड्रिड। हैरी केन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में रियल मैड्रिड को 2-1 से हराया। केन ने एक गोल किया जबकि एक अन्य गोल करने में मदद की जिससे बायर्न 2-0 से आगे हो गया। किलियन एमबाप्पे ने रियल मैड्रिड की तरफ से गोल करके अंतर को कम किया। केन टखने में चोट के कारण पिछले सप्ताहांत बुंडेसलिगा मैच में नहीं खेल पाए थे और उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध माना जा रहा था। उन्होंने हालांकि न सिर्फ मैच खेला बल्कि शानदार प्रदर्शन भी किया।

लखनऊ के खिलाफ व्यापक बदलाव कर सकता है कोलकाता

कोलकाता, एजेंसी

लय हासिल करने के लिए जूझ रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में सत्र की पहली जीत हासिल करने के लिए अपनी अंतिम एकादश में व्यापक बदलाव कर सकती है।

केकेआर के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा क्योंकि उसका सामना मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज से होगा जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए थे। उन्होंने लगातार ओवरों में अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड को आउट किया था। घरेलू क्रिकेट में बंगाल की तरफ से खेलने वाले शमी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वह सीधी सीम गेंदबाजी और गेंद की स्विंग कराने में माहिर हैं तथा वह ईडन गार्डन्स की परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। केकेआर ने अभी तक तीन मैचों में जीत हासिल नहीं की है। यहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है। बारिश के कारण रद्द कर दिए गए पिछले मैच में पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने दिखाया कि अधिक घास वाली पिच पर सीधी सीम गेंदबाजी कितनी प्रभावी हो सकती है। उन्होंने तीन गेंद के अंदर फिन एलन और कैमरन ग्रीन को आउट करके केकेआर के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था।

केकेआर भाग्यशाली रहा कि यह मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। इससे उसने अंक तालिका में अपना खाता भी खोला। पश्चिमी बंगाल के गंगा वाले क्षेत्र से लेकर मन्नार की खाड़ी तक निम्न दबाव बनने के कारण यहां पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार देर रात और गुरुवार की सुबह बारिश होने की संभावना है। हालांकि मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होने के कारण इस पर ज्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है। केकेआर के लिए शमी बड़ा खतरा साबित होंगे। तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और स्पिनर दिग्वेश राठी का सामना करना भी आसान नहीं होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स के ब्लेसिंग मुजाराबानी। एजेंसी

टीम

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, तेजस्वी सिंह, कार्तिक त्यागी, प्रशांत सोलंकी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, ब्लेसिंग मुजाराबानी, सौरभ दुबे और नवदीप।

एलएसजी : ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडेन मारक्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान।

आत्मविश्वास से भरी है एलएसजी

जहां तक एलएसजी का सवाल है तो उसकी टीम पिछले मैच में जीत दर्ज करने से आत्मविश्वास से भरी होगी। उसके कप्तान ऋषभ पंत ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पिछले मैच में नाबाद 68 रन बनाए थे और वह अपनी इस फॉर्म को जारी रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। एलएसजी की टीम में पंत के अलावा शीर्ष तीन में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श और दक्षिण अफ्रीका के एडन मारक्रम भी शामिल हैं। वह केकेआर के गेंदबाजों पर शुरू से ही हावी होने की कोशिश करेंगे।

बिली जीन किंग कप

एशिया-ओशियाना ग्रुप के एकल मुकाबलों में दोनों ने विजय अर्जित की

वैष्णवी और सहजा ने भारत को न्यूजीलैंड पर दिलाई जीत

वैष्णवी अडकर।

नई दिल्ली, एजेंसी

युवा वैष्णवी अडकर और सहजा यमलापल्ली ने अपने-अपने एकल मुकाबलों में आसान जीत दर्ज की जिससे भारत ने बुधवार को यहां बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशियाना ग्रुप एक में वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को 3-0 से हरा दिया।

पदार्पण कर रही वैष्णवी और सहजा को पहले मुकाबले में निराशाजनक शिकस्त का सामना करना पड़ा था जिससे भारत वर्षा से प्रभावित मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1-2 से हार गया था। हालांकि दूसरे मुकाबले में भारत ने वापसी की और दोनों युवा खिलाड़ियों ने दबाव में धैर्य बरकरार रखते हुए अपने-अपने एकल मैच जीते। न्यूजीलैंड की टीम अपनी स्टार खिलाड़ी लुलु सुन के बिना उतरी। दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर वैष्णवी ने काफी सुधार दिखाया। उन्होंने सहज गलतियां कम की और बेहतर नियंत्रण के साथ शॉट खेले तथा न्यूजीलैंड की खिलाड़ी आइशी दास को पहले एकल मैच में एक घंटे 30 मिनट में सीधे सेट में 6-2, 6-4 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। सहजा ने इसके बाद वैलेंटिना इवानोव को दूसरे एकल में सीधे सेट में 6-1, 6-3 से हराकर भारत को 2-0 की विजयी बढ़त दिला दी। रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की जोड़ी ने महिला युगल में दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी एरिन रूटलिफ और दुनिया की 338वें नंबर की खिलाड़ी मोनिक बैरी की जोड़ी को सीधे सेट में 6-4 6-2 से हराकर भारत की आसान जीत सुनिश्चित की। इससे पहले रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की युगल मुकाबले में जीत के बावजूद भारत सहजा की तीन सेट तक चले मुकाबले में पैचरिन चीपचंदेज से पराजय के कारण बारिश से प्रभावित अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड से 1-2 से हार गया।

विश्व रैंकिंग में 384वें स्थान पर काबिज सहजा पर बहुत कुछ निर्भर था। भारत पहला एकल मुकाबले हारने के कारण सहजा से वापसी करने की उम्मीद कर रहा था लेकिन यह 25 वर्षीय खिलाड़ी उसे मुकाबले में बनाए रखने में नाकाम रही। वह विश्व रैंकिंग में 449वें नंबर पर काबिज पैचरिन से 4-6, 6-1, 4-6 से हार गई।

मैं निश्चित रूप से बहुत नर्वस थी : वैष्णवी

यह बिली जीन किंग कप में मेरा पहला मैच था इसलिए मैं निश्चित रूप से बहुत नर्वस थी। मैंने अपनी घबराहट से ठीक तरीके से नहीं निपट पाई लेकिन यह मेरे लिए एक सबक था। उन्होंने कहा आज कोर्ट पर आकर मुझे उस चीज पर ध्यान देना था जिसमें मैं सबसे अच्छी हूं। मुझे बस कोर्ट पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। वहीं, सहजा ने कहा मैं जीत से खुश हूं। (थाईलैंड के खिलाफ) यह एक मुश्किल मैच था। हमें अलग नतीजे की उम्मीद थी, हमने वह किया जो हम कर सकते थे। हमने जी-जान से लड़ाई लड़ी। मैं (पहले मैच में) अपनी रणनीति से खुश नहीं थी इसलिए मैंने खुद से कहा कि मैच खत्म करने के लिए इसे बेहतर करना है। हमें हर अंक के लिए लड़ना होगा, एक-दूसरे का समर्थन करना होगा और देखना होगा कि यह हमें कहां ले जाता है।

आयुष ने ली शी को हराकर उलटफेर किया, सिंधु और प्रणय भी जीते

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

निंगबो (चीन), एजेंसी

भारत के उभरते हुए स्टार आयुष शेट्टी ने बुधवार को यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उलटफेर करते हुए दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी चीन के लिन शी फेंग को हराया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू और अनुभवी एचएस प्रणय भी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

अमेरिकी ओपन 2025 चैंपियन आयुष ने चीन के स्टार लिन को 51 मिनट में 21-13, 21-16 से हराया। दोनों गेम में लिन की अच्छी शुरुआत के बावजूद आयुष दबदबा बनाते हुए अंतिम 16 में पहुंच गए। लिन ने शुरुआत में ही 4-1 की बढ़त बना ली लेकिन आयुष ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में चीन के खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 4-1 से बढ़त हासिल की और फिर इसे 12-9 तक पहुंचाया लेकिन आयुष ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 18-13 कर दिया। लिन ने अंतर कम करते हुए स्कोर 16-18 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और लगातार तीन अंक के साथ खिताब के दावेदार माने जा रहे लिन को बाहर का रास्ता दिखा दिया। सिंधू ने महिल एकल में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 57 मिनट में 15-21, 21-11, 21-19 से हराया। अब सिंधू का सामना प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चीन की वांग झी यी से होगा। दोनों का पिछले मुकाबलों में जीत-हार का रिकॉर्ड 3-3 का रहा है। पुरुष एकल में अनुभवी प्रणय ने वियतनाम के एनगुएन हेई डांग को 47 मिनट में 24-22, 21-12 से हराया। दूसरे दौर में उनका सामना चीन के होंग यांग से होगा जिन्हें पहले दौर में वॉकओवर मिला। लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, मालविका बंसोड़ और तन्वी शर्मा पहले दौर में हारकर बाहर हो गए हैं।